- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- सोमनाथ मंदिर अदम्य भावना का प्रतीक 11 को करेंगे दौरा-12

- एफएआई ने कहा-देश का यूरिया आयात दोगुना होकर 71.7 लाख टन पहुंचा-12

- रूस तेल आयात को लेकर ट्रंप की भारत को शुल्क बढ़ाने की चेतावनी-13

- हॉकी लीग से खुद को फिर साबित करना चाहते हैं हरजीत सिंह-14

आज का मौसम

13.0° अधिकतम तापमान

6.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.05

सूर्यास्त 05.30

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष तृतीया 08:01 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 6 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 43, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

अंतिम संस्कार में शामिल होने आते समय मां और बेटे की गई जान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

सुनीता।

गोविंद।

अमृत विचार: नानी के अंतिम संस्कार में मां के साथ शामिल होने आ रहे युवक की बाइक में बेकाबू ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों ने मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

हरदोई जिले के थाना पचदेवरा के गांव देविन्नापुर निवासी सुनीता (45) का मायका जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव अकोरा में है। रविवार सुबह उनकी चाची की बीमारी से मृत्यु हो गई थी। वह बेटे गोविंद (21) के साथ रविवार दोपहर को बाइक से अकोरा गांव में अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आ रही थी। हरदोई रोड पर पचदेवरा गांव के सामने ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे मां-बेटे घायल हो गए। पचदेवरा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घायल मां-बेटे को मेडिकल कॉलेज भेज दिया। रविवार की

- ट्रक ने बाइक में मारी थी टक्कर इलाज के दौरान तोड़ा दम

शाम सुनीता ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, इसके बाद बेटे गोविंद की सोमवार की सुबह मौत हो गई। चौक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि घटना पचदेवरा थाना क्षेत्र की है। मृतक गोविंद चार भाइयों में सबसे छोटा था और उसकी एक बहन है। वह इंटर में पढ़ाई कर रहा था। परिवार वालों ने उसकी शादी सीतापुर में तय कर दी थी। मई में उसकी शादी होनी थी और गोद भराई हो गई थी। शादी को लेकर घर में पहले से तैयारी चल रही थी।

पहाड़ों में बर्फबारी ने बढ़ाई गलन, कंपकंपाया प्रदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में 10 जनवरी तक कोहरे व सर्दी का ऑरेंज और यलो अलर्ट

अमृत विचार: पहाड़ों वाली सर्दी से उत्तर प्रदेश कंपकपा रहा है। पहाड़ों पर बर्फबारी के बाद उधर से होकर आ रही तेज उत्तर पश्चिमी हवा ने कंपा दिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 10 जनवरी तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में कोहरे व सर्दी का ऑरेंज से यलो अलर्ट रहेगा। राजधानी समेत प्रदेशभर में ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी प्रमुख चौराहों और गांवों में अलाव जलाने के निर्देश दिए है।

इस बीच विभिन्न शहरों में दिन के समय अधिकतम पारा लगभग 19 और रात में पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरने का अनुमान है। सोमवार को कई जिलों में सुबह के समय

- प्रदेशभर में ठंड को देखते हुए प्रमुख चौराहों और गांवों में अलाव जलाने के निर्देश
- कई शहरों में दिन में अधिकतम पारा 19 और रात में 5 डिग्री तक गिरने का अनुमान

बाराबंकी, कानपुर, इटावा की गुजरी सबसे सर्द रात

कानपुर का न्यूनतम तापमान 3 .2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ और बाराबंकी में पारा 3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे ये जिले सबसे ठंडे बने हुए हैं। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। खासकर कानपुर शहर में उत्तर पश्चिमी हवाओं के चलते रविवार को कानपुर में पारा 7 .4 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया और 3 .2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो इस सीजन का सबसे कम तापमान रहा। इससे पहले साल 2013 में कानपुर का रात का तापमान 1 .2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था।

विजिबिलिटी न के बराबर पायी गई। मौसम विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक आगामी एक हफ्ते तक कोई राहत नहीं मिलने वाली है। इस दौरान सुबह और रात के वक्त घना कोहरा छाया रहेगा। लखनऊ समेत प्रदेशभर में ठंड को देखते हुए स्थानीय जिला प्रशासन ने सभी प्रमुख चौराहों और गांवों में अलाव जलाने के निर्देश दिए हैं। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार मंगलवार को कानपुर, इटावा, बाराबंकी, हरदोई और शाहजहांपुर जैसे जिलों में न्यूनतम तापमान काफी कम रह सकता है। इन इलाकों में पारा तीन से पांच डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा, जबकि बाराबंकी, कानपुर जैसे शहरों में ठंड का असर सबसे अधिक दिख सकता है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिमी और तराई के कई जिलों, खासकर कानपुर, बाराबंकी और पूर्वी यूपी के कुछ हिस्सों में घना कोहरा और शीतलहर के कारण तापमान में भारी गिरावट आई है।

न्यूज ब्रीफ

ओएनजीसी कुएं से गैस रिसाव के कारण आग लगी, कोई हताहत नहीं

मोरी (आंध्र प्रदेश)। यहां के डॉ. बीआर आंबेडकर कोनासीमा जिले में ओएनजीसी की उत्पादन इकाई दीप इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एक कुएं में गैप पाइपलाइन के रिसाव के कारण सोमवार को आग लग गई। घटना में किसी के भी घायल होने या मौत की कोई सूचना नहीं है। गैस रिसाव और उसके बाद लगी आग के मद्देनजर, राजामुंद्री से ओएनजीसी के वरिष्ठ अधिकारी मोरी गांव पहुंचे। यहां मोरी-5 कुएं में आग लगी थी। अधिकारी ने बताया कि मोरी-5 कुआं कंपनी द्वारा करीब एक साल से संचालित किया जा रहा है।

दिल्ली विस्फोट : यासिर अहमद को 11 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। लाल किला विस्फोट मामले के आरोपी यासिर अहमद डार को सोमवार को 11 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। कोर्ट ने पिछले साल 26 दिसंबर को डार की एनआईए हिरासत 10 दिन के लिए बढ़ा दी थी। एनआईए ने 18 दिसंबर को मामले में नौवें आरोपी डार को गिरफ्तार किया था। जम्मू-कश्मीर का रहने वाला डार आत्मघाती हमलावर उमर-उन-नबी का करीबी था, जो 10 नवंबर को लाल किले के बाहर विस्फोटकों से भरी कार चला रहा था।

सिपाही भर्ती : सभी वर्गों को मिलेगी आयुसीमा में तीन साल की छूट

योगी सरकार का बड़ा फैसला, मंत्रियों और विधायकों ने लिखा था पत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सिपाही के 32,679 पदों पर होने वाली सीधी भर्ती में युवाओं को राहत शासनादेश जारी किया गया

अमृत विचार: प्रदेश में सिपाही भर्ती की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं को मुख्यमंत्री योगी ने बड़ी राहत दी है। अभ्यर्थियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस विभाग में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर प्रस्तावित सीधी भर्ती-2025 के लिए सभी वर्गों को अधिकतम आयु सीमा में एकमुश्त तीन वर्ष की छूट देने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है।

सीधी भर्ती-2025 के अंतर्गत कुल 32,679 पदों को लेकर इस महत्वपूर्ण निर्णय से लाखों युवाओं को राहत मिली है। भाजपा व सहयोगी दलों के मंत्रियों-विधायकों ने इसे लेकर मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था। शासनादेश के अनुसार आरक्षी नागरिक पुलिस (पुरुष/महिला), आरक्षी पीएसी/सशस्त्र पुलिस (पुरुष), आरक्षी विशेष सुरक्षा बल (पुरुष), महिला बटालियन हेतु महिला आरक्षी, आरक्षी घुड़सवार पुलिस (पुरुष) तथा जेल वार्डर (पुरुष एवं महिला) पदों पर भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित होने वाले सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को यह आयु शिथिलीकरण एक बार के लिए प्रदान किया जाएगा। सरकार द्वारा यह निर्णय उत्तर प्रदेश लोक सेवा (भर्ती के लिए आयु सीमा का शिथिलीकरण) नियमावली-1992 के नियम-3 के आलोक में लिया गया है। यह फैसला 31 दिसंबर 2025 को जारी भर्ती विज्ञप्ति के अनुक्रम में पांच जनवरी 2026 को जारी शासनादेश के माध्यम से लागू किया गया है, जिससे बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा जो आयु सीमा के कारण अब तक भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो रहे थे। पुलिस भर्ती में आयु सीमा शिथिलीकरण का यह निर्णय न केवल लाखों युवाओं की उम्मीदों को नया बल देगा, बल्कि यह भी दर्शाता है कि योगी सरकार में युवाओं का भविष्य नीति निर्धारण के केंद्र में है।

सत्ता और विपक्ष ने उठाई थी मांग

यूपी पुलिस सिपाही भर्ती में सामान्य वर्ग की आयु सीमा बढ़ाने का मुद्दा सिर्फ सत्ता पक्ष तक सीमित नहीं था। राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना समेत भाजपा विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी (देवरिया सदर), दिनेश रावत (हैदरगढ़) और निषाद पार्टी के विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी (मेंहदावल) ने मुख्यमंत्री योगी को पत्र लिखकर सामान्य वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18-22 वर्ष से बढ़ाकर 25 वर्ष करने की मांग की थी। विधायकों का कहना था कि भर्ती में वर्षों की देरी के कारण लाखों योग्य युवा आयु सीमा पार कर चुके हैं। पीएसी और जेल वार्डर की भर्ती वर्ष 2018 के बाद न आने और पूर्व में दिए गए आयु-छूट के आश्वासन का भी उल्लेख किया था। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कहा था कि भाजपा सरकार की लापरवाही से भर्ती में देरी हुई, जिससे कई अभ्यर्थी अयोग्य हो गए।

उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत नामंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली दंगा मामला

- सुप्रीम कोर्ट ने एक साल अपील करने पर रोक लगाई, 5 आरोपियों को बेल

शीर्ष कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े मामले के आरोपियों उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से सोमवार को इनकार कर दिया लेकिन भागीदारी के स्तर के क्रम का हवाला देते हुए पांच अन्य को जमानत दे दी और कहा कि मामले में सभी आरोपी एक ही पायदान पर नहीं हैं।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि खालिद और इमाम के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनता है। उसने कहा कि ये दोनों जेल में रहेंगे लेकिन अन्य आरोपियों गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को जमानत दी जाती है। कोर्ट ने कहा कि खालिद व इमाम गवाहों से पूछताछ हो जाने के बाद या आज से एक वर्ष बाद नए सिरे से जमानत याचिका दायर कर सकते हैं। उसने साथ ही कहा कि खालिद और इमाम की स्थिति दिल्ली दंगों के मामले में अन्य आरोपियों की तुलना में अलग है।

पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने प्रथम दृष्टया एक केंद्रीय और निर्णायक भूमिका और घटनाजन्य और स्थानीय कृत्यों से परे योजना, लामबंदी और रणनीतिक दिशा के स्तर में संलिप्तता का खुलासा किया है। न्यायालय के अनुसार, मुकदमे में देरी कोई तुरुप का इक्का नहीं है जो वैधानिक सुरक्षा उपायों को स्वतः ही दरकिनार कर दे। पीठ ने कहा, दोष के मामले में सभी याचिकाकर्ता समान पायदान पर नहीं हैं।

दोनों आरोपियों पर है मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप

इमाम को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) विरोधी प्रदर्शनों के दौरान दिए गए भाषणों के लिए 28 जनवरी, 2020 को गिरफ्तार किया गया था। बाद में अगस्त 2020 में उसे एक बड़े षड्यंत्र मामले में गिरफ्तार किया गया। खालिद को 13 सितंबर, 2020 को गिरफ्तार किया गया था। उमर, शरजील और अन्य आरोपियों पर फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों का मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप है।

समुद्र की शक्ति बनेगा प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप'

समुद्री पोत के बारे में रक्षामंत्री को जानकारी देते तटरक्षक बल के अधिकारी।

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 114.5 मीटर लंबे पोत को नौसेना को सौंपा
- 6,000 समुद्री मील का सफर तय कर सकता है यह पोत
- 4,200 टन वजन वाला यह पोत 22 समुद्री मील की गति से चल सकता है

पणजी, एजेंसी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को गोवा में भारतीय तटरक्षक बल के पहले स्वदेशी रूप से डिजाइन व निर्मित प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' को बल में शामिल किया। अधिकारियों ने बताया कि गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा निर्मित 114.5 मीटर लंबे इस पोत में 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है।

4,200 टन वजन वाला यह पोत 22 समुद्री मील से अधिक गति से चल सकता है और 6,000 समुद्री मील का सफर तय कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह पोत समुद्री प्रदूषण नियंत्रण नियमों को लागू करने, समुद्री कानून प्रवर्तन, खोज व बचाव कार्यों तथा भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। बल ने एक बयान में कहा कि भारत में निर्मित सबसे बड़ा और सबसे उन्नत प्रदूषण नियंत्रण जहाज समुद्र प्रताप देश की पोत निर्माण की उत्कृष्टता और स्वच्छ, सुरक्षित व आत्मनिर्भर समुद्री भविष्य के लिए

यह अवसर भारत के महान समुद्री दृष्टिकोण से जुड़ा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह अवसर भारत के महान समुद्री दृष्टिकोण से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, भारत मानता है कि समुद्री संसाधन किसी एक देश की संपत्ति नहीं हैं, वे मानवता की साझी धरोहर हैं। जब धरोहर साझा होती है, तो उसकी जिम्मेदारी भी साझा होती है। यही कारण है कि आज भारत एक जिम्मेदार समुद्री शक्ति बन गया है।

दीर्घकालिक दृष्टिकोण का प्रतीक है। इसमें उन्नत स्वचालन तथा कंप्यूटरीकृत नियंत्रण प्रणालियां लगी हैं, जो जटिल जहाज निर्माण में भारत की बढ़ती क्षमता को दर्शाती हैं।

बांग्लादेश में एक और हिंदू कारोबारी की हत्या

- सिर पर तीन गोली मार गला रेता, समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक थे राणा प्रताप

ढाका। बांग्लादेश के जेस्सोर जिले में सोमवार को अज्ञात हमलावरों ने एक और हिंदू व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी, जो एक समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक भी थे।

कारोबारी के सिर में तीन गोली मारने के बाद उनका गला रेत दिया गया। मृतक की पहचान खुलना मंडल के जेस्सोर जिले के केशबपुर उपजिला स्थित अरुआ गांव निवासी 38 वर्षीय राणा प्रताप बैरागी के रूप में हुई है। बैरागी की मोनिरामपुर के कोपलिया बाजार में बर्फ बनाने की फैक्टरी थी। इसके अलावा वह नरैल से प्रकाशित होने वाले समाचार पत्र 'दैनिक बीडी खबर' के कार्यवाहक संपादक भी थे। मोटरसाइकिल सवार तीन बदमाशों ने उन्हें बर्फ फैक्टरी से बुलाया और बाजार के कपालिया क्लिनिक और डायग्नोस्टिक सेंटर के सामने वाली गली में ले गए और गोली मार दी।

सामूहिक दुष्कर्म का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में ढेर

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- दो साथियों के साथ 15 दिसंबर को किशोरी को अगवा करके किया था सामूहिक दुष्कर्म
- डीजीपी ने आरोपी की गिरफ्तारी पर एक लाख रुपये का घोषित किया था इनाम

अमृत विचार : कोचिंग जा रही दो किशोरियों को गन्ने के खेत में खींचकर दुष्कर्म करने के मुख्य आरोपी को पुलिस ने सोमवार को मुठभेड़ में मार गिराया। गौरतलब है कि उसके दो साथियों को पुलिस पहले ही मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है।

बता दें कि 15 दिसंबर को थाना फरधान क्षेत्र की दो किशोरियां सुबह साइकिल से कोचिंग पढ़ने जा रहीं थी। रास्ते में गौरिया गांव निवासी शातिर अपराधी तालिब उर्फ आजम खां (26) ने लीलाकुआं के पास अपने दो साथियों के साथ मिलकर दोनों छात्राओं को तमंचे के बल पर अगवा कर लिया था। एक छात्रा के साथ तीनों आरोपियों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। 20 दिसंबर को पुलिस ने उसके साथी गांव कौढैय्या निवासी सलमान उर्फ दानिश और गोला के गांव भुड़वारा निवासी मुख्तार को अमनलाला गांव के पास नहर किनारे मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया था।

गोली लगने से दोनों घायल हो गए थे, जबकि तालिब भागने में सफल रहा था। डीजीपी सुजीत पांडेय ने उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस ने बताया आरोपी तालिब पर18 साल की उम्र में चोरी का पहला मुकदमा दर्ज हुआ था। आठ साल में उसके ऊपर खीरी समेत आसपास के कई जिलों में दर्जनों मुकदमे दर्ज हुए थे। पुलिस ने उस पर गैंगस्टर एक्ट भी लगाया था। आसपास के क्षेत्र में तालिब उर्फ आजम खां अपनी कारगुजारियों के लिए खासा बदनाम हो चुका था। सामूहिक दुष्कर्म के बाद डीजीपी ने उसकी गिरफ्तारी के एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

जयंती कार्यक्रम

पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यपाल कल्याण सिंह की 94वीं जयंती पर अर्पित किए श्रद्धासुमन

राम के लिए सत्ता छोड़ दी, इतिहास बदल दिया : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पूर्व मुख्यमंत्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद लोगों को संबोधित करते सीएम योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन जब अपने निर्णायक मोड़ पर था, तब पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने सत्ता बचाने की बजाय प्रभु श्रीराम के प्रति अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखा। 'बाबू जी' ने रामभक्तों और पूज्य संतों की भावनाओं का सम्मान करते हुए सत्ता के बलिदान में कोई संकोच नहीं किया। सरकार चली गई, लेकिन इतिहास बदल देने वाला निर्णय उन्होंने पूरे साहस और जिम्मेदारी के साथ लिया।

पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यपाल रहे कल्याण सिंह की 94वीं जयंती पर सोमवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सत्ता क्षणिक होती है, लेकिन राष्ट्र और संस्कृति के लिए लिए गए निर्णय पीढ़ियों तक दिशा तय करते हैं। कल्याण सिंह का जीवन इसी सत्य का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने अपने नाम को उत्तर प्रदेश के 'कल्याण' के साथ जोड़कर न केवल सार्थक किया, बल्कि उसे सुशासन और राष्ट्रवाद की पहचान बना दिया। योगी ने कहा कि कल्याण सिंह प्रदेश में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री थे। वर्ष 1991 में जब बागडोर संभाली, तब प्रदेश अव्यवस्था, अराजकता, गुंडागर्दी और आतंकी गतिविधियों से जूझ रहा था। गांवों, गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं तक शासन की योजनाएं नहीं पहुंच पा रही थीं। एक ओर प्रशासनिक कुव्यवस्था थी, तो दूसरी ओर 500 वर्षों की गुलामी का प्रतीक हिंदू समाज की आत्मा को मथ रहा था। ऐसे कठिन समय में 'बाबू जी' ने सत्ता की परवाह किए बिना सुशासन और राष्ट्रवादी चेतना को प्रदेश की राजनीति का केंद्र बनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस क्षण कल्याण सिंह ने सत्ता की बजाय श्रीराम को चुना, उसी क्षण उन्होंने स्वयं को इतिहास में अमर कर लिया।

'बाबू जी' ने जन-जन को दिलाया भाजपा का विश्वास

सीएम ने कहा कि उन्होंने पहली बार भाजपा की सरकार की कमान अपने हाथ में ली थी। जब उन्होंने कार्य शुरू किया तो कुछ ही महीने में प्रदेशवासियों के यह विश्वास होने लग गया था कि उप्र सुशासन की ओर चलकर विकास के नए सोपान को चुनेगा, लेकिन उन्हें अस्थिर करने की साजिशें होने लगी।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार,6 जनवरी 2026

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

आज दस घंटे बाधित रहेगी बिजली सप्लाई

शाहजहांपुर, अमृत विचार : विद्युत उपकेंद्र गोविन्दगंज के 11 केवी जर्जर वीसीबी पैनल बदलने का कार्य प्रस्तावित है। इसलिए मंगलवार सुबह 10 से रात 8 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी एसडीओ गोविंद गंज रवीश पांडेय ने दी है। उन्होंने बताया कि जर्जर वीसीबी पैनल बदलने के कारण 11 केवी गोविन्दगंज उपकेंद्र से पोषित सभी 11 केवी फीडरो की विद्युत आपूर्ति मंगलवार को सुबह 10 से रात 8 बजे तक बाधित रहेगी। उन्होंने विद्युत उपभोक्ताओं से धैर्य एवं सहयोग की अपेक्षा है।

24 घंटे बाद भी अज्ञात शव की शिनाख्त नहीं

कलान, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के कस्बा बट श्याम के समीप गांव रूकनपुर में स्टेट हाईवे किनारे नाले से बरामद अज्ञात व्यक्ति के शव की 24 घंटे बाद भी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस पहचान कराने के लिए जुटी हुई है। शव धारीदार हल्के काले रंग का फुल स्वेटर, हल्के काले रंग की पैंट पहने हुए था और एक पैर में जूता था। शव से दुर्गंध आ रही थी, जिससे अंदेशा जताया जा रहा है कि वह कई दिनों से नाले में पड़ा था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर फोटो और वीडियो बनवाए हैं। पहचान के लिए सभी हल्का इंचार्जों को लगाया गया है और आसपास के गांवों में भी पूछताछ की गई, लेकिन अब तक शिनाख्त नहीं हो सकी। गैर जिलों में भी वायरलेस संदेश भेजा गया है।

खेत से झटका मशीन और बैट्री चोरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव बारापुर निवासी रुपेश ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसने गेहूं की फसल बोई। खेत के चारों तरफ बास लगाकर तार बांधकर झटका मशीन लगा रखी थी। उन्होंने बताया कि 3 जनवरी की रात में चोर झटका मशीन और बेट्री चुराकर ले गए। पुलिस ने अज्ञात में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

समाधान दिवस में आईं ग्रामीण समस्याएं

तिलहर, अमृत विचार : संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान नगला उर्फ नगरिया गांव के सुनील ने शिकायत की कि पड़ोस की महिला ने खड़ंजे पर जानवर बांध रखे हैं, जिससे आवागमन में दिक्कत होती है। वहीं सूरजपुर गांव की नेक्सा देवी ने पुश्तैनी घर पर अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर भौतिक सत्यापन करते हुए शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

अब घर बैठे आधार में करें बदलाव

डाक विभाग के फेस आरडी एप से डाकखाने और बैंक की लाइन से राहत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मोबाइल से स्वयं होगा आधार संशोधन
- नियम सख्त होने से परेशान लोगों को बड़ी सुविधा

अमृत विचार: आधार संशोधन के लिए अब डाकखाने और बैंक की लंबी लाइनों में घंटों खड़े होने की जरूरत नहीं होगी। डाक विभाग की ओर से फेस आरडी एप लांच किया गया है। आम जनता अपने मोबाइल के प्ले स्टोर से यह एप डाउनलोड करके मोबाइल में इंस्टॉल कर सकती है। इसके बाद घर बैठे आधार में नाम, पता, जन्मतिथि औ र मोबाइल नंबर बदल सकते हैं। इस सुविधा के शुरू होने से लोगों को अनावश्यक पैसा खर्च करने से भी राहत मिलेगी।

फेस आरडी एप के जरिए आधार संशोधन की प्रक्रिया को काफी सरल बना दिया गया है। एप की मदद से स्वयं ही आधार में जरूरी बदलाव किए जा सकेंगे। नाम और मोबाइल नंबर के साथ-साथ पते में बदलाव की सुविधा भी एप के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है। अब तक इन कार्यों के लिए लोगों को डाकघरों और बैंकों के चक्कर लगाने पड़ते थे।

बीते दो साल से आधार संशोधन के नियम सख्त होने के बाद लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। संशोधन के लिए लाइन में लगकर घंटों इंतजार करना पड़ता था। कई बार छोटे बदलाव के लिए भी लोगों को बार-बार जाना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती थी। डाक विभाग द्वारा लांच किए गए फेस एप से आमजन को काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है।

मोबाइल से ही आधार संशोधन की सुविधा मिलने से प्रक्रिया आसान होगी और लोगों को डाकखाने व बैंक की भीड़ से निजात मिलेगी।

हालांकि नए आधार बनवाने या फिंगर प्रिंट यानी बायोमेट्रिक अपडेट कराने के लिए आधार केंद्र जाना अनिवार्य रहेगा। एप के जरिए केवल नाम, पता, जन्मतिथि और मोबाइल नंबर में ही संशोधन किया जा सकेगा।

> विभाग की ओर से फेस आरडी एप लांच किया गया है। जिसकी सहायता से कोई भी व्यक्ति घर बैठे आधार में संशोधन कर सकता है। – **विनय कटियार**, सिस्टम मैनेजर मुख्य डाकघर

आधार संशोधन और नया बनवाने को साल भर से मारामारी

लगभग एक साल से आधार संशोधन और नया आधार बनवाने को लेकर आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आधार अपडेट कराने के लिए लोग डाक खानों और बैंकों में सुबह से ही लंबी-लंबी लाइनों में लगने को मजबूर रहे। कई बार घंटों इंतजार के बाद भी लोगों का नंबर नहीं आ पाता था, जिससे उन्हें बिना काम कराए ही लौटना पड़ता था। मुख्य डाकघर में आधार संशोधन के लिए टोकन सिस्टम लागू किया गया था। इस व्यवस्था के तहत एक तय संख्या तक ही कूपन बांटे जाते थे। निर्धारित संख्या पूरी होते ही काउंटर बंद कर दिए जाते थे। ऐसे में दूर-दराज से आए लोगों को निराश होकर वापस लौटना पड़ता था। टोकन न मिलने से आमजन की परेशानी और बढ़ गई थी। टोकन सिस्टम के चलते दलाल भी सक्रिय हो गए थे। आरोप लगे कि कुछ लोग कूपन की ब्लैक करने लगे और जरूरतमंदों से अतिरिक्त पैसा वसूला जाने लगा। कई बार यह शिकायत भी सामने आई कि बैंकों में निजी तौर पर चल रहे आधार अपडेट केंद्रों पर नियमों को ताक पर रखकर अवैध उगाही की जा रही है। मामूली संशोधन के लिए भी लोगों से तय शुल्क से अधिक रकम ली जाती थी।

यह रही आधार अपडेट की प्रक्रिया

आधार में नाम अपडेट करने के लिए सबसे पहले गूगल प्ले स्टोर से आधार एप डाउनलोड करना होगा। आधार नंबर और ओटीपी के जरिए लॉगिन करने के बाद अपडेट आधार विकल्प पर क्लिक कर नाम चुनना होगा। आवश्यक दस्तावेज और जानकारी ऑनलाइन भरनी होगी। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद एक सप्ताह के भीतर आधार अपडेट हो जाएगा, जिसकी सूचना पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेज दी जाएगी। आवेदन के दौरान 75 रुपये शुल्क जमा करना होगा और अपडेट स्टेटस भी ऑनलाइन देखा जा सकेगा।

जटिल प्रक्रिया बढ़ाती रही लोगों की मुसीबत

आधार संशोधन की प्रक्रिया जटिल होने और केंद्रों की संख्या सीमित होने के कारण हालात लगातार बिगड़ते चले गए। वीआईपी और पहुंच वालों को तो कोई परेशानी नहीं हुई, लेकिन जनता ने भारी परेशानी हुई। आम नागरिकों को समय और पैसे दोनों की बर्बादी झेलनी पड़ी। खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और ग्रामीण इलाकों से आने वाले लोगों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लंबे समय से चली आ रही इन समस्याओं के चलते आधार से जुड़े कार्य आमजन के लिए बड़ी परेशानी का कारण बने रहे।

खजुरी से आनंद विहार के लिए रोडवेज बस सेवा शुरू

परौर, अमृत विचार: खजुरी गांव से दिल्ली आनंद विहार के लिए रोडवेज बस सेवा शुरू हो गई। इसकी मांग बीते दिनों श्रीनगर कॉलेज के प्रबंधक रामवीर सिंह यादव की ओर से की जा रही थी। उन्होंने इस संबंध में बदायूं डिपो के संचालन एआरएम राजेश पाठक को लिखित पत्र सौंपकर बस सेवा शुरू कराने की मांग रखी थी।

मांग पर विचार करते हुए बदायूं डिपो के एआरएम की ओर से प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई, जिसके बाद सोमवार से खजुरी से आनंद विहार के लिए रोडवेज बस सेवा का संचालन शुरू करा दिया गया। बस सेवा शुरू होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है और आमजन को दिल्ली आने-जाने में बड़ी सुविधा मिलेगी।

रोडवेज बस प्रतिदिन खजुरी से शाम पांच बजे दिल्ली आनंद विहार के लिए प्रस्थान करेगी। वहीं दिल्ली आनंद विहार से रात्रि दो बजे बस खजुरी के लिए रवाना होगी। परिचालक यादराम सिंह ने बताया कि नियमित संचालन से यात्रियों को सुरक्षित और सुलभ यात्रा की सुविधा मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्र से दिल्ली के लिए सीधी रोडवेज सेवा शुरू होने से छात्रों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को खासा लाभ मिलेगा।

अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए दिया धरना

कांग्रेस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- हाथों में तख्तियां -बैनर लेकर कांग्रेसियों ने की नारेबाजी,आरोपियों को सख्त सजा देने की मांग

अमृत विचार : जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष अर्चना कटारिया के नेतृत्व में सोमवार को अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस की पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहीं।

धरना स्थल पर उपस्थित महिलाओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और आरोपियों को सख्त सजा देने की मांग की। अर्चना कटारिया ने कहा कि अंकिता भंडारी को अब तक न्याय न मिलना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और यह सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाता है।उन्होंने कहा कि जब तक अंकिता भंडारी को पूर्ण न्याय नहीं मिल जाता, तब तक महिला कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान सरकार से निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की गई।महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही न्याय नहीं मिला तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में महिलाओं में महानगर अध्यक्ष सीमा गौतम, जितेंद्र, शाहीना खातून, नसीम, बेबी, तबस्सुम, शगुफ्ता, राधा, शेफाली, पूजा, सोनम, सायरा, रीना, रानी आदि शामिल रहीं।

रॉयल स्टार ने 6 विकेट से जीता मैच

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : मयूर स्पोर्टिंग की ओर से कैंटोनमेंट मैदान पर प्रारंभ हुई शाहजहांपुर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में सोमवार को फरीद अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 125 रन बनाए।

जिसमें सर्वाधिक 22 रन हर्ष शुक्ला ने बनाए। इसके अलावा अदनान ने 15 रन बनाए। रॉयल स्टार के गेंदबाज कुणाल ने तीन विकेट प्राप्त किए। कप्तान परितेश ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल स्टार की टीम ने निर्धारित लक्ष्य को 6 विकेट खोकर पा लिया। जिसमें सर्वाधिक 24 रन कप्तान परितेश ने बनाए। दिव्यांश ने 18 रन बनाए। फरीद अकादमी के गेंदबाज आकाश ने दो विकेट और हर्ष शुक्ला ने एक विकेट प्राप्त किया।

मैच के अंपायर रिजवान एवं दिनेश शर्मा थे। जबकि स्कोरर मयूर खन्ना रहे। मैन ऑफ द मैच विजेता टीम के खिलाड़ी परितेश को घोषित किया गया। आयोजक मयूर खन्ना ने बताया कि मंगलवार को क्रिकेट लीग का आखिरी लीग मैच रिजवान स्पोर्टिंग एवं बहादुर टाइटन के बीच होगा।

शाहजहांपुर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में शाट लगाते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

बैठक में व्यापारिक हित और व्यवस्थाओं पर चर्चा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की नववर्ष 2026 की पहली स्नेहिल बैठक महानगर कार्यालय में हुई। बैठक महानगर अध्यक्ष सचिन बाथम की अध्यक्षता में हुई, जिसमें व्यापारिक हितों के साथ-साथ शहर की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान एसपी राजेश द्विवेदी द्वारा किए गए निवेदन पर गंभीरता से विचार-विमर्श हुआ। व्यापारियों ने शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और व्यवस्थित बनाने को लेकर सहमति जताई गई। निर्णय लिया गया कि व्यापारी बाजारों में लगी लोहे की ग्रिल के बाहर अपना सामान नहीं रखेंगे, जिससे अतिक्रमण की स्थिति न बने। इसके साथ ही यह भी तय किया गया कि सड़कों पर बनी सफेद पट्टी यानी निर्धारित पार्किंग के भीतर ही व्यापारी और ग्राहक अपने वाहन खड़े करेंगे, ताकि सड़कों पर यातायात बाधित न हो। महानगर अध्यक्ष सचिन बाथम ने प्रशासन को आश्वस्त करते हुए कहा कि संगठन ने हमेशा जिला प्रशासन का सकारात्मक सहयोग किया है और आगे भी शहर के विकास के लिए कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करता रहेगा। उन्होंने कहा कि व्यापारियों का हित शहर की सुव्यवस्थित और स्वच्छ छवि में ही निहित है। संगठन भविष्य में भी प्रशासन के प्रत्येक उचित कदम का समर्थन करने के लिए तत्पर रहेगा।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की बैठक में मौजूद पदाधिकारी और व्यापारी।

- व्यापार मंडल की नववर्ष 2026 की पहली स्नेहिल बैठक
- प्रशासन को सकारात्मक सहयोग का भरोसा

बैठक में प्रांतीय संयुक्त महामंत्री नारायण दास अग्रवाल, प्रांतीय मंत्री सुरेंद्र सिंह सेठ, जिला महामंत्री आकाश दीप गुप्ता, महानगर महामंत्री अमित शर्मा, महानगर युवा अध्यक्ष हनी सिंह, वरिष्ठ महानगर मंत्री रेहान मिर्जा, सरताज अली, टाउन हाल के महामंत्री ज्ञान चंद्र, भारत विकास, आदित्य वर्मा, सरताज हसन, फरीद सहित अन्य पदाधिकारी और व्यापारी उपस्थित रहे।

युवा प्रतिभा मंच कार्यक्रम में निखरी कला

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

युवा प्रतिभा मंच कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए।

- गुरुकुल सेवा ट्रस्ट ने जिला स्तरीय कार्यक्रम में किया प्रतिभाओं का सम्मान
- सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने जीता दिल, स्टूडेंट ऑफ द ईयर और गार्जियन अवार्ड दिया

अमृत विचार: समाजसेवी कुमार सागर के नेतृत्व में रेती रोड स्थित श्री कल्याण सिंह सामुदायिक केंद्र में जिला स्तरीय युवा प्रतिभा मंच कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें अलग-अलग विधाओं से जुड़े कला प्रेमियों ने प्रतिभा दिखाई।

कार्यक्रम का आरंभ बतौर मुख्य अतिथि बाल कलाकार छोटा पैकेट और विशिष्ट अतिथि महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता तथा डॉ. केपी गुप्ता ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित करके किया। इसके बाद कुमार सागर ने सभी अतिथियों को पटका पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मंच संचालन आयुष दीक्षित और अलतुबा ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम में अलीशा ग्रुप की ओर से सरस्वती वंदना, हर्षिता वर्मा ने शिव तांडव, कोमल गुप्ता ने देशभक्ति नृत्य, मानसी वर्मा द्वारा कॉमेडी प्रस्तुति और राज गुप्ता द्वारा फनी डांस प्रस्तुत किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। अंत में कुमार सागर सहित सभी अतिथियों ने प्रतिभागियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इसी कार्यक्रम में मानसी वर्मा को स्टूडेंट ऑफ द ईयर चुना गया। कुमार सागर ने बताया कि यह अवार्ड प्रत्येक वर्ष उस विद्यार्थी को दिया जाता है, जिसने 11 माह तक उपस्थिति, अनुशासन और परीक्षा परिणाम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया हो। वहीं मैरोज, गुड्डी वर्मा, सीमा वर्मा और गुड्डी गुप्ता को बेस्ट गार्जियन अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन अभिभावकों को दिया गया, जो संस्था द्वारा आयोजित 11 माह की पेरेंट्स टीचर मीटिंग में प्रत्येक माह नियमित रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान मीडिया सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें जिले के निष्पक्ष पत्रकारिता करने वाले पत्रकारों को पटका पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वालों में विशेष कुमार, अभिषेक कश्यप, महेंद्र चावला, दिव्यांशी राठौर, आनंद शर्मा, सचिन, सुशील और वेद प्रकाश शामिल रहे।

निर्वाचन कार्य में लापरवाही पर बीडीओ हटाए गए

तिलहर, अमृत विचार: निर्वाचन कार्य में लगातार लापरवाही बरतने के आरोप में तिलहर के बीडीओ बृजेश मिश्रा को पद से हटाकर मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। उनकी जगह गिरिजेश द्विवेदी को तिलहर का नया बीडीओ नियुक्त किया गया है।

एसडीएम सदानंद सरोज ने बताया कि निगोही में निर्वाचन कार्य में तैनाती के दौरान बृजेश मिश्रा की ओर से लगातार लापरवाही की जा रही थी और तीन-चार दिन से आदेशों का पालन नहीं किया जा रहा था। इस संबंध में निर्वाचन आयोग को रिपोर्ट भेजी गई थी, जिसके बाद आयोग की ओर से यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि उच्च स्तर से किसी भी तरह की लापरवाही न होने के निर्देश हैं।

पंचायत सहायकों का मानदेय बढ़ाने की मांग

- सहायक खंड विकास अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार: सोमवार को पंचायत सहायकों ने सहायक खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन देकर बताया कि वर्तमान में पंचायत सहायक को दिया जाने वाला मानदेय बहुत कम है। जबकि कार्य बहुत अधिक है। महंगाई को देखते हुए मानदेय में वृद्धि की जाए। पंचायत सहायक से पंचायत कार्यों के अतिरिक्त अन्य विभागों के कार्य (इधर-उधर के कार्य) भी कराए जाते हैं। जिससे मुख्य पंचायत कार्य प्रभावित होते हैं। ऐसे में पंचायत सहायको से केवल पंचायत से संबंधित कार्य ही कराए जाएं। पंचायत घर में आम जनता को ऑनलाइन सेवाएं देने के लिए इंटरनेट / वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराना जरूरी है। पंचायत कार्यालय में कार्य के लिए स्टेशनरी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। जिससे कार्य में बाधा उत्पन्न होती है। ग्राम पंचायतों फील्ड पर जाकर ऑनलाइन कार्यों के लिए पंचायत सहायक को स्मार्ट फोन उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है। ताकि सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सही ढंग से किया जा सके। यदि किसी विभाग का कार्य पंचायत सहायकों से लिया जाना अपेक्षित हो, उस विभाग द्वारा प्रोत्साहन राशि पारश्रमिक के आदि के स्थान पर सम्मानजनक मानदेय दिया जाए। इस मौके पर पंचायत सहायक संघ अध्यक्ष रोहित शुक्ला, संध्या देवी समेत अन्य मौजूद रहे।

एडीओ को ज्ञापन देते पंचायत सहायक। ● अमृत विचार

डोर टू डोर समिति का गठन

झंडी दिखाकर प्रारंभ कराते नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्र और पार्षद लालू पुजारी।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- नगर आयुक्त व पार्षद ने झंडी दिखाकर कार्य प्रारंभ कराया

अमृत विचार : नगर निगम एवं आईटीसी मिशन सुनहरा कल के संयुक्त प्रयास से वार्ड नंबर 46 तारीन टिकली में डोर टू डोर समिति का गठन किया गया।

नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्र और पार्षद लालू पुजारी ने झंडी दिखाकर कार्य प्रारंभ कराया। आईटीसी से अर्बन कोऑर्डिनेटर परितोष मिश्र व सुपरवाइजर अजय कश्यप व ऐनीमेटर प्रिया, सना, सरोज, अंकित, मुफीज आदि ने भाग लिया। नगर आयुक्त व पार्षद ने साथ रहकर डोर टू डोर लोगों को कूड़ा सेग्रीगेशन के महत्व के बारे में जागरूक किया। नगर आयुक्त ने कहा कि इस पहल से वार्ड में स्वच्छता को बढ़ावा मिलेगा और लोग अपने घरों से ही कूड़े को सही तरीके से अलग करेंगे। हम सबको मिलकर स्वच्छ शाहजहांपुर के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए।

डीएम ने जिला सूचना कार्यालय व प्रेस क्लब का किया निरीक्षण

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने सोमवार को टाउनहॉल स्थित जिला सूचना कार्यालय एवं प्रेस क्लब का निरीक्षण किया।

भवन के बेसमेंट में बनी पार्किंग व्यवस्था, प्रेस क्लब हॉल, कार्यालय कक्षों सहित परिसर के सभी हिस्सों को देखा। प्रेस क्लब की बैक वॉल को किसी अन्य उपयुक्त रंग से रंगवाने के निर्देश दिए, जिससे परिसर का सौंदर्यीकरण और बेहतर हो। उन्होंने कहा कि मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ सफाई और सौंदर्य पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिए गए निर्देशों का समयबद्ध और प्रभावी ढंग से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि कार्यप्रणाली सुचारु रूप से संचालित हो सके।

राहगीरों को भ्रमित कर रहा पुवायां कैंट का साइन बोर्ड

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचार: राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से लगाया गया एक साइन बोर्ड इन दिनों राहगीरों के लिए भ्रम की स्थिति पैदा कर रहा है। शाहजहांपुर से खुटार होते हुए पलिया जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुवायां के पूरब से गुजरने वाले बाईपास मार्ग पर यह बोर्ड लगाया गया है, जो मोहम्मदी रोड पर स्थित है।

इस साइन बोर्ड पर "पुवायां कैंट" अंकित होने के कारण राहगीरों और बाहरी लोगों में यह भ्रम फैल रहा है कि पुवायां में कोई सैन्य छावनी (कैंटोनमेंट) स्थित है, जबकि वास्तविकता यह है कि "छावनी पुवायां" नगर का एक मोहल्ला मात्र है, न कि कोई सैन्य क्षेत्र। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस भ्रामक साइन बोर्ड के चलते अक्सर बाहर से आने वाले वाहन चालक और यात्री गलत जानकारी के आधार पर सवाल करते हैं, जिससे असुविधा होती है। वहीं, सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी इस तरह का भ्रम उचित नहीं माना जा रहा है। पुवायां के नागरिकों में इसे लेकर नाराजगी है और उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से मांग की है कि साइन बोर्ड में तत्काल संशोधन कर सही जानकारी प्रदर्शित की जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की गलतफहमी न हो और आवागमन सुचारु बना रहे।

छावनी का बोर्ड।

ब्लॉकों में लगेगा शिविर,रोस्टर जारी

शाहजहांपुर, अमृत विचार: डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह की ओर से ग्रामीणों की समस्याओं व योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से ब्लॉक स्तर पर शिविर लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

समाज कल्याण अधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि कैंप ब्लॉक मुख्यालय पर 7 जनवरी से 22 अप्रैल तक आयोजित किए जाएंगे। जिसमें समाज कल्याण, प्रोबेशन, दिव्यांगजन व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी रहकर लोगों को योजनाओं से जोड़ने का कार्य करेंगे। साथ ही उनकी समस्याओं का भी मौके पर निस्तारण करेंगे।रोस्टर के अनुसार 7 जनवरी को पुवायां, 14 को ददरौल, 21 को जलालाबाद, 28 मिर्जापुर, 4 फरवरी खुदागंज, 11 खुटार, 18 भावलखेड़ा, 25 फरवरी को निगोही,11 मार्च मदनापुर, 18 को जैतीपुर, 25 को बंडा, 1 अप्रैल सिंधौली, 8 को कांट, 15 कलान व 22 अप्रैल को तिलहर में कैंप लगेगा।

मदरसा बोर्ड: 9 फरवरी से दो पालियों में होंगी परीक्षाएं

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद, लखनऊ ने वर्ष 2026 की मुंशी, मौलवी और आलिम परीक्षाओं की समय-सारणी जारी कर दी है।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रोहित कुमार सिंह ने बताया कि मदरसा बोर्ड परीक्षाएं 9 से 14 फरवरी 2026 तक आयोजित होंगी। मुंशी / मौलवी (सेकेंडरी) की परीक्षाएं प्रथम पॉली सुबह 8 बजे से 11 बजे तक कराई जाएंगी। वहीं, आलिम (सीनियर सेकेंडरी) की परीक्षाएं द्वितीय पॉली अपरान्ह 2 बजे से शाम 5 बजे तक संपन्न होंगी। डीएमओ ने बताया कि पहले दिन 9 को दीनियात विषय की परीक्षा होगी। इसके बाद पर्शियन / अरबी साहित्य, उर्दू साहित्य, जनरल इंग्लिश, हिंदी, सामाजिक विज्ञान, गणित सहित अन्य विषयों की परीक्षाएं तय समय सारणी कार्यक्रम के अनुसार निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर संपन्न होंगी।

परीक्षा केंद्र निर्धारण

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रोहित कुमार सिंह ने मदरसा बोर्ड परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र निर्धारित किए जाने का प्रस्ताव भेजा है। इस वर्ष मदरसा बोर्ड की परीक्षा में पंजीकृत 1029 छात्रों के सम्मिलित होने की संभावना है। डीएमओ ने बताया कि डीआईओएस को परीक्षा केंद्रों का निर्धारण करना है। तीन परीक्षा केंद्र बनाने का प्रस्ताव भेजा है। एक परीक्षा केंद्र शहर शाहजहांपुर में, एक तिलहर में और एक कोरों कुइयां में बनाने का प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने मदरसा प्रधानाचार्यों व प्रबंधकों से परीक्षा की तैयारी में सहयोग करने के भी निर्देश दिए हैं।

न्यूज ब्रीफ

ज्ञात वाहन की टक्कर से युवक गंभीर घायल

पुवायां,अमृत विचार : गांव चंदुआपुर निवासी जानकी प्रसाद का पुत्र गौरव (18) खेत से घर लौट रहा था, रास्ते में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गया। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची, डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

महिला ने जेठ पर लगाया मारपीट आरोप

कलान, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव नयागांव कुदरसी निवासी फूलमती पत्नी यादराम यादव ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि वह नाती को गोद में लेकर अपनी जमीन पर बैठी थी। पास में जेठ होशियार सिंह यादव की भी जमीन है, जिस पर उपले रखे जाते थे। इसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि जेठ पक्ष के लोग महिलाओं के साथ आए और मारपीट करने लगे, जिससे वह बेहोश हो गई। परिजन उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कलान ले गए, जहां उपचार कराया गया। बाद में पीड़िता ने थाने पहुंचकर तहरीर दी। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बंद मकान से लाखों का सामान चोरी

कलान, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम नौगमा मुबारिकपुर निवासी जुगेंद्र सिसोदिया ने थाने में तहरीर दी है कि वह सपरिवार हिमाचल प्रदेश में मजदूरी करता है। 4 जनवरी को सूचना मिली कि घर का ताला टूटा हुआ है। सूचना पर वह गांव आया और 5 जनवरी को घर खोलकर देखा तो चोरों ने बक्से का कुंडा काटकर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर, गैस चूल्हा, बाइक की बैटरी, कुकर समेत लाखों रुपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

भाजपाइयों ने बांटे मतदाता फार्म

कलान, अमृत विचार : क्षेत्र के गांवों में मतदाता सूची में नाम बढ़ाने के उद्देश्य से भाजपाइयों ने भ्रमण कर शक्ति केंद्रों पर मतदाता फार्म वितरित किए। भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों ने शक्ति केंद्र भुननीखेड़ा, भुड़ेली, आंधीदेई, विक्रमपुर, खमरिया समेत अन्य गांवों में बूथ अध्यक्षों को फार्म सौंपे। इस दौरान कहा गया कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में नहीं हैं, वे फार्म भरकर बीएलओ के पास जमा करें। कार्यक्रम में युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष संदीप गुर्जर, अधिवक्ता उमेश भदौरिया, राघवेन्द्र मिश्रा, विकास कश्यप, प्रतिपाल चौहान सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन वाहन चोर गिरफ्तार, पांच बाइकें बरामद

कबाड़ी की दुकान पर बाइकें बेचकर नकदी बांट लेते थे, चौक कोतवाली पुलिस ने किया खुलासा

पुलिस हिरासत में बाइक चोर। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : चौक कोतवाली पुलिस ने वाहन चोरी का खुलासा करते हुए तीन चोरों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से पांच बाइक, एक मोपेड और नकदी बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि चोरी की बाइक कबाड़ियों को बेच देते है। बेची गई धनराशि आपस में बाट लेते है।

चौक कोतवाली पुलिस को सोमवार सुबह सूचना मिली कि ककरा पुल पर तीन वाहन चोर खड़े है, चोरी की बाइक बेचने की फिराक में है। पुलिस ने घेराबंदी करके तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए वाहन चोर गुरनीत निवासी सिंजई चौक कोतवाली, रेहान निवासी मेहमान शाह चौक कोतवाली और सुल्तान निवासी मेहमान शाह चौक कोतवाली है। पुलिस ने चोरों की निशानदेही से चोरी की पांच बाइकें, एक मोपेड और नगदी बरामद की है। पूछताछ के दौरान बताया कि अभियुक्त रेहान एवं गुरनीत बाइक चुराकर सुल्तान के सुपुर्द कर देते थे। सुल्तान चोरी की बाइकों को गोपनीय स्थान पर रखता था। बाइकों के पुर्जे अलग-अलग करके कबाड़ियों की दुकान पर बेच देता था। पुर्जों की बिक्री का पैसा तीनों लोग आपस में बाट लेते थे। आरोपी गुरनीत आनलाइन ट्रेडिंग करता था, जिसके कारण उसके ऊपर कर्ज हो गया था। आरोपी रेहान पर पहले से चार मुकदमे, गुरनीत पर तीन और सुल्तान पर सात मुकदमे दर्ज है। हरदोई जिले के थाना मझिला के गांव रैगवा निवासी रामजी शुक्ला, अवनीश कुमार निवासी निवासी महमंद हद्दफ चौक कोतवाली की बाइक चोरी हुई थी। पुलिस ने अभियुक्तों का चालान करके जेल भेज दिया। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह, उप निरीक्षक ललित शर्मा, मोहसिन अली, भूपेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

25 लाख के जेवर चोरी का पुलिस ने किया खुलासा

संवाददाता, तिलहर

- **दुकान का नौकर गिरफ्तार, सात अंगूठी और दो चेन बरामद**

अमृत विचार : ज्वेलर्स की दुकान से करीब 25 लाख रुपये कीमत के 180 ग्राम सोने के जेवर चोरी के मामले में पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने दुकान के नौकर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे और निशानदेही पर सात अंगूठियां और दो सोने की चेन बरामद की हैं। आरोपी नौकर को जेल भेज दिया गया है, जबकि पूछताछ के बाद आधा दर्जन युवकों को हिरासत से मुक्त कर दिया गया।

नगर के मोहल्ला दातागंज निवासी शैलेंद्र कुमार अग्रवाल की बाजार बिरियागंज स्थित ज्वेलर्स की दुकान से जेवर चोरी होने की घटना सामने आई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की गहनता से जांच की, जिसमें दुकान के नौकर ग्राम कमलापुर निवासी भरत गंगवार की संदिग्ध भूमिका सामने आई। इसके बाद पुलिस ने उसे तीन दिन पूर्व हिरासत में लिया था।

आरोपी ने बताया कि वह साथियों को नैनीताल घुमाने ले गया था और बाद में उसने सोने के जेवर अलग-अलग स्थानों पर गिरवी रख दिए। भरत की निशानदेही पर कटरा, डडिया बाजार और शाहजहांपुर स्थित सर्राफों की दुकानों से जेवर बरामद किए गए। सोमवार को पुलिस ने खुलासे के दौरान सात सोने की अंगूठियां और दो चेन की बरामदगी दिखाई। पुलिस ने बरामदगी के दौरान करीब आधा दर्जन युवकों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। जांच में उनकी प्रत्यक्ष संलिप्तता सामने न आने पर सभी को हिरासत से मुक्त कर दिया गया। मामले में मुख्य आरोपी भरत गंगवार को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

सड़क हादसे में घायल ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

रोते बिलखते मृतक के परिजन। ● अमृत विचार

संवाददाता, खुटार

- **फुफेरे भाई के दसवां संस्कार से घर लौट रहा था अर्जुन**

अमृत विचार : कस्बा सिंधौली में फुफेरे भाई का दसवां संस्कार कराकर घर लौट रहे खुटार के गांव रसवां कलां निवासी अर्जुन सड़क हादसे में घायल हो गए।

मृतक अर्जुन।

बरेली अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सोमवार को परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया है। क्षेत्र के गांव रसवां कलां खुटार-पुवायां रोड निवासी अर्जुन कुमार (25) तीन जनवरी को कस्बा सिंधौली के गांव पीरू फुफेरे भाई के दसवां संस्कार में शामिल होने गया था। उसी दिन रात 8 बजे वापस बाइक से घर आ रहे थे। तभी खुटार-पुवायां मार्ग पर स्थित सुखबीर एग्रो फैक्ट्री के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी थी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। सूचना पर पहुंची पुवायां पुलिस ने उसे पुवायां सीएचसी में भर्ती कराया था। जहां डॉक्टर ने हालत गंभीर देख उसे जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया था। बाद में परिजन उसे बरेली के एक अस्पताल ले गए। जहां उसका इलाज के दौरान रविवार रात को उसने दम तोड़ दिया। सूचना घर पहुंची तो कोहराम मच गया। सोमवार को परिजन शव लेकर घर चले आये और अंतिम संस्कार कर दिया। अर्जुन की पत्नी सोनी देवी, पिता रघुनंदन, भाई पप्पू, प्रभु का रो-रोकर बुरा हाल है।

रेलवे ट्रैक पर रील बनाते तीन लोग गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **वायरल हुआ था रील का वीडियो जीआरपी अधिकारियों ने लिया मामले में संज्ञान**
- **दोबारा ट्रैक पर रील बनाने पहुंचे थे, जीआरपी ने किया तीनों का चालान**

अमृत विचार: स्टेशन के निकट रेल लाइन पर खड़े होकर रील बनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जीआरपी के अधिकारियों ने वायरल वीडियो को संज्ञान में लिया। अधिकारियों ने थाना प्रभारी को निर्देश दिए कि रील बनाने वालों को गिरफ्तार किया जाए। जीआरपी ने रील बनाने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार करके चालान कर दिया।

जीआरपी थाना के उपनिरीक्षक ज्ञानेश बाजपेयी ने बताया कि स्टेशन के निकट रेलवे ट्रैक पर रील बनाते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो दिन पूर्व वायरल हुआ था। उप निरीक्षक को सोमवार की सूचना मिली कि रेलवे ट्रैक के किनारे दोबारा रील बनाने आए है। पुलिस ने तीनों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी उवैस खान निवासी महमंद जलाल नगर थाना सदर बाजार, सलमान जैदी निवासी मक्कू बजरिया थाना सदर बाजार और अरहम निवासी बाडूजई प्रथम थाना सदर बाजार है। आरोपियों ने बताया कि रेलवे ट्रैक की पहले रील बनाई थी और दोबारा रील बनाने के लिए आए थे। जीआरपी ने तीनों का चालान कर दिया। टीम में सिपाही आदेश कुमार, पुष्पेंद्र सिंह शामिल रहे।

महिला से मारपीट मोबाइल तोड़ा

शाहजहांपुर, अमृत विचार: दबंग ने अपने साथियों के साथ महिला के घर में घुसकर मारपीट की और उसके मोबाइल व टेबलेट को तोड़ दिया। रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के गांव मिश्रीपुर निवासी रानी देवी ने बताया कि 1 जनवरी को वह टहलने के लिए निकली थी। पड़ोसी राहुल ने उससे अभद्र व्यवहार किया।

विरोध करने पर आरोपी अपने साथियों के साथ उसके मकान में घुस गए। आरोपियों ने उसे और उसके परिवार वालों को गालियां दी। विरोध करने पर आरोपियों ने महिला को मारा पीटा और उसके पति का सरकारी टेवलेट और मोबाइल तोड़ दिया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी राहुल, पवन, राजकुमार समेत छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

स्वचालित सीढ़ियों का निर्माण 30 मई तक होगा पूरा

- **16 जनवरी से ब्लॉक शुरु, प्लेटफार्म पिलर तैयार**

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

प्लेटफार्म पर स्वचालित सीढ़ियों के लिए खड़े किए गए पिलर। ● अमृत विचार

अमृत विचार : रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत स्वचालित सीढ़ियों के कार्य ने तेजी पकड़ी है। प्लेटफार्म पर रेलवे ट्रैक पर गर्डर डालने के लिए 16 जनवरी से ब्लॉक लिया जाएगा। जबकि प्लेटफार्म पर पिलर बनाकर खड़े कर दिए गए है। स्वचालित सीढ़ियों का कार्य 30 मई तक पूरा होना है।

अमृत भारत योजना के तहत स्टेशन पर एक फुट ओवरब्रिज बनकर तैयार हो गया है और पुल के ऊपर स्लेब डाल दिए गए हैं और अभी कुछ काम बाकी है। इसी प्रकार प्लेटफार्म दो और तीन को ऊंचा कर दिया गया है। प्लेटफार्म एक को ऊंचा किया जा रहा है। मालगोदाम रोड पर सेकेंड इंट्री की तरफ टिकट घर, प्रतीक्षालालय आदि के लिए कमरे बनाए जा रहे हैं। सेकेंड इंट्री की तरफ से प्लेटफार्म एक तक स्वचालित सीढ़ियों और लिफ्ट का कार्य चल रहा है। स्वचालित सीढ़ियों के कार्य में तेजी है। प्लेटफार्म पर स्वचालित सीढ़ियों के लिए पिलर बनाकर खड़े कर दिए गए है। सांसद अरुण सागर ने कार्य की धीमी गति होने पर नाराजगी जतायी थी। उन्होंने डीआरएम से कहा था कि कार्य में तेजी लाई जाए। डीआरएम ने ठेकेदार को बुलाकर पूछा था कि कार्य कब तक पूरा हो जाएगा।

ठेकेदार ने कहा कि गार्डर रखने के लिए अब ब्लॉक की जरुरत है। रेलवे ट्रैक व प्लेटफार्म पर गर्डर रखने के लिए 16 से ब्लॉक शुरु होगा। रोजाना तीन-तीन घंटे का ब्लाक होगा। डीआरएम राजकुमार ने बताया था कि 30 मई तक स्वचालित सीढ़ियों का कार्य पूरा हो जाने की उम्मीद है।

रेलवे की जमीन से 8 को हटेगा अतिक्रमण

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मालगोदाम रोड पर सेकेंड इंट्री के सामने रेलवे की जमीन लोगों ने कब्जा करके दुकानें और खोखे रख लिए थे। रेल प्रशासन ने दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह में नोटिस दिया था कि रेलवे की जमीन से अतिक्रमण हटा लिया जाए। कुछ दुकानदारों ने अतिक्रमण हटा लिया था। दुकानदारों को दोबारा नोटिस दिए गए है कि सात जनवरी तक अतिक्रमण हटा लिया जाए और आठ जनवरी को जेसीबी से दुकानें गिरा दी जाएगी। इधर दुकानदारों का कहना है कि रेल प्रशासन ने कोई लाल निशान नहीं लगाए है कि कहां तक हटाना है। दुकानदारों की मांग है कि पहले लाल निशान लगाए जाएं। निर्माण निरीक्षक ने बताया कि आठ जनवरी को अतिक्रमण हटाया जाएगा।

वकीलों का कार्य बहिष्कार दसवें दिन जारी

संवाददाता, जलालाबाद

एडीएम को ज्ञापन सौंपते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

- **भ्रष्टाचार के आरोपों के साथ 16 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा**

अमृत विचार : तहसील प्रशासन पर भ्रष्टाचार और न्यायिक अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए जलालाबाद के अधिवक्ताओं का न्यायिक कार्य बहिष्कार सोमवार को दसवें दिन भी जारी रहा। अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में प्रदर्शन किया और तहसील समाधान दिवस में मौजूद अधिकारियों के सामने अपनी मांगें उठाईं। इस दौरान जिले से आए एडीएम अरविंद कुमार को मुख्यमंत्री के नाम 16 सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की गई।

बार एसोसिएशन के तत्वावधान में 50 से अधिक अधिवक्ता एकत्रित हुए। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि तहसील में न्यायिक कार्यों में अनावश्यक देरी की जा रही है, समय से न्याय नहीं मिल रहा है और नियमावली के विरुद्ध आदेश पारित किए जा रहे हैं। उन्होंने काश्तकारों के अंश निर्धारण में गड़बड़ी, मेड बंदी की पत्रावलियों की समय पर सुनवाई न होना, दाखिल-खारिज में अनावश्यक विलंब और स्थानिक पेशकारों व लेखपालों के स्थानांतरण जैसे मुद्दों को भी उठाया। अधिवक्ताओं का कहना है कि लेखपालों से लेकर तहसील प्रशासन तक भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिसके कारण आम जनता को उचित न्याय नहीं मिल पा रहा है और क्षेत्र में असंतोष का माहौल बना हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होगा, कार्य बहिष्कार और आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन में अध्यक्ष सूरजपाल वर्मा, अनिल पाठक, राकेश श्रीवास्तव, विपिन मैथिल, राकेश दीक्षित, नवनीत पाठक, भुवनेश्वर सिंह, अरुण कुमार शर्मा, मुनेंद्र पाल कुशवाहा, आनंग आदि मौजूद रहे।

अलंकार ऑटोमोबाइल्स के मालिक पर 27 लाख की धोखाधड़ी का केस

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **एसपी के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा, पुलिस ने शुरू की जांच**
- **दो पहिया वाहन बिक्री में फर्जीवाड़े का आरोप,नकद राशि और ईएमआई हड़पने का मामला**

अमृत विचार: एकेसी बजाज फर्म की ओर से अलंकार ऑटोमोबाइल्स के स्वामी लवकुश कुमार के खिलाफ 27 लाख 6 हजार 682 रुपये की धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के आदेश पर की गई है। मुकदमा फर्म के मैनेजर विवेक सिंह की ओर से दर्ज कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आशंका जताई जा रही है कि केस में जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकती है।

तहरीर के अनुसार वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए लवकुश कुमार के साथ व्यापारिक अनुबंध किया गया था। आरोप है कि दो पहिया वाहनों की बिक्री के दौरान ग्राहकों से नकद राशि लेकर उसे फर्म में जमा नहीं किया गया।

कुछ मोटरसाइकिलों का जानबूझकर दो-दो बार फाइनेंस कराया गया और फाइनेंस कंपनियों की ईएमआई की रकम भी रोक ली गई। इसके साथ ही कूट रचित दस्तावेज तैयार कर फर्म और ग्राहकों को गुमराह किया गया। फर्म का कहना है कि अब भी 17 मोटरसाइकिलें आरोपी के पास हैं, जिन्हें वापस नहीं किया जा रहा। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी लवकुश कुमार, संतोष कुमार और चार अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरोपी की गिरफ्तारी नहीं, वकीलों का हंगामा

- **समाधान दिवस छोड़ डीएम-एसपी ने सुनीं अधिवक्ताओं की बात**

संवाददाता, तिलहर

समाधान दिवस में डीएम से शिकायत करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष शिवपाल सिंह के साथ हुई मारपीट के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी न होने से नाराज वकीलों ने सोमवार को तहसील समाधान दिवस के दौरान जमकर हंगामा किया। वकीलों के विरोध को देखते हुए जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह और पुलिस अधीक्षक राकेश द्विवेदी ने बीच में ही समाधान दिवस छोड़ दिया और एसडीएम कार्यालय में जाकर वकीलों की समस्याएं सुनीं।

पूर्व अध्यक्ष शिवपाल सिंह के साथ मारपीट की घटना को तीन दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी आदिल खान की गिरफ्तारी न होने पर वकील आक्रोशित हो गए। बड़ी संख्या में अधिवक्ता तहसील परिसर में एकत्र हुए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए समाधान दिवस में पहुंच गए। हंगामे की स्थिति बनते ही अधिकारी समाधान दिवस छोड़कर बाहर आए। एसडीएम कार्यालय में हुई वार्ता के दौरान वकीलों ने कहा कि पूर्व अध्यक्ष के साथ मारपीट और लूट जैसी गंभीर घटना के बावजूद पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने वकीलों को आश्वासन दिया कि आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। आश्वासन के बाद वकीलों का प्रदर्शन शांत हुआ। इस दौरान श्रवण कुमार सिंह, विनोद सिंह, मानसिंह यादव, देवेश सिंह सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

ससुराल गए युवक को सांप ने डसा, जान गई

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **खेत पर किसी काम से गया था परिजन कराते रहे झाड़ फूंक**

अमृत विचार: ससुराल में गए युवक को खेत में सर्प डस लिया। ससुराल वालों ने उसे पीलीभीत के एक अस्पताल में भर्ती कराया इलाज के बाद उसे घर लेकर आए थे। रविवार श् को उसकी घर पर मौत हो गई।

मृतक वेद प्रकाश।

बंडा थाना क्षेत्र के गांव गांव जमुनिया खानपुर निवासी वेदप्रकाश (35) की शादी पीलीभीत के गांव हमीरपुर में बबली के साथ हुई थी। कुछ दिन पहले उसकी पत्नी बच्चों को लेकर मायके चली गई थी। वेद प्रकाश बुधवार को ससुराल पत्नी की विदा कराने के लिए गए थे। वह शाम को किसी काम से खेत पर चले गए थे। खेत पर सांप ने उनके हाथ में डस लिया। ससुराल वालों को पता चला तो उसे लेकर पीलीभीत के सरकारी अस्पताल में ले गए। इधर सूचना मिलने पर उसके परिवार वाले अस्पताल पहुंच गए। हालत में सुधार न होने पर परिवार वाले उसे शनिवार को बंडा अपने घर लेकर आ गए। परिवार वाले इधर-उधर झाड़-फूंक कराते रहे। रविवार की शाम उनकी घर पर मौत हो गई। परिवार वालों ने बंडा थाना पर सूचना दी। मृतक के दो छोटे बच्चे है और मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करता था। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। बंडा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पिकअप की टक्कर से मजदूर की मौत

शाहजहांपुर,अमृत विचार: लखीमपुर खीरी जिले के थाना मैगलगंज के गांव जमुनिया रमा निवासी दिलीप कुमार(22) उचौलिया में हो रहे सड़क निर्माण में मजदूरी करता था। रविवार की शाम वह मजदूरों को दी जाने वाली सेफ्टी किट पिकअप में लोड कर रहा था। दूसरी पिकअप ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह हो गया। मजदूरों ने उचौलिया थाना को सूचना दी। पुलिस ने घायल मजदूर को मेडिकल कॉलेज भेज दिया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर परिवार वाले मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। मृतक दिलीप का एक भाई और एक बहन है। उसकी मां का नाम बिटाना देवी है। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। पुलिस ने मजदूर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अफसरों ने यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते एएसपी। ● अमृत विचार

शाहजहांपुर, अमृत विचार: एएसपी सिटी देवेंद्र कुमार और सीओ यातायात संजय कुमार के नेतृत्व में बरेली मोड़ चौराहे पर सड़क सुरक्षा जागरुकता का कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

सड़क सुरक्षा मित्रों के सहयोग से ई-रिक्शा चालकों एवं आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। लोगों को जागरूक किया गया कि बाइक चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करें, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें, वाहन में क्षमता से अधिक सवारी लेकर यात्रा न करें, नशे की अवस्था में वाहन न चलाएं, नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दे। नियमों का पालन कर न केवल अपनी, बल्कि सड़क पर चल रहे प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। इस अवसर पर माल कर अधिकारी आरपी गौतम, प्रभारी यातायात विनय पाण्डेय, सूरज शर्मा आदि मौजूद रहे।

विद्युत प्रवर्तन दल ने चलाया चेकिंग अभियान

शाहजहांपुर,अमृत विचार : प्रवर्तन दल प्रभारी रामजनम यादव के नेतृत्व में बंडा के गांव नवदिया बंकी में चेकिंग अभियान चलाया।

टीम ने जगजीत सिंह पुत्र हरदयाल सिंह निवासी नवदिया बंकी, थाना बंडा को बिना कनेक्शन के कटिया डाल कर बिजली जलाते पकड़ा। बंडा के ढका घनश्याम में राज बेटी पत्नी रामचंद्र को एलटी लाइन पोल से अतिरिक्त केबिल डालकर घरेलू बिजली का उपयोग करते हुए पकड़ा। टीम ने ढका घनश्याम के गांव ऊधौ में नीरज कुमार पुत्र ज्वाला प्रसाद को अतिरिक्त केबिल जोड़कर बिजली चोरी करते पकड़ा। विद्युत प्रवर्तन दल के प्रभारी रामजनम यादव, उपनिरीक्षक प्रदीप सिंह, कास्टेबिल अनूप कुमार आदि थे। जेई राम अवतार सिंह ने तीनों के खिलाफ बिजली चोरी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। टीम में जेई के अलावा टीजीटू विकास सविता, सुखविंदर व मुकेश कुमार आदि शामिल रहे

चोरी की रिपोर्ट दर्ज नहीं, पुलिस संदिग्धों से कर रही पूछताछ

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- **गुरुवार की रात शराब की दुकान में हुई थी वारदात**
- **सीसीटीवी में एक युवक दराज से रुपये निकालते दिखा**

अमृत विचार: सदर बाजार पुलिस ने शराब की दुकान से हुई चोरी की रिपोर्ट दर्ज नहीं की और संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। जबकि शराब की दुकान के मालिक ने दो दिन पहले तहरीर और सीसीटीवी कैमरे के फुटेज दे दिए है।

सुभाष नगर कॉलोनी निवासी रजनीश सिंह ने बताया कि उसके पिता ब्रजपाल सिंह के नाम से सुभाष नगर के स्मार्ट रोड पर अंग्रेजी कंपोजिट शराब की दुकान है। गुरुवार की रात 10 बजे दुकान बंद करके घर चला गया था। चोरों ने रात में दुकान के शटर के ताले तोड़ दिए थे और काउंटर की दराज से 32 हजार रुपये चुराकर ले गए थे। उनको चोरी की जानकारी अगले दिन सुबह हुई। पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए। कैमरे की फुटेज में एक युवक ताला तोड़ते और काउंटर की दराज से रुपये निकाल रहा है। चोर 20 मिनट तक दुकान में रहा है। उन्होंने फुटेज भी पुलिस चौकी अशफाक नगर को दे दिए। फुटेज में चेहरा साफ दिखाई दे रहा है। पुलिस ने अभी रिपोर्ट दर्ज नहीं की है और क्षेत्र में संदिग्ध लोगों को पकड़कर पूछताछ कर रही है। शराब दुकान स्वामी ने बताया कि उनकी अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की गयी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 6 जनवरी 2026

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

चार भाइयों ने महिला को पीटा, पुलिस को दी तहरीर

खुटार, अमृत विचार : गांव कुइयां निवासी गिरिजा शंकर की पत्नी कटोरी देवी ने पुलिस को बताया कि सोमवार दोपहर बाद 3 बजे वह घर में अकेली थी। आरोप है कि गांव के रहने वाले चार भाई दरवाजे पर आये और गाली-गलौज करने लगे। उसमें एक शराब के नशे में था। विरोध करने पर उक्त लोगों ने उसके साथ पिटाई की। बाद में उक्त लोगों ने उसके पुत्र के हाथ-पैर तोड़ने की धमकी दी। कटोरी देवी ने पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की गुहार लगाई है।

भाई के साथ मारपीट के मामले में चार नामजद

तिलहर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव खरगापुर निवासी जितेंद्र ने भाई हरविंदर उर्फ धर्मेंद्र के साथ मारपीट करने के मामले में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि राम बहादुर के मकान के सामने से निकलते समय सत्येंद्र, रामचंद्र, रीतराम और विमलेश ने गाली-गलौज की। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी, लोहे की रॉड और तमंचे से हमला कर दिया, जिससे हरविंदर घायल हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

व्यक्ति की संदिग्ध हालत में मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : लखीमपुर खीरी जिले के मोहम्मदी थाना क्षेत्र के गांव खेमपुर निवासी 45 वर्षीय मदनलाल की शनिवार को तबीयत खराब हो गई थी। परिवार वालों ने उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। चौक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कैंटर चालक की मौत से मचा कोहराम

शाहजहांपुर, अमृत विचार : परौर थाना क्षेत्र के गांव कुंडरिया निवासी गुड्डू कैंटर चालक था। कैंटर लेकर रविवार की रात आगरा से नोएडा जा रहा था। अलीगढ़ में टप्पल थाना क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेस वे पर कैंटर आगे चल रहे टैंकर में जाकर घुस गया। कैंटर का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। पुलिस ने चालक का शव केबिन से बमुश्किल से निकाला। अलीगढ़ की पुलिस ने चालक के परिवार वालों को सूचना दी। सूचना पर परिवार वाले अलीगढ़ के लिए गए। पोस्टमार्टम के बाद शव परौर आने पर परिवार में कोहराम मच गया।

फरियादियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें

संपूर्ण समाधान दिवस पर 45 शिकायतें दर्ज, मौके पर छह का निस्तारण किया गया

- शेष पर समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश, ग्राम चौपालों में सक्रियता बढ़ाने पर जोर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

तहसील तिलहर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जनसुनवाई करते डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में तहसील तिलहर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनशिकायतों का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

तहसील दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों से जुड़ी कुल 45 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 6 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष शिकायतों के समाधान के लिए समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि फरियादियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है। तहसील दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को बाल विवाह मुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा के उन्मूलन के लिए प्रशासनिक प्रयासों के साथ जनजागरूकता भी आवश्यक है। जिलाधिकारी ने शुक्रवार को आयोजित होने वाली ग्राम चौपालों में अपेक्षित सक्रियता न होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि चौपालों में जाने वाले अधिकारी जल जीवन मिशन से जुड़े 13 कुशल कारीगरों को अनिवार्य रूप से बुलाएं और उनसे किए जा रहे कार्यों की जानकारी लें। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों का निरीक्षण कर बच्चों के पंजीकरण की स्थिति देखने तथा मिड-डे मील की गुणवत्ता की जांच के लिए स्वयं भोजन चखने के निर्देश दिए।

पीएम आवास के बाहर लगवाए सहजन

जिलाधिकारी ने कहा कि जो बच्चे विद्यालय नहीं आ रहे हैं, उनके अभिभावकों से सीधे संपर्क कर कारणों की जानकारी ली जाए। वहीं पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों के घर जाकर उनके माता-पिता को बच्चों की शिक्षा निरंतर जारी रखने के लिए प्रेरित किया जाए। मिशन शक्ति के तहत बालिकाओं को जागरूक करने, हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने और विद्यालयों में जाकर बच्चों को शिक्षा के महत्व और सफलता की प्रेरक कहानियां सुनाने के निर्देश भी दिए गए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने आवासों के बाहर सहजन का पौधा लगाने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी तिलहर सदानंद सरोज, तहसीलदार तिलहर दीपेंद्र कुमार, क्षेत्राधिकारी ज्योति यादव, जिला विकास अधिकारी ऋषिपाल सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

ठंड में 62 फरियादियों ने लगाई गुहार

पुवायां, अमृत विचार : सोमवार को तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कड़ाके की सर्दी के बावजूद 62 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से तीन मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को सौंपा गया। एसडीएम चित्रा निर्वाल ने एक-एक कर फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए। राजस्व से जुड़ी शिकायतों की अधिकता पर उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों को फटकार लगाई और समाधान दिवस में गैरहाजिर कर्मचारियों से जवाब तलब किया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 20 शिकायतें

कलान, अमृत विचार : तहसील मुख्यालय पर आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस उपजिलाधिकारी अभिषेक प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 10, पुलिस की 2 और आपूर्ति विभाग की 4 समेत कुल 20 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से मात्र एक शिकायत का निस्तारण हो सका। इस पर उपजिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि मौके पर जाकर निष्पक्ष तरीके से शिकायतों का निस्तारण किया जाए। लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। थाना प्रभारी शिवदीन वर्मा, मिर्जापुर एसओ, पीएचसी प्रभारी व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

तहसील समाधान दिवस में पहुंचे मंडल आयुक्त

जलालाबाद तहसील में फरियादियों की शिकायतें सुनते मंडल आयुक्त।

- जलालाबाद में फरियादियों से सीधे संवाद कर दिए निर्देश
- शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

संवाददाता, जलालाबाद

अमृत विचार: तहसील में आयोजित तहसील समाधान दिवस का मंडलायुक्त भूपेंद्र सिंह चौधरी ने निरीक्षण किया। दोपहर करीब 1 बजे तहसील पहुंचे कमिश्नर ने समाधान दिवस में मौजूद फरियादियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समाधान दिवस के दौरान लोगों की ओर से राजस्व सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी कुल 13 शिकायतें प्रस्तुत की गईं, जिनमें से एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। कमिश्नर ने शेष शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और शिकायतें अनावश्यक रूप से लंबित न रखी जाएं, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। समाधान दिवस में साहिबगंज निवासी दिव्यांग महिला प्रतिभा पाल ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह और उनके पति दोनों दिव्यांग हैं और उनके लिए अंत्योदय कार्ड बनाया जाए। इस पर कमिश्नर ने पूर्ति अधिकारी आर्यन मौर्य को मामले की जांच कर अंत्योदय कार्ड जारी करने के निर्देश दिए।

समाधान दिवस के बाद कमिश्नर ने स्थानीय क्रय केंद्रों का भी निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक भंवरी दीक्षा अरुण, उप जिलाधिकारी प्रभात कुमार राय, तहसीलदार अनुराग दुबे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अंधविश्वास : तांत्रिकों के झांसे में फंसकर साढ़े 19 लाख रुपये गंवाए

- बेटे की जान बचाने को गवाएं रुपये, एसपी के आदेश पर रिपोर्ट
- बेटे की मृत्यु के बाद पीड़ित ने रकम वापस मांगी तो दी धमकी

संवाददाता पुवायां/ शाहजहांपुर

अमृत विचार: एक व्यक्ति बेटे की गंभीर बीमारी से परेशान होकर तांत्रिकों के अंधविश्वास में फंस गया। तांत्रिकों ने झाड़-फूंक आदि के नाम पर उससे करीब साढ़े 19 लाख रुपये की ठगी कर ली है। पीड़ित ने एसपी को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

पुवायां थाना क्षेत्र के मोहल्ला हरदयाल कूचा द्वितीया निवासी रमेश चंद्र ने बताया कि वह पुवायां में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सा कर्मी के पद पर कार्य कर चुके है। उनका बड़ा बेटा काफी समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित था। उन्होंने लगातार डॉक्टरों को उसे दिखाया और कोई लाभ नहीं मिला। उनकी मुलाकात पीलीभीत के पूरनपुर तहसील के हसमतुल्ला से हुई। उसने उनको बताया कि वह ऐसे तांत्रिकों को जानता है, जो झाड़ फूंक और पूजा पाठ से गंभीर बीमारियों को ठीक कर सकते है। कुछ समय बाद पूरनपुर क्षेत्र के रुसाद उर्फ बाबा, नौशाद, सादिर समेत पांच लोगों से मुलाकात कराई। आरोप है कि आरोपियों ने बेटे को भूत प्रेत ओर बाहरी हवा का बताते हुए पूजा पाठ कराने की सलाह दी। शुरुआत में एक लाख रुपये की मांग की गई। पीड़ित ने जुटाकर एक लाख रुपये दे दिए। उसके बाद दो लाख रुपये और मांगे। आरोपी तंत्र क्रियाओं के नाम पर रकम की मांग लगातार बढ़ती गयी।

पीड़ित का कहना है कि बेटे की जान बचाने में आरोपियों ने कुल 11 बार में साढ़े 19 लाख रुपये ठग लिए। आरोप है कि तांत्रिकों के दी गई चीज से उसके बेटे की एक दिन मौत हो गयी थी। पीड़ित ने आरोपियों से रकम वापस मांगी तो जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

दिव्यांगों के लिए उपकरणों की व्यवस्था करेगा ट्रस्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जनपद के ऐसे दिव्यांगजन जिनके हाथ पैर किसी दुर्घटना में कट गए हों या जन्म से हाथ पैरों का विकास न हुआ हो, उनके लिए दिव्यांग हेल्प वेलफेयर ट्रस्ट जयपुर फुट संस्था के सहयोग से कृत्रिम हाथ पैर लगवाने की व्यवस्था करेगा। ऐसे दिव्यांगों के स्पेशल डॉक्टरों की निगरानी में कृत्रिम हाथ-पैर लगाए जाएंगे। इसके लिए दिव्यांगजनों को अपना दिव्यांग हेल्प वेलफेयर ट्रस्ट में रजिस्ट्रेशन कराना होगा। सह जानकारी ट्रस्ट के रणवीर सिंह ने दी है। उन्होंने बताया कि अपनी समस्या बताकर फोन पर भी अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। कुछ दिनों बाद उनको दिनांक, समय और स्थान बताया जाएगा।

वरुण-अर्जुन मेडिकल कॉलेज का लगा शिविर

- 849 मरीजों की जांच, 35 मोतियाबिंद ऑपरेशन होंगे मुफ्त
- ग्रामीणों को मिली जांच और दवाइयों की सुविधा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

मेले में मरीजों की जांच करते चिकित्सक, साथ में विधायक अरविंद सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार: वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा की ओर से कीर्तिशेष मानवेन्द्र सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि पर ददरौल क्षेत्र के ग्राम ढकिया परवेजपुर में निःशुल्क स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ विधायक ददरौल अरविन्द कुमार सिंह ने फीता काटकर किया ।

इस दौरान कुल 849 मरीजों ने पंजीकरण कराया। जांच में 35 मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया, जिनका ऑपरेशन वरुण -अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा में निःशुल्क किया जाएगा। शिविर में 48 मरीजों की हड्डी जांच बीएमडी, 75 मरीजों की दिल की जांच ईसीजी, 167 मरीजों की ब्लड शुगर जांच और करीब 238 मरीजों की ब्लड प्रेशर जांच निःशुल्क की गई। 748 मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया।

एमआरआई, सीटी स्कैन और अन्य जांचों के लिए छूट कूपन भी वितरित किए गए। उपचिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह के स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे, जिससे सभी वर्ग के लोगों को लाभ मिल सके। प्रशासनिक अधिकारी ललित सिंह चौहान ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। शिविर में सामान्य रोग, नेत्र रोग, हड्डी रोग, चर्म रोग, बाल रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, सर्जरी, मानसिक रोग, नाक कान गला, छाती एवं स्वास रोग विभाग के चिकित्सकों सहित पीआरओ विपिन शर्मा, अतुल गंगवार और पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहा।

उर्दू लेखिका डॉ. माहिमा रहमान के निधन पर शोक

शाहजहांपुर, अमृत विचार : लखनऊ की मशहूर उर्दू साहित्यकार व अफसाना निगार डॉ. माहिमा रहमान के निधन पर साहित्यकारों ने शोक जताया है। इदराक साहित्यिक संस्था के महासचिव शायर असगर यासिर ने उर्दू लेखिका डा माहिमा के इंतकाल पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि 69 वर्षीय कहानी लेखिका माहिमा काफी वक्त से बीमार चल रही थीं। वह एक मशहूर अफसाना निगार थीं। नजर मेमोरियल सोसायटी के महासचिव हमीद खिज़र ने कहा कि डॉ. माहिमा ने तमाम उर्दू अफसाने लिखे, जो उर्दू की पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। उनके निधन से उर्दू साहित्य की क्षति हुई है। उनके इंतकाल पर अफसाना निगार लतीफ रशीदी, डॉ .अफरोज आलम, मशहूद अहमद खां, इरफान हयूमन, उसमान खान, इरफान अहमद अंसारी आदि ने शोक जताया।

स्थानीय मार्गों पर रोडवेज बसों की मिलेगी सुविधा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- बसें न चलने से डग्गामार वाहनों के सहारे सफर करने को मजबूर हैं ग्रामीण यात्री
- डिपो को मिलीं नई बसें, सर्वे के बाद तय होंगे रूट और फेरे

अमृत विचार: शहर से गांवों और कस्बों को जोड़ने वाले स्थानीय मार्गों पर लंबे समय से बंद पड़ी रोडवेज बस सेवाएं जल्द बहाल हो सकती हैं। यात्रियों की परेशानी को देखते हुए रोडवेज प्रशासन ने स्थानीय रूटों पर सर्वे कराने का फैसला लिया है, ताकि जरूरत और यात्री संख्या के अनुसार बसों का संचालन शुरू किया जा सके।

स्थानीय मार्गों पर रोडवेज बसों के संचालन को लेकर पीलीभीत डिपो की ओर से सर्वे कराया जाएगा। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर यात्रियों की संख्या, प्रभावित आबादी और मार्ग की उपयोगिता को देखते हुए बसों के रूट और फेरे तय किए जाएंगे। इससे स्थानीय यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में जिले से अन्य शहरों के लिए रोडवेज बस संचालन तो बेहतर स्थिति में है, लेकिन ग्रामीण और कस्बाई मार्गों पर बसें न चलने के कारण यात्रियों को डग्गामार वाहनों से यात्रा करनी पड़ रही है। इससे न केवल किराया अधिक देना पड़ता है, बल्कि सुरक्षा को लेकर भी जोखिम बना रहता है। स्थानीय डिपो पर बसों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। हाल ही में डिपो को पांच नई रोडवेज बसें मिली हैं।

> स्थानीय मार्गों पर बेहतर बस संचालन को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सर्वे के माध्यम से यात्रियों की वास्तविक जरूरतों का आकलन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को रोडवेज बस सेवा का लाभ मिल सके।
>
> – विपुल पाराशर, एआरएम

इसके बाद स्थानीय मार्गों पर भी बस संचालन की रूपरेखा तैयार की जा रही है। रोडवेज अधिकारियों के अनुसार पहले चरण में उन मार्गों को चिन्हित किया जाएगा, जहां यात्रियों की संख्या अधिक है और नियमित बस सेवा की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है।

पत्नी और पुत्री पर जेवर व नकदी लेकर भागने का आरोप

तिलहर, अमृत विचार: मीरपुर माफी गांव के एक ग्रामीण ने पत्नी और बेटी पर करीब 10 लाख रुपये के जेवर और 1 लाख 10 हजार रुपये नकद लेकर घर से चले जाने का आरोप लगाया है।

महिपाल ने बताया कि रविवार ती रात वह पत्नी राम बेटी और पुत्री मोहनी के साथ घर पर सोया था। सुबह उठकर देखा तो दोनों घर में नहीं थीं और कमरे का सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित का कहना है कि दोनों जेवरात और घर में रखी नकदी लेकर गई हैं। कोतवाल जुगल किशोर पाल ने बताया कि कॉल डिटेल और लोकेशन के आधार पर जांच की जा रही है और दोनों को जल्द बरामद किया जाएगा।

खेतों में मिले बाघ के पगचिह्न वन विभाग नहीं दे रहा ध्यान

- क्षेत्र में फैली है तेंदुए और बाघ की दहशत

खेत में मिले बाघ के पगचिह्न।

खुटार, अमृत विचार: गांव गुरघिया के खेतों में बाघ के पगचिन्ह मिले है। इससे ग्रामीणों में भय का माहौ है। इसके बावजूद वन विभाग केवल जांच करने तक सीमित रह गया है। लेकिन जंगली जानवरों को पकड़ने की तो दूर जंगल में खदेड़ने की जरूरत नहीं समझी गई है। क्षेत्र में बाघ की चहलकदमी से लोगों में दहशत फैली हुई है। गांव निवासी दिनेश मिश्रा ने बताया कि उनका खेत गांव के मजरा पुरैना में है। खेत में लाही, गेहूं की फसल कर रखी है। सोमवार सुबह 8बजे वह बेटे शिवा मिश्रा के साथ गए थे। गेहूं के खेत में किसी जंगली जानवर के पगचिन्ह मिले। जो बाघ के पैरों जैसे लगते है। साथ ही नीलगाय के भी पगमार्क खेत में बने हुए है। इससे लगता है कि बाघ उस नीलगाय का शिकार करने के लिए पीछे से दौड़ा होगा। इसके अलावा 4 जनवरी को भी खेत में पगचिन्ह मिले थे। आशंका है कि बाघ आसपास गन्ने के खेतों में बैठा हो सकता है। वहीं खुटार इलाके में बाघ और तेंदुए ने आतंक मचा रखा है। जो कई गांव देखा जा चुका है और पगचिन्हों को मिलने के साथ ही पशुओं का शिकार कर चुका है। फिर भी वन अधिकारी ध्यान देने की जरूरत नहीं समझ रहे।

बाइक-ई रिक्शा की टक्कर के बाद हिंदू संगठनों ने लगाया जाम

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- बाइक सवार की पिटाई से हिन्दू संगठन के लोग नाराज, पुलिस ने समझाकर खुलवाया जाम

अमृत विचार: लोधीपुर में बाइक और ई-रिक्शे की टक्कर होने से विवाद बढ़ गया। ई-रिक्शा चालक के समर्थन में आए युवकों ने बाइक सवार को मारापीटा। घटना की जानकारी मिलने पर हिन्दूवादी संगठन के नेता पहुंच गए और जाम लगा दिया। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम खुलवाया।

रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के मोहल्ला नई बस्ती रेती निवासी अंकित अवस्थी सोमवार की रात साढ़े आठ बजे हथोड़ा चौराहे से खिरनी बाग चौराहे की तरफ आ रहे थे, जो कि हिन्दूवादी संगठन के नेता है। लोदीपुर में उनकी बाइक ई-रिक्शा से टकरा गयी। बाइक सवार ने ई-रिक्शा चालक से कहा कि देखकर नहीं चलाते हो। इस पर दोनों विवाद बढ़ गया। ई-रिक्शा चालक के समर्थन में लोदीपुर के एक दर्जन से अधिक लोग मौके पर आ गए। आरोप है कि हिन्दूवादी नेता अंकित के साथ मारपीट करने लगे। राहगीरों के विरोध पर आरोपी मौका पाकर भाग गए। अंकित ने अपने फोन करके अपने साथियों को बुला लिया। इस दौरान हिन्दूवादी संगठन के नेता काफी संख्या में लोदीपुर पहुंच गए। ई-रिक्शा चालक और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जाम लगा दिया। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गयी। रोजा थाना प्रभारी राजीव कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर जाम खुलवाया। उन्होंने बताया कि तहरीर मिल गयी और जांच की जा रही है।

कैंटर चालक की मौत से मचा कोहराम

कलान, अमृत विचार : पुलिस ने गायब हुई दोनों सहेलियों को दिल्ली से बरामद कर लिया है। दोनों को पुलिस अभिरक्षा में मेडिकल के लिए भेजा गया है। कस्बे के समीपवर्ती गांव रूकनपुर में रहने वाली दो सहेलियां 2 जनवरी को घर से बाजार जाने की बात कहकर निकली थी, जो लापता हो गई थी। जब घर नहीं पहुंची तो परिवार वालों को चिंता हुई और थाने पर तहरीर दी थी ।

- दोनो सहेलियां बरामद, मेडिकल को भेजा

पुलिस ने तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया था। रविवार को दिल्ली में सहेलियां की लोकेशन मिली। थाने से पुलिस की टीम दिल्ली पहुंची और दोनों को सकुशल बरामद कर लिया। दोनों को पुलिस अभिरक्षा में मेडिकल के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

जलालाबाद में समृद्धि ज्वेलर्स का भव्य शुभारंभ

संवाददाता, जलालाबाद

फीता काटते विधायक और उपस्थित अन्य अतिथि। ● अमृत विचार

अमृत विचार : नगर में बरेली रोड स्थित आर्य समाज मंदिर के सामने समृद्धि ज्वेलर्स वन ग्राम गोल्ड शोरूम की शुरुआत हुई।

मीरानपुर कटरा के विधायक डॉ. वीर विक्रम सिंह प्रिंस ने फीता काटकर शोरूम का उद्घाटन किया । इससे पूर्व पूजा-अर्चना कराई गई। कार्यक्रम में नगर व क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, व्यापारी वर्ग, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। विधायक ने कहा कि कस्बाई क्षेत्र में आधुनिक और भरोसेमंद ज्वेलरी शोरूम का खुलना आर्थिक विकास की दिशा में सकारात्मक कदम है, जिससे उपभोक्ताओं को गुणवत्ता के आभूषण स्थानीय स्तर पर मिलेंगे और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। संचालक सोल्जर गुप्ता ने बताया कि शोरूम में वन ग्राम सोने के आधुनिक और पारंपरिक आभूषणों की विस्तृत रेंज उपलब्ध है और पारदर्शिता व ग्राहक संतुष्टि उनकी पहचान रहेगी। उद्घाटन अवसर पर विशेष छूट दी गई, जिससे पहले ही दिन अच्छी खरीदारी हुई। अंत में अनिल गुप्ता की ओर से अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

जरी कारीगर का खाता खुलवाकर किया 23 करोड़ का लेन-देन

बरेली, अमृत विचार : शातिर अपराधियों ने जरी कारीगर का बैंक खाता खुलवाकर एक साल में 23 करोड़ रुपये का लेन-देन कर डाला। जरी कारीगर के पास बैंक से डेढ़ करोड़ रुपये के इनकम टैक्स का मैसेज पहुंचा तो वह हैरान रह गया।

उसने भुता थाने में इस मामले में की रिपोर्ट दर्ज कराई। एसपी साउथ अंशिका वर्मा के निर्देशन में भुता पुलिस ने दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। पुलिस को आशंका है कि आरोपियों कई फर्जी कंपनियां बनाकर बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी की जा रही थी। जरी कारीगर के खाते के जरिये हवाला से पैसे के लेन-देन की भी आशंका जताई जा रही है। पुलिस अलग-अलग एंगल से जांच कर रही है।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :- बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 1 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

न्यूज ब्रीफ

कुत्ते के हमले में घायल, अस्पताल में भर्ती

बिल्सी, अमृत विचार : शनिवार की रात कोतवाली के सामने से गुजर रहे मोहल्ला संख्या दो निवासी गोपाल दास स्वामी पर एक कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते के काटने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह उन्हें बचाया और निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। नगर वासियों का कहना है कि कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे सुबह-शाम राहगीरों, बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने नगर पालिका और जिला प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या के समाधान की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़ी घटना से बचा जा सके।

जमीन के विवाद में मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

बदायूं, अमृत विचार : जरीफनगर थाना क्षेत्र के गांव मदारपुर जमीन को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया था। दो पक्ष आमने-सामने आ गए थे। जमकर मारपीट हुई थी। पुलिस ने 26 दिसंबर को सात आरोपी पवन कुमार, अर्जुन, छोटे लाल, नरेंद्र, प्रमोद, आलोक और अशोक कुमार को गिरफ्तार करके जेल भेजा था। सोमवार को एक अन्य आरोपी भाऊ सिंह पुत्र दुले सिंह को मेंथा प्लांट से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से लाठी बरामद हुई। गिरफ्तारी करने वालों में वरिष्ठ उप निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक गुलजारी सिंह, कांस्टेबल रोबिन शर्मा व हरीश कुमार रहे।

पुलिस ने कस्बे में चलाया चैकिंग अभियान

बदायूं, अमृत विचार : थाना वजीरगंज पुलिस ने सोमवार को क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के तहत बैंकों में चेकिंग अभियान चलाया। थाना पुलिस ने अभियान के तहत बैंकों के अंदर और बाहर अनावश्यक रूप से घूम रहे संदिग्ध लोगों से पूछताछ की। इसके साथ पुलिस द्वारा बैंकों में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी देखा। बैंक परिसर के बाहर बिना हैंडल लॉक के खड़े दोपहिया वाहनों के मालिकों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान थाना पुलिस ने बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों से सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने के लिए अपील की।

गांव अगोल में महिलाओं को दिए सुरक्षा के टिप्स

महिलाओं से संवाद करती महिला पुलिस। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत केंद्र प्रभारी रचना देशवाल ने कोतवाली क्षेत्र के गांव अगोल में पहुंचकर महिलाओं के साथ संवाद स्थापित किया। उन्होंने महिलाओं की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा की। रचना देशवाल ने कहा कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर प्रतिबद्ध है। मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्हें भयमुक्त वातावरण देना है।

केंद्र प्रभारी ने महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ जीने और किसी भी तरह की परेशानी को छिपाने के बजाय साझा करने को प्रेरित किया। यहां महिला कांस्टेबल सोनिया, भूपेश कुमार, विपिन कुमार, नागेंद्र सिंह, कोशिवेंद्र सिंह आदि रहे।

300 रुपये में खेल महोत्सव और 1200 में कराया जाएगा वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम

परिषदीय स्कूलों में मनाया जाएगा खेल और वार्षिक उत्सव

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: परिषदीय और कस्तूरबा गांधी आवासीय स्कूलों के बच्चों के चौतरफा विकास के लिए वार्षिकोत्सव और खेल उत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 31 जनवरी तक कराए जाएंगे। इसके लिए शासन की ओर से 3,285,600 बजट जारी किया है। 300 रुपये से खेल उत्सव और 1200 रुपये में वार्षिकोत्सव मनाने के लिए प्रति विद्यालय धनराशि आवंटित की गई है। महंगाई के दौरान मिली धनराशि पर शिक्षकों ने आक्रोश व्यक्त किया है। उनका कहना है कि इतनी कम धनराशि ऊंट के मुंह में जीरा साबित होगी। लेकिन फिर भी आदेशों के तहत कार्यक्रम आयोजित कराए जाएंगे।

बच्चों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास, अनुशासन की भावना जगाने के लिए सभी 2158 परिषदीय स्कूलों और 18 कस्तूरबा गांधी आवासीय स्कूलों में खेल महोत्सव और वार्षिकोत्सव कराया जाएगा। इसके लिए शासन की ओर से बेसिक शिक्षा विभाग को 3,285,600 रुपये का बजट भेजा है। जिले के परिषदीय स्कूलों में तीन सौ रुपए के हिसाब से 647,400 की धनराशि और 1200 रुपये प्रति विद्यालय के हिसाब से 2,589,600 धनराशि भेजी गई है। वहीं कस्तूरबा गांधी आवासीय स्कूल में खेल और वार्षिकोत्सव के लिए 2700 रुपये प्रति विद्यालय के हिसाब से 48,600 धनराशि भेजी गई है।

राज्य परियोजना निदेशक ने बीएसए को खेल और वार्षिक उत्सव 31 जनवरी तक मनाए जाने के आदेश दिए हैं। इतनी कम धनराशि में कार्यक्रम का आयोजन कराने को लेकर शिक्षकों ने रोष प्रकट किया है। शिक्षकों का कहना है इस महंगाई के दौरान में जो धनराशि भेजी गई है। उसमें कार्यक्रम कराना असंभव है। जितनी धनराशि भेजी गई है। उससे बीस गुना धनराशि कार्यक्रम के आयोजन पर खर्च हो जाती है। कार्यक्रम के आयोजन में सभी शिक्षकों का सहयोग रहता है। तब कहीं जाकर इसे सफल बनाया जाता है। शासन को चाहिए कि महंगाई को देखते हुए बजट में बढ़ोत्तरी करनी चाहिए।

स्कूलों में ऐसे होगा खेल और वार्षिक उत्सव का आयोजन

राज्य परियोजना निदेशक ने बीएसए को खेल और वार्षिक उत्सव स्कूलों में धूमधाम से मनाए जाने के आदेश दिए हैं। खेल सामग्री की व्यवस्था व दौड़ प्रतियोगिता के लिए ट्रैक बनाए जाने के लिए कम्युनिटी मोबिलाइजेशन मद से प्रति विद्यालय तीन सौ रुपए खर्च किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेता बच्चों को पुरस्कार भी दिया जाएगा। वहीं वार्षिक उत्सव के आयोजन के लिए विद्यालय की साज सज्जा, टेंट, कुर्सियां, दरी पुरस्कार और अभिभावकों के जलपान की व्यवस्था के लिए एसएमसी ट्रेनिंग मद से 12 सौ रुपए खर्च होंगे। आयोजन से पूर्व अभिभावकों को निमंत्रण दिया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। साथ ही बच्चों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

"परिषदीय और कस्तूरबा गांधी आवासीय स्कूलों में खेल और वार्षिक उत्सव कराने के आदेश सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को जारी कर दिए गए हैं। कार्यक्रम का आयोजन 31 जनवरी तक कराया जाएगा। छुट्टियों के बाद आयोजन कराए जाएंगे।
-वीरेंद्र कुमार सिंह, बीएसए।

जनपद भर में एआई से किया जा रहा डिजिटल क्रॉप सर्वे

9 लाख 27 हजार 458 गाटों का किया जाएगा सर्वे, रबी की फसलों का सभी तहसीलों में होगा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: रबी फसलों के डिजिटल क्रॉप सर्वे का काम आज से शुरू हो रहा है। क्रॉप सर्वे के लिए पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रयोग किया जाएगा। एआई के प्रयोग से साथ शुरू रही सर्वे प्रक्रिया के तहत जिले में 9 लाख 27 हजार 458 गाटों का सर्वे किया जाएगा। नई पहल से सर्वे पारदर्शिता के साथ होगा। इससे किसानों की फसल का सही विवरण और दिशा मिल सकेगी। साथ ही धांधली की संभावना भी कम रहेगी। डिजिटल क्रॉप सर्वे में 1100 से अधिक सर्वेयर को लगाया गया है। प्रत्येक सर्वेयर को तीन हजार गाटों का सर्वे करना होगा।

हर साल खरीफ और रबी फसल का डिजिटल क्रॉप सर्वे किया जाता है। खरीफ के बाद अब रबी सीजन में किसानों के द्वारा खेतों में बोई गई फसलों का डिजिटल क्रॉप सर्वे का किया शुरू किया जा रहा है। यह कार्य 5 जनवरी से जिले की सभी पांचों तहसीलों में शुरू किया गया है।

इस कार्य के लिए करीब 11 सौ सर्वेयर लगाए गए हैं। प्रत्येक सर्वेयर को तीन हजार गाटों का सर्वे करना होगा। इस बार डिजिटल क्रॉप सर्वे में एआई का प्रयोग किया जा रहा है। इसके प्रयोग से गाटों का सर्वे करने में न सिर्फ पारदर्शिता आएगी, बल्कि धांधली की संभावना भी कम होगी। उप कृषि निदेशक ने बताया कि किसानों की फसल का विवरण तभी पोर्टल पर अपलोड किया जा सके जब एआई उसे स्वीकार करे। यदि विवरण एआई द्वारा स्वीकार नहीं किया जाता है, तो वह निरस्त हो जाएगा।

मोबाइल पर लॉगिन करने से पहले, सर्वेयर के चेहरे की पहचान एप द्वारा की जाएगी। इससे पता चलेगा कि सर्वेयर मौके पर मौजूद है और स्वयं सर्वे कर रहा है। यह प्रक्रिया खेत से अधिकतम 20 मीटर की दूरी तक ही पूरी की जा सकेगी। यदि सर्वेयर किसी अन्य स्थान पर बैठकर पहले से खींची गई फोटो से फोटो बनाकर अपलोड करने का प्रयास करता है, तो वह निरस्त हो जाएगा। इस बार के सर्वे में एक नई सुविधा जोड़ी गई है, जिसके तहत उन खेतों का भी विवरण अपलोड किया जाएगा जहां फसल कट चुकी है। इसमें यह भी दर्ज किया जाएगा कि खेत में कौन सी फसल बोई गई थी। यह सुविधा पिछले सर्वे के ऑनलाइन प्रारूप में उपलब्ध नहीं थी।

- प्रत्येक सर्वेयर को तीन हजार गाटों का करना होगा सर्वे

"रबी सीजन का डिजिटल क्रॉप सर्वे का काम शुरू हो गया है। नौ लाख से अधिक गाटों का सर्वे किया जाएगा। इस कार्य के लिए करीब 11 सौ सर्वेयर लगाए गए हैं। यह कार्य एआई एप के माध्यम से किया जाएगा।
-मनोज कुमार, उप कृषि निदेशक।

आधार और ईमेल आईडी का करना होगा प्रमाणीकरण

डिजिटल सर्वे के दौरान सर्वेयरों को दो बार लॉगिन करना होगा। पहली बार, गाटे के सर्वे के दौरान उन्हें आधार और ईमेल आईडी का प्रमाणीकरण कराना होगा। इसके बाद, 20 से 30 गाटों के सर्वे के बाद, उन्हें दोबारा आईडी प्रमाणीकरण से गुजरना होगा। यह प्रक्रिया सर्वेयरों की पहचान सुनिश्चित करने और डेटा की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। सर्वे के काम में लगे किसी सर्वेयर का स्थानांतरण होता है, तो उन्हें मोबाइल बदलने की आवश्यकता नहीं होगी। बल्कि तहसील का कोड बदल दिया जाएगा। जिससे डिजिटल क्रॉप की प्रक्रिया जारी रहे।

डीएम से वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने की मांग

विजय नगला, अमृत विचार : तहसील सदर क्षेत्र के गांव लखनपुर निवासी अनिल कुमार, ओमपाल, कुंवरपाल, भगवान दास, सचिन कुमार, गुड्डू, सुरेंद्र, प्रेमपाल, कैलाश, अनेक पाल, प्यारेलाल, महेंद्र सिंह, विपिन कुमार आदि ग्रामीणों ने डीएम को देकर और मुख्यमंत्री को शिकायत पत्र भेजकर बताया कि पंचायत चुनाव के चलते गांव में वोट बनाने का कार्य चल रहा है। जिसकी जिम्मेदारी हर गांव में बूथ स्तर पर एक बीएलओ की ड्यूटी लगाई गई है। ग्रामीणों ने बताया उनके गांव के लगभग 63 मतदाता मजदूरी करने के लिए बाहर चले गए हैं जबकि उनके गांव में जमीन मकान भी बना हुआ है।

लेकिन बीएलओ ने उनके नाम वोटर लिस्ट से काट दिए। बताया कि उन्हें ब्लॉक से वोटर लिस्ट उपलब्ध कराई गई तो उन लोगों के वोट नहीं थे। ग्रामीणों ने बताया कि अगर उनके वोट लिस्ट में नहीं जुड़े तो वह पंचायत चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे।

आज से शुरू हो रही प्री बोर्ड परीक्षा, तैयारी पूरी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: जिले के माध्यमिक स्कूलों में प्री बोर्ड परीक्षाएं आज से शुरू हो रही हैं। यह परीक्षा 15 जनवरी तक चलेंगी। विद्यालय स्तर पर रही प्री बोर्ड परीक्षा गत वर्ष के शेष बचे प्रश्नपत्रों से कराई जा रही है। प्रश्नपत्रों का वितरण बोर्ड परीक्षा के लिए बनाए गए 98 केंद्रों पर भेजे जा चुके हैं। यहां से स्कूल संचालक प्राप्त कर रहे हैं। परीक्षा में दसवीं और बारहवीं के 67945 विद्यार्थी शामिल होंगे।

जिले में 308 राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालय संचालित हैं। इनमें स्कूलों में 10वीं और 12वीं की प्री-बोर्ड की परीक्षाएं छह जनवरी से शुरू हो रही हैं। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक होगी। वहीं, दूसरी पाली दोपहर 1:15 बजे से 4:30 बजे तक होगी। प्रश्नपत्रों का वितरण बनाए गए 98 परीक्षा केंद्रों से स्कूल संचालक प्राप्त कर रहे हैं। इस बार प्री बोर्ड परीक्षा कड़ी निगरानी में कराई जा रही है। परीक्षा सीसीटीवी की निगरानी कराई जाएगी। परीक्षा के लिए सभी स्कूलों में तैयारी पूरी कर ली गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि इस बार गत वर्ष की परीक्षा के शेष बचे प्रश्नपत्रों से प्री बोर्ड परीक्षा कराई जा रही है। परीक्षा की सभी तैयारी पूरी कर ली गई है।

परीक्षा के बाद कॉपियों का मूल्यांकन भी गंभीरता से कराया जाएगा। परीक्षा के बाद कमजोर छात्रों के अभिभावकों से शिक्षक संवाद भी करेंगे।

- गत वर्ष की परीक्षा के बचे प्रश्नपत्रों से कराई जा रही परीक्षा
- परीक्षा में शामिल होंगे कक्षा 10 और 12वीं के विद्यार्थी

"प्री बोर्ड परीक्षा कार्यक्रम जारी हो चुका है। स्कूलों में छह जनवरी से प्री बोर्ड की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। जिसकी सभी तैयारी पूरी हो गई है। प्रश्नपत्रों को भेज दिया गया है।
-लालजी यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक।

तहसील दिवस में डीएम ने सुनीं शिकायतें

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: शनिवार को तहसील सहसवान में तहसील दिवस का आयोजन हुआ। जिसमें जिलाधिकारी अवनीश राय ने फरियादियों की शिकायतों को सुना। डीएम ने अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ता की संतुष्टि आवश्यक है। कहा कि शासन स्तर से भी निस्तारण की गुणवत्ता के संबंध में फीडबैक लिया जाता है इसलिए अधिकारी पूरी गंभीरता से कार्य करें।

संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग, विद्युत, नगर पालिका परिषद, खाद एवं रसद विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, पुलिस विभाग व अन्य विभागों को शिकायती पत्र प्राप्त हुए। सम्बंधित अधिकारियों को गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीडीओ केशव कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

शिकायत सुनते डीएम अवनीश कुमार राय। ● अमृत विचार

बिल्सी में दो शिकायतों का मौके पर किया निराकरण

बिल्सी, अमृत विचार : एसपीआरए डा .हिरदेश कठेरिया की अध्यक्षता में सोमवार को तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। यहां कुल 26 शिकायती पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से मौके पर दो शिकायतों का निस्तारण किया गया। जिसमें सर्वाधिक मामले राजस्व विभाग, नगर पालिका, विद्युत निगम, और क्षेत्र के विभिन्न गांव में पैमाइश, कब्जा और सरकारी जमीनों पर अवैध निर्माण से संबंधित शिकायती पत्र आए। इस मौके पर एसडीएम प्रेमपाल सिंह, तहसीलदार प्रथा सिंह, नायब तहसीलदार बदन सिंह, मोहित राठी, पूर्ति निरीक्षक धीरज गुप्ता, एसडीओ जेपी सिंह, कोतवाली मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

श्रीमद् भागवत सुनकर भक्ति में लीन हुए भक्त

बदायूं, अमृत विचार: ब्लॉक उसावां क्षेत्र के गांव केशोपुर में कथा वाचिका पूजा किशोरी सरल भाषा में श्रीमद् भागवत कथा का वर्णन किया। कथा वाचक ने भगवान श्रीकृष्ण, राधा, रुक्मिणी और यशोदा मैया से संबंधित प्रसंग को सुनाया। जिसे सुनकर भक्तजन भक्ति में लीन रहे।

कथा के दौरान भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के जयकारे लगाए। जिससे वातावरण गुंजायमान हो उठा। कड़ाके की ठंड के बावजूद कथा स्थल पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। वे भक्ति भाव में लीन होकर कथा श्रवण कर रहे हैं। आयोजन के दौरान आज सुबह महायज्ञ संपन्न हुआ, जिसमें दर्जनों लोगों ने मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां दीं।

मरीजों में दमा रोग की शिकायत, जांच में खुलासा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बढ़ती ठंड से गाढ़ा हो रहा रक्त धमनियों में जमने से परेशानी
- डाक्टरों ने जताई हैरानी, घर से न निकलने की दी हिदायत

अमृत विचार : शीतलहर ने जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। दमा रोगियों की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। दमा रोगियों के ब्लड की जांच में ब्लड गाढ़ा होने का पता चला है जिससे चिकित्सक भी हैरान हैं। डाक्टरों ने दमा रोगियों को हिदायत दी है कि अधिक ठंड में घरों से बाहर न निकलें। ठंड से बचाव करें।

इन दिनों जिला अस्पताल में सर्दी खांसी और बुखार के मरीज बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। इनमें दमा रोगियों की संख्या कई दिनो से बढ़ रही है। जो चिंताजनक है।

सोमवार को जिला अस्पताल में 587 मरीजों ने अलग अलग डाक्टरों को दिखा कर दवा ली। इन मरीजों में 92 मरीज श्वास रोग के थे। डा. अलंकार सोलंकी ने बताया कि उन्होने पिछले पांच दिनों में 187 मरीजों को ब्लड चेक कराने को लिखा। आज उनकी जांच रिपोर्ट देख कर हैरानी हुयभ्। उक्त मरीजों में से 46 मरीज दमा बीमारी के निकले। बताया कि अधिक ठंड के कारण रक्त गाढ़ा हो जाता है जो धमनियों में जम जाता है। रक्त जमने से श्वास लेने में दिक्कत होती है। जिससे पता चलता है कि ठंड से दमा रोगियों की संख्या बढ़ रही है।

बताया कि तेज बुखार होने पर जांच कराने को लिखा जाता है। मरीज की जांच रिपोर्ट देख कर ही दवा दी जाती है। आज मरीजों की संख्या देख कर हैरानी हुई। इसलिए दमा रोगियों को हिदायत दी जाती है कि जब तक शीत लहर रहे तब तक घरों से बहुत कम निकलें। यदि जरूरी न हो तो न निकलें। उन्होने बताया कि सामान्य सर्द मौसम में बुखार आने पर जल्द ठीक हो जाता है जबकि शीतलहर के समय बुखार खांसी होने पर मरीज को पन्द्रह से बीस दिन तक दवा लेनी पड़ती है। इसलिए इस मौसम में दमा रोगियों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। यदि श्वास नहीं बैठ रही है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

मरीज को देखते डॉक्टर अलंकार सोलंकी। ● अमृत विचार

टीबी के मरीजों की संख्या में हो रही वृद्धि

जिला क्षय रोग अधिकारी डा. विनेश् कुमार ने बताया कि इस मौसम में बीबी के मरीजों को अधिक परेशानी होती है। अधिक सर्द मौसम में गंभीर मरीजों के ब्लड की जांच कराने के बाद ही दवा दी जाती है जिससे उनके फेफड़ों को देखा जा सके। टीबी चिकित्सकों का कहना है कि नवम्बर से मरीजों की संख्या बढ़ी है। जो जनवरी के अंत तक जारी रहेगी। कुछ ठंडक कम होने के बाद ही मरीजों की संख्या में कमी आएगी। इस समय मरीजों को सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। बिना जांच कराए किसी मरीज को दवा नहीं दी जाती है।

मौसम | शीत लहर लोगों को कर रही परेशान, सुबह-शाम कोहरे से वाहन चालकों को दिक्कत

बादलों के बीच खिली धूप पर सर्दी से नहीं राहत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: मौसल रोजाना करवट बदल रहा है। अन्य दिनों की तरह ही सोमवार को भी सुबह से ही मौसम के तेवर सख्त रहे, गलन ने लोगों को परेशान कर दिया। करीब 12 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल रही सर्द पछुआ हवा ने ठंड का असर और बढ़ा दिया। न्यूनतम तापमान 7 डिग्री, जबकि अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। कड़ाके की ठंड जनजीवन पर भारी पड़ रही है, आम गतिविधियां प्रभावित नजर आईं। हालांकि दिन में बादलों में बादलों वाली धूप खिली रही। लेकिन सर्द हवाओं की वजह से लोगों को ठंड से राहत नहीं मिल सकी।

सोमवार की सुबह घने कोहरे के साथ हुई। दृश्यता महज 100 मीटर की रही। कोहरे के कारण सड़कों पर सामने से कुछ भी दिखाई नहीं पड़ रहा था। ऐसा होने से यातायात प्रभावित रहा। करीब 9 बजे के आसपास कोहरा तो छंट गया। इसके बाद धूप खिली, जिससे लोगों को थोड़ी राहत की उम्मीद जगी, लेकिन चार बजे के बाद धूप नदारद हो गई और ठिठुरन फिर से बढ़ गई। शाम होते-होते तापमान में गिरावट आने से लोग कांपने को मजबूर हो गए।

ठंड के प्रकोप से सबसे ज्यादा दिक्कत मजदूरी पेशा वर्ग के लोगों को हो रही है। लगातार धूप न निकलने से किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। पाला पड़ने से आलू और तिलहनी फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान की आशंका से किसान परेशान हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार अगले कुछ दिनों तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। दिन में बादलों में वाली धूप खिलेगी। लेकिन सर्द हवाओं की वजह से गलन बनी रहेगी।

कृषि अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। न्यूनतम तापमान सात और छह डिग्री सेल्सियस पर बना रहेगा। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। फिलहाल ठंड से राहत के आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

वातावरण में छाया घना कोहरा। ● अमृत विचार

11 साल का बच्चा लापता, गुमशुदगी दर्ज की

बदायूं, अमृत विचार: कोतवाली उझानी क्षेत्र के गांव नन्हें नगला निवासी शंकर लाल कश्यप का पुत्र सूरज घर से अपनी मां माला देवी से लगभग एक किलोमीटर दूर गंगा घाट पर मजदूरी कर रहे पिता के पास जाने की बात कहकर घर से निकला था। लेकिन वह न पिता के पास पहुंचा और न ही घर लौटा। बच्चे की मां माला देवी ने बताया कि सूरज ने उनसे कहा था कि वह पिता के पास जा रहा है। शाम होने पर जब सूरज वापस नहीं आया, तो उन्होंने आसपास के बच्चों और लोगों से पूछताछ की। लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद, परिवार ने बच्चे के लापता होने की सूचना पुलिस चौकी इंचार्ज कपिल कुमार सिंह और उझानी थानाध्यक्ष को दी। पुलिस ने शिकायती पत्र मिलने के बाद बच्चे की तलाश शुरू कर दी है।

ईसीजी एजूकेटर भर्ती में भ्रष्टाचार का आरोप

शिकायत करने के दौरान कलेक्ट्रेट में मौजूद अभ्यर्थी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- कुछ अभ्यर्थियों ने डीएम को शिकायती पत्र देकर की है जांच कराने की मांग

अमृत विचार : ईसीजी एजूकेटर भर्ती प्रकिया शुरू की गई थी। जिसमें होमसाइंस और एनटीटी डिप्लोमा लोगों के आवेदन लिए गए थे। जिले के लगभग 2500 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। कुछ अभ्यर्थियों ने भर्ती में भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर डीएम को शिकायती पत्र देकर जांच कराने की मांग है।

उन्होंने बताया कि संबंधित कंपनी ने अभ्यर्थियों को लखनऊ बुलाकर साक्षात्कार लिए थे। जिसके बाद बीएसए कार्यालय में 500 अभ्यर्थियों की सूची चस्पा की गई। जिसमें जिन अभ्यर्थियों के नाम थे उनको साक्षात्कार के लिए फोन या मेल तक नहीं किया गया। जो अभ्यर्थी लखनऊ गये थे उनके सूची में नाम नहीं है। अभ्यर्थियों का कहना है कि इसमें सांठगांठ करके धन उगाही की गई है। जिसने रुपये दिए हैं उन्हें छह जनवरी को ज्वाइनिंग लेटर देने का आश्वासन दिया गया है।

अभ्यर्थियों का कहना है कि यह भर्ती सिर्फ जिले के अभ्यर्थियों के लिए थी लेकिन अन्य जिलों के लोगों के भी आवेदन लिए गए हैं और उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया अंदर खाने चल रही है। ऐसे में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया रद्द करके निष्पक्ष तौर पर कराने की मांग की है।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार,6 जनवरी 2026

बदायूं

न्यूज ब्रीफ

खोखे से चोरी, अन्य दुकानों में किया प्रयास

कुंवरगांव, अमृत विचार : कड़ाके की सर्दी में चोर सक्रिय हो गए हैं। कस्बा कुंवरगांव में मुख्य चौराहे पर सुरक्षा गार्डों की ड्यूटी रहती है। वहीं चीता मोबाइल भी रात में गश्त करती है। इसके बाद भी चोरों ने रात में घटना को अंजाम दिया। कस्बा के वार्ड सात निवासी डब्लू पुत्र निसार का नगर पंचायत कार्यालय के पास टीन का खोखा है। वह खोखे में ताला सही करने का काम करते हैं। सोमवार को उन्होंने रविवार रात चोरी की तहरीर दी। वहीं चोरों ने परचून व मिठाई समेत तीन दुकानों के ताले तोड़ने का प्रयास किया। लेकिन ताले नहीं टूट सके। जिससे चोरी की घटना बच गई। व्यापारियों ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था व चीता मोबाइल पुलिस की रात्रि गस्त पर सवाल उठाए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री को भारत रत्न दिए जाने की मांग

बदायूं, अमृत विचार : भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार शर्मा के आवास पर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूजी कल्याण सिंह की जयंती मनाई गई। कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। भाजपा के प्रांतीय परिषद सदस्य शेखूपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अधिवक्ता जितेंद्र कुमार कश्यप ने पूर्व मुख्यमंत्री को भारत रत्न दिए जाने की मांग की। अजय शर्मा, संजीव पाराशरी, सुरेंद्र पाल शर्मा, चौधरी विजयपाल सिंह, अमन शर्मा, रविंद्र जौहरी, हिमांशु, गौरव सक्सेना, ओम प्रकाश कश्यप, अर्चना गुप्ता, विराट दुबे, अरविंद लाल, राजेश बाबू शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कार के ऊपर महिला के डांस का वीडियो वायरल

बदायूं, अमृत विचार : एक महिला के ईको कार के ऊपर चढ़कर डांस करने का वीडियो सोशल साइट्स पर वायरल हुआ है। वीडियो उसावां क्षेत्र का बताया जा रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वीडियो के अनुसार हरे रंग की साड़ी पहनी महिला मुरादाबाद-फर्रुखाबाद राजमार्ग किनारे कार के ऊपर चढ़ी दिखी हुई है। पास में ही एक दूसरी ईको कार है। महिला कार की छत पर डांस कर रही है। राहगीर महिला को देखते हुए गुजर रहे हैं। महिला के पीछे एक ग्लोसाइन बोर्ड नजर आ रहा है। जिसमें उसावां दो किमी लिखा हुआ है। मामला पुलिस तक पहुंचने के बाद जांच शुरू कर दी गई है।

राष्ट्र सेवा को राजनीति का मूल मंत्र मानते थे कल्याण सिंह

कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी, निडर और स्पष्ट निर्णयों की थे पहचान, पूर्व मुख्यमंत्री की जयंती पर हुए कार्यक्रम

संवाददाता, उझानी

अमृत विचार : पूर्व मुख्यमंत्री की जयंती के अवसर पर उझानी के एपीएस इंटरनेशनल स्कूल के मैदान में समारोह हुआ। हजारों लोगों ने कार्यक्रम में शिरकत की। केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि कल्याण सिंह उनके राजनीतिक गुरु थे। बाबूजी ने राजनीति को सत्ता का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा और जनसेवा का माध्यम माना। बाबूजी का जीवन यह सिखाता है कि सत्ता क्षणिक हो सकती है, लेकिन सिद्धांत और राष्ट्रधर्म शाश्वत होते हैं। हर दायित्व को सेवा भाव से निभाया और कभी भी अपने विचारों एवं मूल्यों से समझौता नहीं किया।

पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव हजारों समर्थकों के साथ कार्यक्रम में पहुंचे। दातागंज विधायक राजीव कुमार ने कहा कि बाबू जी ने समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का काम किया और राजनीति में नैतिक मूल्यों को स्थापित किया। युवाओं के लिए उनका जीवन प्रेरणा का स्रोत है, जो उन्हें राष्ट्रसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

एमएलसी वागीश पाठक ने कहा कल्याण सिंह हमेशा संगठन के कार्यकर्ताओं को परिवार का सदस्य मानते थे और उनके मान-सम्मान के लिए प्रतिबद्ध रहते थे। यही कारण है कि वे आज भी करोड़ों लोगों के हृदय में जीवित हैं। जलालाबाद के विधायक हरिप्रकाश वर्मा ने कहा कि कल्याण सिंह का मुख्यमंत्री कार्यकाल प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में स्मरण किया जाता है।

एटा के विधायक विपिन, नवाबगंज विधायक एमपी आर्य, कटरा विधायक प्रिंस सिंह, पूर्व आईजी केपी सिंह, आंवला से पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप, पूर्व विधायक अनिता लोधी, पूर्व विधायक ममतेश शाक्य, ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन एमपी सिंह राजपूत और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दिवाकर वर्मा ने किया।

इस मौके पर बरेली सांसद छत्रपाल गंगवार, पूर्व राज्यमंत्री राजीव लोधी, प्रदेश मंत्री डीपी भारती, पीलीभीत जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप, शाहजहांपुर जिलाध्यक्ष केसी मिश्रा, बरेली के महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव, पूर्व विधायक प्रेम स्वरूप पाठक, पूर्व राज्यमंत्री विमल कृष्ण अग्रवाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम यादव, सुधीर श्रीवास्तव, राष्ट्रीय परिषद सदस्य हरप्रसाद सिंह पटेल, भाजपा नेता शैलेश पाठक, केंद्रीय उपभोक्ता भंडार क सभापति हर्ष राजपूत आदि शामिल रहे।

जनसमूह को संबोधित करते केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा और मंचासीन विभिन्न जिलों से आए विधायक व बदायूं के राजनेता व पदाधिकारी। ● अमृत विचार

मुजरिया चौराहे पर शिलान्यास करते केंद्रीय राज्यमंत्री व अन्य। ● अमृत विचार

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की जयंती समारोह में शामिल लोग। ● अमृत विचार

कल्याण सिंह की प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों के लिए बनेगी आदर्श

दबतोरी/मुजरिया, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व राज्यपाल और पद्म विभूषित कल्याण सिंह बाबूजी की 94वीं जयंती के अवसर पर मुजरिया चौराहे पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुजरिया स्थित चौराहा पर केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव, डिबाई के पूर्व विधायक अनिता लोधी और पार्टी के पदाधिकारियों ने पूजन कर प्रतिमा का शिलान्यास किया और जनसमूह को संबोधित किया। मुजरिया चौराहे का 294 .49 लाख रुपये की लागत से चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। यह चौक स्व. कल्याण सिंह चौक के नाम से जाना जाएगा। केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि कल्याण सिंह बाबूजी का पूरा जीवन राष्ट्र सेवा, समाज हित और सिद्धांतों की राजनीति का जीवंत उदाहरण रहा है। उन्होंने राजनीतिक जीवन में कभी समझौते की राह नहीं चुनी और हमेशा देश व प्रदेश के हित को सर्वोपरि रखा। मुजरिया में उनकी स्मृति से जुड़े इस शिलान्यास के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों को उनके त्याग, साहस और राष्ट्रवादी विचारधारा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। बाबूजी के आदर्श और मूल्य सदैव हमें जनसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहेंगे। भाजपा सरकार जन सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कल्याण सिंह बाबूजी केवल एक जननेता नहीं, बल्कि प्रदेश की राजनीति में मूल्यों और सिद्धांतों की पहचान थे। मुजरिया चौराहे पर प्रस्तावित स्मृति स्थल का शिलान्यास क्षेत्र के युवाओं और कार्यकर्ताओं को बाबूजी के विचारों से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र सेवा में आगे बढ़ने का संदेश देगा। सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने कहा स्व. कल्याण सिंह बाबूजी का राजनीतिक जीवन त्याग, संघर्ष और जनकल्याण की मिसाल है। उन्होंने सत्ता को सेवा का माध्यम माना और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का काम किया। आज उनकी जयंती पर किया गया यह शिलान्यास उनके विचारों और कार्यों को स्थायी स्वरूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बिल्सी विधायक हरीश शाक्य ने कहा कल्याण सिंह बाबूजी का नाम प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उन्होंने अपने साहसिक निर्णयों और स्पष्ट विचारधारा से जनता के दिलों में स्थान बनाया। भाजपा जिला महामंत्री सुधीर श्रीवास्तव, शारदेंदु पाठक, युवा नेता विश्वजीत गुप्ता, शिशुपाल शाक्य, नगर अध्यक्ष सचिन अग्रवाल उर्फ बंटी भैया, केपी राजपूत, रानी सिंह पुंडीर, अजय तोमर, जिला पंचायत सदस्य राजेश कुमार उर्फ झंडू भैया, योगेश तोमर, उपदेश चौहान, प्रदीप तिवारी, केपी सिंह आदि रहे।

मुजरिया चौराहे पर पूजन करते केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव व अन्य। ● अमृत विचार

सर्द मौसम में विधायक ने गरीबों को बांटी जैकेट

संवाददाता, दातागंज

अमृत विचार : हाड़ कंपा देने वाली शीतलहर से बचने के विधायक राजीव कुमार सिंह ने सोमवार को गरीबों, असहाय, मजदूरों, बेसहारा लोगों को जैकेट बांटी। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को इस तरह काम करना चाहिए ।

आज विधायक राजीव कुमार सिंह ने कोतवाली चौराहे पर एक कार्यक्रम आयोजित गरीबों को सर्द मौसम में राहत देने का प्रयास किया। विधायक ने गरीबों असहाय लोगों को ठंड से बचाने को जैकेट बांटे। उन्होंने कहा कि समाज का निर्धन तबका इस समय परेशान है इसलिए लोगों को गरीबों की मदद करनी चाहिए। कहा कि ऐसे मौसम में मदद का हाथ बढ़ाने से गरीबों की जिंदगी में कुछ बदलाव आता है। इसलिए सर्दियों में लोगों को कंबल और जैकेट बांटते रहना चाहिए। इस मौके पर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष नैना गुप्ता के पति अनूप गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जैकेट बांटते विधायक राजीव कुमार सिंह।

हाईडिल पर जलभराव, देहात के उपभोक्ता होते हैं परेशान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बिजली विभाग के जिला मुख्यालय पर विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के चलते उपभोक्ताओं को जलभराव का सामना करना पड़ रहा है। कार्यशाला के सामने काफी दिनो से पानी भरा है, जिससे यहां आने वाले उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं। देहात के उपभोक्ता बिल जमा करने को मुश्किल विंडो तक पहुंच रहे हैं। विभाग का कहना है कि जल्द ही जलभराव खत्म कराया जाएगा।

बिजली विभाग के जिला मुख्यलय पर प्रत्येक दिन सैकड़ों लोगों का आना जाना रहता है। हाईडिल पर ही विभाग की कार्यशाला है जिससे यहां से ट्रांसफार्मर उठा कर ले जाए जाते हैं और खराब ट्रांसफार्मर यहां रखे जाते हैं जिससे उनकी मरम्मत हो सके। उपभोक्ता बिजली बिल सहित अनेक समस्याओं को लेकर आते जाते हैं। लेकिन विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के चलते यहां पर करीब एक महीने से जलभराव है। कार्यशाला के मुख्य गेट पर दस मीटर तक पानी भरा है जिससे लोगों को इधर आने जाने में परेशानी होती है। गांव देहात से आने वाले वाहन पानी के चलते अंदर तक नहीं पहुंच पाते हैं। कार्यशाला कर्मचारियों को भी आने जाने में दिक्कत होती है। देहात क्षेत्र से आने वाले उपभोक्ता इधर विंडों पर बिजली बिल जमा करते हैं उन उपभोक्ताओं को आने जाने में परेशानी होती है। पानी में घुसने से कपड़े खराब होते हैं। अधिकारियों के वाहन भी जलभराव के कारण कार्यशाला तक नहीं पहुंच पाते हैं। पानी भरा होने के कारण कई तरह की समस्याएं हो रही हैं। लेकिन विभाग मौन साधे बैठा है।

बाहर से आने वाले उपभोक्ताओं ने कहा कि यहां पर पानी भरा होने से बिल जमा करने को विंडो तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है। बीच रास्ते पर पानी भरा है फिर भी किसी अधिकारी को दिखाई नहीं देता है। बाहर वाली विंडों पर शहरी क्षेत्र के बिल जमा किए जाते हैं जबकि अंदर वाली बिंडों पर देहात के उपभोक्ता बिल जमा करते हैं इसलिए देहात के उपभोक्ताओं को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कार्यशाला के बाहर पानी भरा होने पर अधिशासी अभियंता प्रथम संजीव कुमार ने कहा कि कार्यशाला के बाहर सड़क धंस गयी है वहां पर पानी भर गया है इसलिए लोगों को दिक्कत हो रही है। जल्दी ही जलभराव की समस्या को खत्म करा दिया जाएगा। उधर आने जाने में सभी को दिक्कत हो रही है। बताया कि कार्यशाला से निकलने वाले पानी का निकास नहीं है इसलिए वह मेन गेट पर भर जाता है।

हाईडिल स्थित कार्यशाला के सामने जलभराव। ● अमृत विचार

बिजली विभाग के मुख्यालय पर नहीं बने गेट

हाइडिल स्थित कार्यालय के दोनो मुख्य गेट पर पक्का फर्श न होने के कारण लोगों को परेशानी होती है। फर्रुखाबाद रोड स्थित हाइडिल के अंदर आने जाने को दो मेन गेट हैं जो दोनों गेट पर फर्श नहीं है। मिट्टी डाल दी गयी है जिससे अक्सर वाहन फिसल कर गिरते रहते हैं। उपभोक्ताओं व विभाग के अधिकारियों के वाहन इन्हीं गेटों से अंदर बाहर आते हैं जो हिचकोले खाते हुए निकलते हैं। विभाग का मुख्य गेट ठीक न बना होने से बारिश के समय भारी परेशानी होती है। कीचड़ में गिरकर लोग चोटिल होते हैं लेकिन इस ओर किसी का ध्यान नहीं है।

- **बिल जमा करने वालों को जलभराव से हो रही परेशानी, विंडों तक पहुंचने को लांघना पड़ता है**

संयुक्त विकास आयुक्त ने सुनीं शिकायतें

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: सोमवार को सभी तहसीलों में समाधान दिवस का आयोजन हुआ। बिसौली तहसील में आयोजित तहसील दिवस के दौरान संयुक्त विकास आयुक्त बरेली मंडल बरेली देवेंद्र प्रताप अचानक पहुंच गए। उन्होंने दर्ज शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की। इस दौरान संयुक्त विकास आयुक्त ने अधिकारियों को समाधान दिवस में आने वाले फरियादियों को टकराने के बजाय समस्याओं का वास्तविक निस्तारण करने की हिदायत दी। ताकि फरियादी संतुष्ट हो।

संयुक्त विकास आयुक्त ने चेतावनी दी कि अगर शिकायतों के फर्जी निस्तारण का मामला पकड़ में आएगा तो दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित रहकर लोगों की समस्याओं को सुना। कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। कुछ समस्याओं को हल करने के लिए अधिकारियों की टीम मौके पर भेजी गई। इस दौरान एसडीएम राशि कृष्णा, तहसीलदार विजय कुमार शुक्ला, नायब तहसीलदार गिरजा शंकर यादव, एसडीओ अमित कुमार, क्राइम इंस्पेक्टर सहसंर वीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

लोगों की समस्याएं सुनते संयुक्त विकास आयुक्त देवेंद्र प्रताप। ● अमृत विचार

भाजपा नेत्री ने कल्याण सिंह की जयंती पर वृद्धाश्रम में बांटी मिठाई

बिल्सी , अमृत विचार : प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल स्व. कल्याण सिंह की जयंती के अवसर पर सोमवार को भाजपा नेत्री ममता शाक्य ने क्षेत्र के गांव बांस बरोलिया के वृद्ध आश्रम में सेवा और समर्पण का संदेश दिया। उन्होंने आश्रम में रह रहे बुजुर्गों का हालचाल जाना और उनसे आत्मीय संवाद किया।

भाजपा नेत्री ने बुजुर्गों को मिठाई एवं बिस्किट वितरित किए तथा उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि कल्याण सिंह का जीवन समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए समर्पित रहा। उनकी जयंती पर वृद्धजनों की सेवा कर उनके आदर्शों को स्मरण करना सच्ची श्रद्धांजलि है। वृद्ध आश्रम में मौजूद बुजुर्गों ने ममता शाक्य के इस पहल की सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। इस मौके पर मुकेश चंद्र मौर्य, रामेश्वर शाक्य, ओमवीर सिंह, गोपाल शाक्य आदि मौजूद रहे।

वृद्धाश्रम में मिठाई बांटतीं ममता शाक्य।

चीनी मिलों में गन्ना किसानों को न हो परेशानी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जनपद के गन्ना किसानों को सर्द मौसम में चीनी मिलों पर किसी तरह की दिक्कत नहीं हो इसके लिए शासन स्तर से निर्देशित किया गया है। मिल गेट पर अलाव की व्यवस्था कराने सहित अन्य सुविधाएं गन्ना किसानों को मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण के नेतृत्व में सोमवार को हुई बैठक में कहा गया कि इस समय प्रदेश में शीतलहर का प्रकोप है ऐसे में चीनी मिलों में गन्ना किसानों को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उक्त आदेशों के बारे में चीनी मिलों को हिदायत देते हुए जिला गन्ना अधिकारी अशर्फीलाल ने बताया कि चीनी मिलों पर गन्ना किसानों को किसी तरह की परेशानी होनी होने दी जाएगी । शीतलहर जैसे प्रतिकूल मौसम में उनके स्वास्थ्य, सुविधा एवं सम्मानजनक व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश सरकार ने गन्ना किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करते हुए समस्त चीनी मिलों के प्रबंधन को मिल यार्डों एवं गन्ना क्रय केन्द्रों पर कुशल प्रबंधन और किसानों की बुनियादी सुविधाओं के समुचित प्रबंधन के लिए उचित व्यवस्था करने के आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की ठंड को दृष्टिगत रखते हुए गन्ना किसानों को संभावित क्षति से बचाने को गन्ना एवं चीनी विभाग द्वारा चीनी मिलें गन्ना किसानों को शीतलहरी से बचाव हेतु अलाव जलाने, छायादार शेड तथा बैठने की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

जिला गन्ना अधिकारी ने कहा कि शासन के उक्त निर्देशों के बारे में सभी चीनी मिलों को निर्देशित किया है जिससे वह गन्ना किसानों का ध्यान रखें।

- **अलाव के साथ अन्य सुविधाएं गन्ना किसानों को मुहैया कराने के दिए निर्देश**

व्यवस्था नगर पालिका ने शुरू कराया नाले का निर्माण, हटाई दुकानें, अब नहीं भरेगा पानी

मंडी समिति के सामने जलभराव की समस्या होगी खत्म

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मंडी समिति के मुख्य गेट पर जलभराव की समस्या को खत्म करने को अब दस लाख से नाला निर्माण कराया जा रहा है। नाला बना कर जल निकासी की जाएगी जिससे रोड पर पानी नहीं भरेगा। इसके लिए उसहैत रोड पर बड़े नाले का निर्माण शुरू करा दिया गया है।

मंडी समिति के मुख्य गेट पर उसहैत रोड को जाने वाली सड़क पर बारिश में कई कई दिनों तक जलभराव रहता है। उसहैत रोड पर ठीक मंडी के सामने पानी भरने से स्थानीय लोगों को दुकानदारों एवं मंडी आने जाने वालों को परेशानी होती है। हल्की सी बारिश होने पर भी यहां पर पानी भर जाता है। सड़क नीची होने के कारण आस पास का पानी भी यहीं पर तालाब की तरह भरा जाता है। निकास न होने के कारण कई कई दिनो तक तालाब जैसी स्थिति बनी रहती है।

समस्या को लेकर मंडी समिति प्रशासन व स्थानीय दुकानदारों ने पिछले दिनों नगर पालिका प्रशासन को पत्र लिख कर पानी निकासी के लिए नाला निर्माण की मांग की थी। इस मांग को स्वीकार करते हुए नगर पालिका परिषद ने मंडी समिति के सामने पानी की निकासी को नाले का निर्माण शुरू करा दिया है। इस नाले का निर्माण दस लाख से कराया जा रहा है। सोमवार को नाले की खुदाई शुरू कर दी गयी। करीब 108 मीटर तक नाले का निर्माण करा कर पानी का निकास बाहर को किया जाएगा जिससे मंडी के सामने जलभराव की समस्या से निजात मिल जाएगी।

नाला निर्माण शुरू होने पर वहां पर दुकानों को हटा दिया गया है। जो छोटे दुकानदार अस्थायी दुकानें खोल कर दुकानदारी करते थे उनका सामान हटा दिया गया है। पूरे रोड के किनारे से दुकानों का सामान हटाया जा रहा है।

मंडी समिति के सामने बन रहा नाला। ● अमृत विचार

नाले के ऊपर नहीं होगा अतिक्रमण

दुकानदारों को हिदायत दी गयी है कि यदि नाले को बंद किया तो कार्यवाही की जाएगी। नाले पर किसी तरह का अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा। इस नाले को आगे कुरऊ मोड़ तक मिलाया जाएगा जिससे कॉलोनी का पानी भी नाले में गिरेगा और बीच में होने वाले जलभराव से भी मुक्ति मिलेगी। मंडी समिति और नरऊ मोड तक 108 मीटर का नाला निर्माण निर्माण होने से रोड पर जलभराव नहीं होगा और सड़क भी नहीं टूटेगी।

आशा कर्मियों की हड़ताल जारी

हड़ताल स्थल पर नारेबाजी करती आशा संगिनी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : प्रांतीय आह्वान पर चल रही आशा संगिनी की हड़ताल सोमवार को 23वें दिन भी जारी रही। भारी शीत लहर के बाद भी आशा कर्मियों का हौसला कम नहीं हुआ है। शासन को खुली चेतावनी दी गयी है कि अब हर मोर्चे पर लड़ने को तैयार हैं।

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आशा और संगिनी 15 दिसम्बर से मालवीय आवास गृह प हड़ताल पर बैठी हैं। कोहरा और शीतलहर के बाद भी आशा कमिर्यों के हौसले में कमी नहीं आयी है। सोमवार को जिलाध्यक्ष जौली वैश्य ने कहा कि सरकार अगर हड़ताल को तोड़ने का सपना देख रही है तो यह उसकी खामख्याली है ।यह हड़ताल अपनी मांगो के हल होने तक जारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि कल होने वाली कैबिनेट की बैठक में सरकार ने अगर आशा वर्कर्स के सवालों को एजेंडे में शामिल नहीं किया तो निश्चय ही लड़ाई लंबी चलेगी और सरकार को हराने के लिए अपनी शक्ति में बढ़ोतरी करनी होगी। मुनीषा ने कहा कि सालों से काम करने के बाद भी उन्हे अपना हक और अधिकार नहीं मिल रहा है जिससे हड़ताल को बाध्य होना पड़ रहा है। सहसचिव शशि सक्सेना ने कहा कि 9 जनवरी को मंडलायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन की तैयारी है। जिसमें जिले की हज़ारों आशा बहनें बरेली पहुंचकर अपने सवालों को बुलंद करेंगी। यहां राजकुमारी उर्मिला, हेमलता, सुमन, भगवान देवी चमेली देवी, संतोष कुमारी, कुसुमलता, सत्यवती, शकुंतला आदि आशाएं शामिल रहीं।

- **शीत लहर में भी आशा कर्मियों का हौसला कम नहीं**

शिविर में 66 ने कराया ओटीएस 7 लाख रुपये जमा

बिल्सी, अमृत विचार : नगर समेत क्षेत्र के गांव नागर झूना, सैदपुर, वजीरगंज में सोमवार को विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में शिविर आयोजित किए गए। शिविर में उपभोक्ताओं ने बिल सुधार, ओटीएस योजना एवं बकाया जमा कराने से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराईं। एसडीओ जयप्रकाश राजपूत ने उपभोक्ताओं की मौके पर समस्याओं का समाधान किया। शिविर में कुल 66 बकाएदारों का ओटीएस योजना में पंजीकरण कराया गया। वहीं विभाग ने करीब सात लाख रुपये की बकाया धनराशि भी मौके पर जमा कराई। शिविर में अवर अभियंता गजेंद्र पाल सिंह, उमाशंकर, रामस्वरूप, मनोज कुमार, राजेश कुमार, सूरज पटेल, मनोज कुमार, बिलाल अली आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

बाइक हुई चोरी, पुलिस ने दर्ज नहीं की रिपोर्ट

बदायूं, अमृत विचार : थाना मुजरिया क्षेत्र में कोल्हाई बाजार से दो सप्ताह पहले मुजरिया निवासी नितिन पुत्र मदन लाल सब्जी लेने अहमदनगर असौली निवासी बिट्टन की बाइक लेकर गए थे। वह सब्जी लेने गए। इसी दौरान बाजार में उनकी बाइक चोरी हो गई थी। उन्होंने पुलिस को तहरीर दी लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की और न ही बाइक का पता लगाया है। वह लगातार थाने के चक्कर लगा रहे हैं।

नौकरी नहीं मिली तो युवती ट्रेन से कटकर दी जान

नवाबगंज/ बरेली, अमृत विचार : कई साल तक पढ़ाई करके बीएससी, डीएलएड की पढ़ाई करने के अलावा अन्य परीक्षा देने वाली छात्रा को नौकरी नहीं मिली। जिससे वह टूट गई। छात्रा सोमवार सुबह घर से बरेली में किसी परीक्षा देने की बात कहकर घर से निकली और बिजौरिया स्टेशन के पास पीलीभीत की तरफ से आ रही ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। छात्रा के पास से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। इसमें उसने लिखा है कि आज तक जिंदगी में कुछ भी अच्छा नहीं हुआ, वह अपनी जिंदगी से तंग आकर जान दे रही है। छात्रा की मौत के बाद उसके परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

पोल शिफ्टिंग हुई नहीं, रोड किया चौड़ा

दो साल बाद भी बदायूं-उसावां मार्ग से नहीं हट सके बिजली के खंभे, हटने हैं 700 पोल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

बदायूं उसावां मार्ग, जिसे किया गया था चौड़ा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिला मुख्यालय से उसावां के लिए जाने वाली 35 किलोमीटर लंबी सड़क को करीब सौ करोड़ की लागत से किया गया था। चौड़ीकरण के साथ ही रोड के बीच में आ रहे बिजली के पोल भी हटने थे। निर्माण का काम तो पूरा हो गया। लेकिन अब तक विद्युत पोल शिफ्ट करने का काम अधूरा पड़ा है। बताया जा रहा है पोल शिफ्ट किए जाने के लिए संबंधित फर्म को भुगतान पहले ही किया जा रहा है। इसके बाद भी पोल हटाने में लापरवाही बरती जा रही है। जिसकी वजह से वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मुरादाबाद-फर्रुखाबाद हाईवे के तहत आने वाली बदायूं से उसावा तक 35 किलोमीटर सड़क को चौड़ा किया गया था। यह सड़क दोनों ओर से डेढ़- डेढ़ मीटर चौड़ी हुई है। सड़क चौड़ी करने के दौरान विद्युत पोल को भी हटाया जाना है। करीब सात सौ विद्युत पोल को शिफ्ट किया जाना है। विद्युत पोल शिफ्ट करने के लिए करीब आठ करोड़ की धनराशि खर्च होनी है। पोल शिफ्टिंग का कार्य विद्युत विभाग से न कराकर लोक निर्माण विभाग द्वारा स्वयं ही कराया जा रहा है।

विद्युत विभाग को इसकी मॉनिटरिंग करनी है। इस कार्य के लिए बरेली की फर्म शोक्ती इंफ्राटेक को लोक निर्माण विभाग द्वारा नामित किया गया है। रोड निर्माण का कार्य साल 2024 दिसंबर माह तक पूरा कर लिया गया। लेकिन निर्माण के दौरान बीच में आ रहे पोल अभी तक नहीं हट सके हैं। बताया जा रहा है कि पोल हटाने के लिए कार्यदायी संस्था को आधे से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। इसके बाद भी पोल हटाने का काम बेहद धीमी गति से चल रहा है। हालांकि विभागीय अधिकारी दावा कर रहे हैं कि पोल शिफ्टिंग के कार्य में ठेकेदार द्वारा बरती जा रही लापरवाही की वजह से भुगतान को रोक दिया गया है।

काम बेहद धीमी गति से चल रहा है। वहीं दूसरी ओर लोग इस कार्य में धनराशि का दुरुपयोग किए जाने का भी आरोप लगा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस कार्य में खर्च होने वाली धनराशि का दुरुपयोग किया गया है। जिसकी वजह से अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच असंतोष फैला हुआ है। जिसकी चर्चा पूरे विभाग में है। बताया जा रहा है कि धनराशि का दुरुपयोग किए जाने के चलते काम अधूरा पड़ा है। काम अधूरा पड़ा होने से रोड पर चलने वाले वाहन चालकों को बीच में आ रहे विद्युत पोल की वजह से परेशानी हो रही है।

● 2024 में शुरू हुआ था बदायूं -उसावां मार्ग का चौड़ीकरण, अब तक अधूरा

बदायूं उसावां मार्ग पर विद्युत पोल हटाने का अभी चल रहा है। ठेकेदार द्वारा इस कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। इसी वजह से उसका भुगतान रोक दिया गया है। काम जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

–नरेश कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग

प्री बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र नहीं ले गए 45 स्कूल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : यूपी बोर्ड परीक्षा से पहले प्री बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्र वितरण के लिए दो दिन का और मौका दिया गया है। राजकीय इंटर कॉलेज से तहसील के स्कूलों के लिए प्रश्नपत्रों के बंडलों का वितरण 31 दिसंबर से किया जा रहा है। तीन दिन की छुट्टी के कारण अभी करीब 45 स्कूल ऐसे हैं, जो प्री बोर्ड परीक्षा के पेपर नहीं ले गए हैं। उनके लिए दो दिन का समय बढ़ाया गया है। माध्यमिक शिक्षा परिषद से संचालित होने वाली परीक्षा 18 फरवरी से होगी। बोर्ड परीक्षा से पहले ही आठ जनवरी से प्री बोर्ड परीक्षा को कराया जाएगा। प्री बोर्ड को रिजर्व प्रश्नपत्रों के जरिये कराया जाएगा। प्रश्नपत्रों के बंडलों के वितरण के लिए डीआईओएस ने तहसीलवार दिन तय किया था। जीआईसी के प्रधानाचार्य अनिल सिंह ने बताया कि प्री-बोर्ड के जरिये छात्र-छात्राओं को बोर्ड परीक्षा का अनुभव मिलेगा। इससे वह और बेहतर तैयारी कर परीक्षा को दे सकेंगे। शासन से शीतलहर के कारण तीन दिन का अवकाश घोषित था। इसलिए अभी बहुत से कालेज प्री बोर्डपरीक्षा के प्रश्नपत्र नहीं ले गए हैं। उनके लिए 6 व 7 जनवरी को जीआईसी से प्रश्नपत्रों का वितरण किया जाएगा।

इज्मा का 69 किग्रा. भार वर्ग अंडर-19 में चयन

संवाददाता, सहसवान

● आज से महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में होगी राष्ट्रीय प्रतियोगिता

अमृत विचार : स्कूल फेडरेशन गेम ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित 69 वीं राष्ट्रीय विद्यालय भारोत्तोलन अंडर-19 बालक बालिका प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन 6 से 9 जनवरी तक छत्रपति संभाजी नगर (महाराष्ट्र) में किया जाएगा। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रमोद इंटर कॉलेज की कक्षा 12 की छात्रा इज्मा फातिमा का चयन 69 किलोग्राम भार वर्ग अंडर-19 (बालिका) श्रेणी में हुआ है। छात्रा के चयन से क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

छात्रा इज्मा फातिमा।

विद्यालय के प्रबंधक आमोद रेंडर, पूर्व प्रबंधक सुरेश चंद्र सक्सेना एवं प्रधानाचार्य राम सहाय बिंद ने इज्मा फातिमा को राष्ट्रीय टीम में चयन पर बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने छात्रा को प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर पदक जीतने के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया।

छात्रा के कोच एवं शारीरिक शिक्षक अनूप कुमार सिंह ने इज्मा फातिमा की मेहनत और लगन पर कहा इज्मा फातिमा शुरू से ही अनुशासित, मेहनती और लक्ष्य के प्रति समर्पित खिलाड़ी रही है। उसने रोजाना कड़े अभ्यास सत्रों में भाग लिया, तकनीक पर विशेष ध्यान दिया और शारीरिक व मानसिक रूप से खुद को प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि इज्मा फातिमा राष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन करेगी और जनपद व उत्तर प्रदेश का नाम रोशन करेगी। क्षेत्रवासियों एवं खेल प्रेमियों ने भी छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उसकी सफलता की दुआ की है।

हादसे में छात्र की मौत, साथी घायल

पुवायां, अमृत विचार : शाहजहांपुर-पलिया हाईवे मार्ग पर बितौनी गांव के सामने ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी पर सवार एक छात्र की मौत हो गई और उसका साथी घायल हो गया।। थाना क्षेत्र के ग्राम गदनिया निवासी सपा युवजन सभा के जिला सचिव ओम पाल यादव का बेटा हर्ष यादव नगर स्थित द सेक्रेट हार्ड एकेडमी में इंटर का छात्र था। वहीं गांव के ही महेश कुमार का पुत्र अवनीश राना, राना पब्लिक स्कूल में इंटरमीडिएट का छात्र है। सोमवार सुबह दोनों छात्र एक ही स्कूटी से नगर में कोचिंग पढ़ने जा रहे थे। शाहजहांपुर–पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर बितौनी गांव स्थित ईंट भट्ठा के पास अज्ञात वाहन ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन घायलों को तत्काल जिले के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान हर्ष यादव ने दम तोड़ दिया, जबकि अवनीश राना का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है।

उर्स मेला में बवाल करने का इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

संवाददाता, कुंवरगांव

● गांव खासपुर में उर्स के मेला में किया था बवाल, घटना के बाद से चल रहा था फरार

अमृत विचार : गांव खासपुर में आयोजित उर्स के मेला में बवाल और प्रधान के भाई पर जानलेवा हमला करने के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद से वह दोनों फरार चल रहे थे। एक आरोपी पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था। पुलिस ने आरोपियों को जेल भेजा गया है।

थाना कुंवरगांव क्षेत्र के गांव खासपुर में पांच दिसंबर को उर्स के मेला में आयोजित हुई कब्बाली के दौरान प्रधान सगीर और नन्हें पुत्र जियाउद्दीन पक्ष के बीच बवाल हो गया था। खुर्शीद ने प्रधान के भाई शाहिद आलम पर गोली चलाई थी। दोनों पक्ष में जमकर मारपीट हुई थी। प्रधान ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने खुर्शीद को जेल भेजा था। घटना के बाद से आरोपी नन्हें फरार चल रहा था। उसपर कुंवरगांव थाने में आधा दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसपर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। सोमवार सुबह 11 बजे पुलिस ने उसे बदायूं-आंवला स्थित खासपुर तिराहे से पकड़कर जेल भेजा। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विनोद कुमार शर्मा, हेड कांस्टेबल नरेंद्र, श्याम कुमार रहे। वहीं कुंवरगांव पुलिस ने शहर के मोहल्ला खंडसारी निवासी गैंगस्टर एक्ट के आरोपी इमरान पुत्र अंसार को बदायूं-आंवला मार्ग पर सिलहरी मोड़ से गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ कुंवरगांव थाने में गोवध अधिनियम, आर्म्स एक्ट आदि के पांच मामले दर्ज हैं। पुलिस ने 23 दिसंबर को उसपर गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की थी। गिरफ्तारी करने वालों में उपनिरीक्षक सुभाष आर्य , कांस्टेबल सुशील व धर्मवीर रहे।

समझौते का बनाया दबाव, छवि धूमिल करने की कोशिश

बदायूं, अमृत विचार : शहर निवासी एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका निकाह अलापुर क्षेत्र के कस्बा ककराला निवासी युवक के साथ हुआ था। उसके पति की मौत हो गई थी। जिसके बाद वह अपने मायके में रह रही थी। जिसके बाद जेठानी के भाई ने परेशान करना शुरू कर दिया था। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट करने लगा।

जिसको लेकर महिला ने उस पर सदर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप है कि उस मुकदमा में फैसला का दबाव बनाते हुए आरोपी ने तरह-तरह से उत्पीड़न शुरू कर दिया। उसने महिला की फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाई। जिस पर अश्लील फोटो पोस्ट करके महिला की छवि धूमिल करने का प्रयास किया। महिला ने पुलिस को साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं।

प्रदर्शन कर बांग्लादेश से 111 गांव वापस लेने की मांग

कलेक्ट्रेट प्रदर्शन करते लोग। ● अमृत विचार

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश पटेल।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● सिटी मजिस्ट्रेट सुरेश पाल को सौंपा प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन

अमृत विचार : बांग्लादेश में हिंदुओं हत्या और अत्याचार के विरोध में अखिल भारत हिंदू महासभा ने मालवीय अध्यापक आवास गृह पर प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट जाकर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट सुरेश पाल को सौंपा।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश पटेल ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू दलित बड़ी संख्या में रहते हैं। जिनके साथ धार्मिक आधार पर अत्याचार और कत्लेआम हो रहा है।

भारत ने साल 1971 में पूर्वी पाकिस्तान को आजाद कराने के लिए कुर्बानी दी थी। जिसमें भारत के 3900 सैनिक मारे गए थे। देश को बहुत क्षति हुई थी। भारत, बांग्लादेश को हर प्रकार की सहायता देता चला आया है। कहा कि भारत ने दो साल पहले बांग्लादेश के साथ सीमा विवाद को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर 10 हजार 51 एकड़ जमीन छोड़ी थी। लगभग 111 गांव भी बांग्लादेश को दे दिए थे। इसके बाद भी बांग्लादेश भारत से दुश्मनी का भाव रखता है। जिसके चलते अब भारत को बांग्लादेश को लाभ पहुंचाने वाली सभी संधियों को रद्द कर देना चाहिए। ठीक उसी प्रकार जैसे सिंध नदी बंटवारे से संबंधित जल संधि निलंबित की गई है।

भारत सरकार को बांग्लादेश को बिजली, चावल, आलू, प्याज आदि हर प्रकार का निर्यात देशहित में बंद कर देना चाहिए। बांग्लादेश में दलित हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और कत्लेआम के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रखना चाहिए। कॉरिडोर के लिए पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश को दी गई जमीन भी देश हित में वापस लेना चाहिए। भारत सरकार को इस संबंध में बांग्लादेश में हस्तक्षेप करना चाहिए। इस मौके पर नीलम पटेल, आकाश शर्मा, सूर्य प्रताप, संजीव कुमार, सतेंद्र पाल सिंह, बलवीर सिंह, भूपेंद्र, पूरन लाल शर्मा, ओमपाल संह, राजीव राठौर, ओम शंखधार, मनोज कुमार पाठक, जितेंद्र साहू, डॉ. सुशील गुप्ता, पूनम सिंह, रामपाल, विजय रतन सिंह, विजय प्रकाश, अरुण कुमार, वीरेंद्र कुमार, अमित कुमार, धर्मेंद्र सक्सेना, ज्ञानेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

छुट्टा गोवंश को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● तीन गांव के लोगों ने सड़क पर एकत्र किए गोवंश

● गेहूं की फसल को किया बर्बाद, ग्रामीणों ने खदेड़ा

अमृत विचार : ब्लॉक जगत क्षेत्र में छुट्टा गौवंश किसानों को मुसीबत बने हुए हैं। छुट्टा गोवंश गेहूं की फसल को नष्ट कर रहे हैं। जिससे परेशान होकर तीन गांवों के किसानों ने दर्जनों गोवंशों को खेतों से निकाल कर सड़क पर एकत्र कर दिए जिससे काफी देर तक रोड जाम रहा। किसानों ने मांग की है कि गौशालाओं गौवंश को संरक्षित किया जाए।

विकास खंड जगत के गांवों में करीब डेढ़ हजार से अधिक छुट्टा गौवंश हैं जो रात दिन किसानों की फसलों को बर्बाद करते हैं। किसान खेतों की रात को रखवाली करते हैं फिर भी गेहूं की फसल छुट्टा गौवंश के खुरों से हर रोज रौंदी जाती है।

सोमवार को सुबह छह बजे ब्लॉक जगत के गांव सिमरिया, रूपापुर और रसूलपुर के खेतों में करीब दो सौ से अधिक छुट्टा गोवंश घुस गए। खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को चट कर दिया। उसे रौंद दिया। सुबह को खेतों पर पहुंचे किसानों ने गेहूं की फसल देखी तो परेशान हो गये। तीनों गांव के किसानों ने एकजुट होकर गौवंश को खेतों से निकाल कर उसहैत रोड पर खड़ा कर दिया। बीच सड़क पर गौवंश खड़े होने से काफी देर तक रोड जाम रहा। उसके बाद लोगों ने गौवंश को इधर उधर भगा दिया। फिर भी दर्जनों गौवंश सड़क किनारे खड़े रहे। सिमरिया निवासी भगवान सिंह ने बताया कि रविवार की रात को शीत लगह के चलते कुछ किसान खेतों पर नहीं पहुंचे जिससे छुट्टा गौवंश को मौका मिल गया। गोवंश ने रात भर गेहूं की फसल को खाया। पैरों से रौंदा जिससे कई लोगों के खेत के गेहूं चौपट हो गये। किसानो ने बताया कि रसूलपुर के ग्रामीणों ने रात को गौवंश को दौड़ाया जो इस क्षेत्र में आ गए। आज सुबह को भी किसान गौवंश को दौड़ाते हुए आ गए। रूपापुर के लोग भी आज सुबह से गौवंश को अपने खेतों से निकाल रहे हैं। कुछ खेतों में कुछ भी नहीं बचा हे।

किसानों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि छुट्टा गोवंश को गौ शालाओं में संरक्षित किया जाए। अभियान चला कर गोवंश को वाहनों में भरा जाए। गांव के लोग खुद ही वाहनों में भरने में मदद करेंगे। लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के चलते कभी अभियान नहीं चलाया जाता है। जिससे छुट्टा गौवंशों की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है।

सांडों से बना रहता है खतरा

किसानों ने कहा कि रात को खेतों की रखवाली करते समय सांड से खतरा बना रहता है। सांड को खेत से भगाने में बड़ा खतरा है। सांड पलट कर हमला कर देते हैं। इसलिए सांड को कई लोग मिल कर भगाते हैं। गांव में कई बार सांड घुसा जिसको भगाते समय उसने लोगों पर हमला कर दिया। सांडों से गांव के पालतू पशुओं को भी खतरा है। इसलिए लोग रात को पशुओं को मकान के अंदर ही बांधते हैं। पिछले चार माह में तीन लोग सांड के हमले में घायल हो चुके हैं।

पिछले दिनों गोवंश को पकड़ने को अभियान चलाया गया था। ब्लॉक जगत क्षेत्र से 147 गोवंश को पकड़ा गया था, लेकिन गांव के लोग गोवंश को छोड़ देते हैं जिससे छुट्टा गोवंशों की संख्या बढ़ती रहती है। अब फिर अभियान चलाया जाएगा। गोवंशों को संरक्षित किया जाएगा।

–सरोज समदर्शी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी।

कादरचौक थाने के सामने घंटों लगता है जाम, लोग परेशान

संवाददाता, कादरचौक

थाने के सामने लगा जाम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कस्बे में सोमवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार में जाम लगने से लोगों को भारी परेशानी होती है। ऑटो ई रिक्शा सड़क पर खड़े होकर सवारियां भरते हैं। थाना गेट के सामने जाम लगने के बाद भी पुलिस मौन साधे बैठी रहती है जबकि आम आदमी परेशान रहता है।

थाना गेट के सामने सोमवार को बाजार लगता है। इस बाजार में आस पास के दर्जनों गांवों के लोग खरीद फरोख्त करने आते हैं। लेकिन अव्यवस्था के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय पुलिस की चुप्पी के चलते ऑटो और ई रिक्शा चालक सड़क पर ही खड़े रहते हैं यहीं से सवारियां भर कर जाते हैं जिससे बाजार आने वालों को जाम से जूझना पड़ता है। थाने के ठीक सामने पुलिस का पहरा रहता है लेकिन पुलिसकर्मी जाम को नहीं देखते हैं। रोड पर जाम में वाहन फंसे रहते हैं। दो पहिया चार पहिया वाहनों को भारी परेशानी होती है। सोमवार को जाम लगने से दुकानदारों को भी दिक्कत होती है। दुकानों के सामने रोड पर भी दुकान लगा ली जाती हैं जिससे लोगों को परेशानी होती है। थाना पुलिस इस ओर से अनजान बनी रहती है जिससे गांव देहात के लोगों को घंटों जाम का शिकार होना पड़ता है।

परचम कुशाई से उर्स-ए-तहसीनी का आगाज

बरेली, अमृत विचार : पुराना शहर के पैराडाइज शादी हॉल के पास से नईम तहसीनी "तहसीनी परचम" लेकर दरगाह तहसीनी पर पहुंचे। उसके बाद सज्जादानशीन मौलाना हस्सान रजा खां नूरी ने तहसीनी परचम दरगाह पर लहराया। सूफी रिजवान रजा खां, दरगाह प्रबंधक इ. सुहैब रजा खां, नायब सज्जादानशीन मौलाना सफवान रजा खां, मौलाना अमान रजा खां, हाजी यूसुफ नूरी, इश्तियाक तहसीनी, शाहरुख तहसीनी, यामीन तहसीनी, शाहिद तहसीनी मौजूद रहे। रात में इशा की नमाज के बाद तस्लीम तहसीनी संदल लेकर खानकाह पहुंचे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र आजाद हुसैन पुत्र सज्जाद व उसकी पत्नी अरमाना उर्फ गुड़िया को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **सज्जाद पुत्र श्री करीमुल्ला निवासी शीशगढ़ देहात कस्बा शीशगढ़ थाना शीशगढ़ तह. मीरगंज जिला बरेली।**

सूचना

मैंने अपना नाम अज़हर कमल (Azhar Kamal) से परिवर्तित करके अज़हर कमल अंसारी (Azhar Kamal Ansari) कर दिया है। भविष्य में मुझे अज़हर कमल अंसारी (Azhar Kamal Ansari) के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। **अज़हर कमल अंसारी (Azhar Kamal Ansari) पुत्र श्री सगीर अहमद निवासी 98सी-द्वितीय तल, फाईक एन्क्लेव फेस-1, पीलीभीत बाईपास रोड, तहसील व जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सड़क दुर्घटना में घायल सैनिक का हुआ निधन

मीरगंज, अमृत विचार: थाना शाही के गांव तुरसा पट्टी निवासी सैनिक बागीश कुमार का सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद लखनऊ के एक अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। सैन्य अधिकारियों ने उन्हें शहीद का दर्जा दिया है।

बागीश कुमार गोरखा राइफल्स में तैनात थे और वर्तमान में उनकी ड्यूटी शाहजहांपुर बटालियन में थी। वह सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। शनिवार को लखनऊ के अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। सोमवार दोपहर को जैसे ही उनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा, परिवार में कोहराम मच गया और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने उमड़ पड़े। 50 से अधिक सैन्य अधिकारी और सैनिक गांव पहुंचे। तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर सम्मान के साथ बटालियन की श्मशान भूमि ले जाया गया। वाद्ययंत्रों की मातमी धुन के साथ उन्हें सलामी दी गई, जिसके बाद अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। बागीश कुमार अपने छह बहनों में सबसे छोटे थे। उनके पिता का नाम बद्री प्रसाद है। पत्नी काजल और दो बच्चे, पुत्र आदर्श तथा पुत्री समृद्धि हैं, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि बागीश कुमार ड्यूटी के दौरान घायल हुए उनकी मृत्यु नहीं बल्कि वे शहीद हुए हैं। उनका अंतिम संस्कार पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया गया।

एसएसपी एवं अन्य अधिकारी व पुलिसकर्मियों ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता, उझानी

दारोगा कुंवरपाल सिंह।

शहीद स्थल पर दारोगा को श्रद्धांजलि देते एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह।

● शव का पोस्टमार्टम कराने आए दारोगा की हार्ट अटैक से मौत

● अचानक हुई बेचैनी, सिपाही और चिकित्सकों ने दिया था सीपीआर

अमृत विचार : एक नाबालिग लड़की के शव का पोस्टमार्टम कराने आए एक दारोगा को अचानक हार्ट अटैक पड़ गया। साथी पुलिसकर्मियों को चिकित्सक के 20 मिनट तक सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) देने के बाद भी दारोगा की जान नहीं बच सकी। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। जिसके बाद पुलिस परेड ग्राउंड स्थित शहीद स्थल पर दारोगा को श्रद्धांजलि दी गई।

जिला बुलंदशहर के थाना नरौरा क्षेत्र के गांव चिरौली निवासी कुंवरपाल सिंह (55) पुत्र राय सिंह दारोगा थे। लगभग एक साल से उनकी कोतवाली उझानी में उनकी तैनाती थी। उनके परिवार में पत्नी विमलेश, बेटा शेखर व शोभित, बेटी स्वाती कुछ दिनों से चंदौसी में रहते हैं। रविवार को उझानी निवासी एक नाबालिग लड़की ने आत्महत्या कर ली थी। सोमवार को दारोगा एक महिला कांस्टेबल के साथ लड़की के शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए मोर्चरी आए थे। जहां दोपहर लगभग सवा 12 बजे उनकी तबीयत खराब हो गई। अचानक बेचैनी होने लगी। वह सीना पकड़कर बेंच पर बैठे और फिर लेट गए। साथी पुलिसकर्मियों ने सीपीआर देकर जान बचाने का प्रयास किया। हालत बिगड़ी देखकर दारोगा को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने भी सीपीआर दी लेकिन कुछ ही देर के बाद चिकित्सक ने दारोगा की हार्ट अटैक से मौत घोषित कर दी। पुलिस परेड ग्राउंड में एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह, एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी, एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया, सीओ सिटी रजनीश कुमार, सीओ उझानी डॉ. देवेंद्र कुमार, सिविल लाइन प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र सिंह, सदर कोतवाल संजय सिंह, प्रतिसार निरीक्षक इंद्रजीत सिंह ने दारोगा को श्रद्धांजलि अर्पित की। मौन धारण करके सलामी देकर शोक संवेदना व्यक्त की। शोकाकुल परिजनों के संबल के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई।

चोरों ने की बैंक का स्ट्रांग रूम तोड़ने की कोशिश

सिरौली/ बरेली, अमृत विचार: सिरौली थाने से 500 मीटर की दूरी पर चोरों ने रविवार रात पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की शाखा में चोरी करने की कोशिश की। चोर मार्केट की तरफ से खिड़की काटकर बैंक के अंदर प्रवेश कर गए और लॉकर रूम में पहुंचने के लिए स्टोर रूम की दीवार को काटना की कोशिश की। छेनी कटर फंसने से चोर लॉकर तक नहीं पहुंच सके और नकदी बच गई। नाकाम होने पर चोर भाग गए। इस वारदात से लोग पुलिस की गश्त पर सवाल उठा रहे हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके सीसीटीवी कैमरे की मदद से चोरों की तलाश शुरू की है।

पशु चिकित्सक सीखेंगे नई तकनीक

बरेली, अमृत विचार : भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) में सोमवार को मेघालय और सिक्किम के पशु चिकित्सा अधिकारियों के लिए उन्नत निदान तकनीक, पशु शल्य चिकित्सा और डायग्नोस्टिक इमेजिंग पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण से संबंधित एक संदर्भ संकलन (कंपेंडियम) का भी विमोचन किया गया।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि एवं संयुक्त निदेशक डॉ. रूपसी तिवारी ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण पशु चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने और अधिकारियों की तकनीकी दक्षता में सुधार करने में सहायक होते हैं। कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों के साथ ओडिशा एवं कई अन्य राज्य सरकारें अपने पशु चिकित्सा अधिकारियों के लिए ऐसे प्रशिक्षण प्रायोजित कर रही हैं।शल्य चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. किरनजीत सिंह ने बताया कि प्रतिभागियों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना संख्या–याँ/301/इज्जत/25–26/ओटी–32

मुख्य कारखाना प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा पत्र में अंकित योग्यता मापदण्डों के अनुसार ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। **क्र.सं. 1; कार्य का संक्षिप्त विवरणः** यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर के व्हील शॉप में एक्सल बॉक्स हाउसिंग, बियरिंग और इसके घटकों/सहायक उपकरणों की डिस्मेंटलिंग/डिसअसेंबलिंग और सफाई का कार्य और LHB/ICF कोच के व्हील डिस्क और एक्सल और LHB व्हील सेट के ब्रेक डिस्क की सफाई का कार्य 02 वर्ष की अवधि के लिए (स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार); **अनुमानित मूल्य (₹ में):** ₹49,53,958/- (रु० एक उन्नचास लाख तिरेपन हजार नौ सौ अट्ठावन मात्र); **जमानत राशि (₹ में):** ₹99,100/- (रु० निन्यानवे हजार एक सौ मात्र); **निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹ में)** शून्य; **कार्य अवधिः** 02 वर्ष; **निविदा खुलने की तिथि व समयः** दिनांक 27.01.2026 को 15:30 बजे। **नोटः 1.** उपरोक्त ई–निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 03.01.2026 को समय 17:00 बजे से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेंडर खुलने की तिथि 27.01.2026 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है। **2.** उपरोक्त निविदा में ई–बिड के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिए कि वो अपने आपको IT Act 2000 के अंतर्गत CA द्वारा जारी क्लास–III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS वेबसाइट पर पंजीकृत कराएं। **3.** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित ऑनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लैटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **4.** ई–निविदा हेतु धरोहर राशि ई–भुगतान नेट बैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी।

उप मुयाँइ/प्लांट

मुजाधि/यांत्रिक–119 **इज्जतनगर**

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

न्यायालय श्रीमान परगनाधिकारी महोदय पीलीभीत

वाद सं. 2351/2025

ईश्वर दयाल आदि बनाम नन्हे लाल आदि

धारा–229 बी.जे.ए. एण्ड एल.आर. एक्ट ग्राम–चंदोई परगना तहसील व जिला पीलीभीत 1. नन्हे लाल पुत्र छोटेलाल 2. आशु पुत्र हरीश बाबू निवासीगण मो. सराय खान परगना तहसील व जिला पीलीभीत। 3. विश्व मित्र टन्डन पुत्र नानक चन्द्र टन्डन निवासी मो. दुर्गा प्रसाद परगना तहसील शहर व जिला पीलीभीत। 4. अदनाम मोहम्मद खान 6. कु. साजली खान पुत्री जाहिद मोहम्मद खां 7. कु. अनअमला खान पुत्री जाहिद मो. खान समस्त निवासीगण मो. शेर मोहम्मद परगना तहसील व शहर व जिला पीलीभीत 8. लेशाइस्ता बेगम पत्नी साकिर हसन खां निवासी ग्राम चंदोई परगना तहसील व जिला पीलीभीत 9. नाजमा बेगम पत्नी मो. यामीन निवासी मो. छोटा खुदागंज परगना तहसील शहर व जिला पीलीभीत। 10. राजू कश्यपपुत्र स्व. बाबूराम 11. राजेश कुमार पुत्र स्व. बाबूराम, लक्ष्मण प्रसाद पुत्र स्व. बाबूराम 12. श्रीमती मालती देवी पत्नी स्व. बाबूराम समस्त निवासीगण चपरासी कालोनी कोषागार के पीछे कलैक्ट्रेट पीलीभीत 13. मैराजुल हक पुत्र कमरूल इस्लाम निवासी वार्ड नं. 14 मकान नं. 229 मो. पश्चिमी दीक्षिताना खुटार रोड गोला गोकरन नाथ जनपद खीरी। 15. मो. नईम पुत्र जिलानी निवासी मो. मोहम्मद वाशिल परगना तहसील शहर व जिला पीलीभीत 16. गांव सभा द्वारा ग्राम प्रधान ग्राम चंदोई परगना, तहसील व जिला पीलीभीत 17. उ.प्र. राज्य/सरकार द्वारा जिला कलेक्टर महोदय पीलीभीत वाजैही आपके खिलाफ एक नालिश दफा 229 बी. जेड.ए. एण्ड एल.आर.एक्ट दायर की है अतः आप दिनांक 08.01.2026 ववक्त बजे दिन असालतन या विकालतन या अन्य कोई शख्स जो वाकिफ हाल मुकदमा हो उक्त दिनांक पर अपनी जवाबदेही पेश करें या आपको लाजिम है। उसी रोज अपनला गवाहों को व नीज दस्तावेज जिनकी शहादत पर आप व ताईद अपनी जवाबदेही इस्तदकाल करना चाहते हो पेश करो अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो उसकी समात आपकी गैर हाजिर में आपके मसमूह फैसला होगा। दिनांक 24 माह 12 सन् 2025 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

कमाल! लक्ष्य से ज्यादा खरीदा धान

इस सत्र में पूरे मंडल में धान खरीद के मामले में बरेली टॉप पर बना रहा

महिपाल गंगवार, बरेली

- एक महीने पहले पूरा हो गया लक्ष्य, 125 फीसदी हुई खरीद
- खरीद में बदायूं दूसरे शाहजहांपुर तीसरे और पीलीभीत चौथे नंबर पर

अमृत विचार : मंडल में इस बार धान खरीद में बरेली ने कमाल कर दिया। लक्ष्य से ज्यादा धान खरीद लिया।एक अक्टूबर से शुरू हुई धान खरीद 31 जनवरी तक चलनी थी, लेकिन एक महीने पहले ही लक्ष्य हो पूरा हो गया। इसे अफसरों की मेहनत कहें या किसानों की दरियादिली, धान खरीद केंद्रों पर इस बार सन्नाटा नहीं रहा। केंद्रों पर किसानों की आमद बनी रही।

आंकड़ों के अनुसार बरेली 125 फीसदी खरीद के साथ पहले, 98.70 प्रतिशत खरीद के साथ बदायूं दूसरे, 91.70 फीसदी खरीद के साथ शाहजहांपुर तीसरे और 80.44 प्रतिशत धान खरीद के साथ पीलीभीत चौथे स्थान पर रहा। शासन ने इस बार बरेली को 1.32 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य दिया था। जिसके मुकाबले 1.59 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई, जो लगभग 125 प्रतिशत है। धान खरीद के लिए छह एजेंसियों के कुल 140 केंद्र खोले गए थे। अफसर बताते हैं कि इसमें सबसे बड़ा कारण इस बार सरकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य बाजार दर की तुलना में अधिक रहा, जिससे किसानों ने खुले बाजार के बजाय सरकारी केंद्रों पर धान बेचना अधिक सुरक्षित और लाभकारी समझा। जिले में धान की पैदावार भी अच्छी रही। पिछले साल 31 दिसंबर तक 1.16 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी। 1.30 लाख मीट्रिक टन लक्ष्य था, हालांकि जो पूरा हो गया था।

मंडी में लगी धान की बोरियां। • अमृत विचार

मंडल में 87336 किसानों ने बेचा धान

मंडल में 87336 किसान ने सरकारी केंद्र पर धान बेचा है। इनमें बरेली के 26943, बदायूं के 3748, पीलीभीत के 24330 और शाहजहांपुर के 32315 किसान शामिल हैं। इन किसानों को खरीद के सापेक्ष 91.76 फीसदी का भुगतान किया जा चुका है।

> इस बार रिकॉर्ड खरीद न केवल प्रशासनिक कार्यप्रणाली की सफलता को दर्शाती है, बल्कि किसानों के भरोसे को भी मजबूत करती है।
>
> –**कमलेश पांडेय**, डिप्टी आरएमओ

अपार्टमेंट की लागत की नहीं जमा की 1 प्रतिशत धनराशि

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- तहसील सदर टीम ने जुर्माना वसूलने को संपत्ति कुर्क करने की तैयारी की

अमृत विचारः अपार्टमेंट निर्माण की लागत का 1 प्रतिशत उपकर जमा नहीं करने पर भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम के अंतर्गत उप श्रमायुक्त डॉ. दिव्य प्रताप सिंह ने राकेश रोहतगी पर कार्रवाई की है। दो प्रतिशत ब्याज सहित 14.85 लाख रुपये की धनराशि वसूल कराने के लिए वसूली प्रमाण पत्र जारी होने के बाद तहसील सदर की संग्रह टीम ने धनराशि वसूल कराने के लिए राकेश की संपत्ति कुर्क करने की तैयारी शुरू कर दी है।

उप श्रमायुक्त बरेली क्षेत्र एवं उपकर निर्धारण अधिकारी ने एडीएम फाइनेंस को भेजे वसूली प्रमाणपत्र में कहा है कि भवन स्वामी राकेश रोहतगी पुत्र बसंत कुमार द्वारा सिविल लाइंस में कराए गए अपार्टमेंट भवन निर्माण कार्यों की निर्माण लागत के सापेक्ष 1 प्रतिशत उपकर जमा करने के लिए नोटिस भेजा गया, लेकिन भवन स्वामी ने धनराशि जमा नहीं कराई। इस पर उपकर अधिनियम के अन्तर्गत उपकर निर्धारण आदेश पारित किया। भवन स्वामी को 1 प्रतिशत उपकर धनराशि के रूप में 14.85 रुपये और इस धनराशि पर कार्य समाप्ति की तिथि से जमा करने की तिथि तक 2 प्रतिशत प्रतिमाह की दर से ब्याज सहित धनराशि को उप्र भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के पक्ष में जमा कराने के आदेश जारी किए, लेकिन राकेश रोहतगी ने उपकर धनराशि जमा नहीं करायी। एडीएम फाइनेंस को उपकर की धनराशि भू-राजस्व की भांति वसूली कराते हुए धनराशि को बैंक के माध्यम "उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड" के पक्ष में चेक से कार्यालय में भिजवाने के निर्देश दिए हैं।

मायावती के जन्मदिन पर होंगे कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पूर्व सांसद मुनकाद अली ने संभाली कमान कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

अमृत विचारः बसपा की बरेली मंडल की समीक्षा बैठक सोमवार को तुलसीनगर कार्यालय में हुई। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद मुनकाद अली ने कहा कि बसपा ही भाजपा को सत्ता से दूर कर सकती है। उन्होंने पार्टी के नारे 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' को दोहराते हुए कहा कि पार्टी का लक्ष्य हमेशा समाज के सभी वर्गों के हितों के लिए काम करना है। कहा कि मायावती हमारी आदर्श नेता हैं और उनके जन्मदिन को बरेली मंडल स्तर पर विशाल एवं भव्य कार्यक्रम के रूप में मनाया जाएगा। कार्यकर्ताओं से अपील कि वे अभी से कार्यक्रम की तैयारियों में जुट जाएं। मुनकाद अली ने पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल नेहरू युवा केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मंच और बैरीकेडिंग की व्यवस्था का नक्शा तैयार कराया। उन्होंने जिलाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह को निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। बैठक में निर्णय लिया गया कि कार्यकर्ता हर स्तर पर सक्रिय रहेंगे और कार्यक्रम की तैयारी को सुनिश्चित करेंगे। मुनकाद अली ने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल जन्मदिन समारोह होगा बल्कि पार्टी की मजबूती और संगठनात्मक शक्ति दिखाने का अवसर भी बनेगा।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी पसगवां-खीरी

पत्रांकः 6195/टेन्डर/विधायक निधि/2025–26/ दिनांकः 05.01.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के अन्तर्गत मा0 श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह 144– मोहम्मदी द्वारा प्रस्तावित कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग/ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग/जिला पंचायत, लखीमपुर खीरी एवं क्षेत्र पंचायत पसगवां–खीरी में पंजीकृत ठेकेदारों श्रेणी ए.,बी,सी,डी हेतु निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है। समस्त निविदायें दिनांक– 07.01.2026 से 21.01.2026 को अपरान्ह 2:00 बजे तक डाली जायेंगी। समस्त निविदायें दिनांक 22.01.2026 को अपरान्ह 4:00 बजे अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में अथराइज्ड/पंजीकृत फर्म के प्रतिनिधियों के समक्ष विभाग द्वारा गठित समिति के द्वारा खोली जायेगी। निविदा खोलें जाने की तिथि पर यदि कोई अवकाश पड़ता है तो निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी। निविदा स्वीकृत करने, अस्वीकृत करने का अधोहस्ताक्षरी को पूर्ण अधिकार होगा ।

निविदा का विवरण

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की लागत जीएसटी सहित (रू. में)	कार्य की लागत बिना जीएसटी (रू. में)	सिक्योरिटी (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	ग्राम सभा ककराही में मेन रोड से स्कूल तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	621300.00	526541.00	10531.00	1180.00	3 माह
2.	ग्रामसभा नयागांव किशोरी में कृष्णपाल के मकान से जमुनाप्रसाद के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य।	1022300.00	866348.00	17327.00	1180.00	3 माह
3.	ग्रामसभा सोहौना के मजरा बसारा में रामनिवास के मकान से रघुनाथ के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य।	270800.00	229452.00	4589.00	1180.00	3 माह
4.	ग्रामसभा उचौलिया में रामपाल के मकान से राकेश के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य।	1055600.00	894598.00	17892.00	1180.00	3 माह

1– जमानत धनराशि एन0सी0सी0/किसान पत्र/एफ0डी0 जो खण्ड विकास अधिकारी पसगवां–खीरी के पक्ष में बन्धक हो।
2– निविदादाता आर0ई0डी0/पी0डब्ल्यूजडी0 विभाग का रजिस्टर्ड ठेकेदार होना चाहिये। जिसका प्रमाण पत्र संलग्न करें।
3– निविदादाता से भुगतान के समय शासकीय कटौतियों नियमानुसार की जायेगी।
4– निविदा के साथ 100 रू0 का स्टाम्प पेपर अनुबन्ध पत्र जमा किया जाना अनिवार्य है।
5– निविदा बिना कारण बताये अधोहस्ताक्षरी द्वारा एक या सभी निरस्त की जा सकती है।
6– समय–समय पर शासन द्वारा निर्गत आदेश/ शर्तें ठेकेदारों को माननी होंगी।
7– मानक के अनुसार कार्य कराना होगा। अधोमानक या अन्य कमी पायी जाने पर बिना नोटिस के अनुबन्ध का करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। भुगतान अवर अभियन्ता के मूल्यांकन के बाद ही किया जायेगा।
8– निविदा की स्वीकृति/अनुबन्ध धनराशि की उपलब्धता के अनुसार की जायेगी।
9– निविदा स्वीकृति, अनुबन्ध शासन से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त की जायेगी ।
10– किसी भी वाद–विवाद में जनपद न्यायालय खीरी ही मान्य होगा ।
11. निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में आकर कैशियर/भण्डार लिपिक से प्राप्त किये जा सकते हैं।

मोहित कौशिक
खण्ड विकास अधिकारी
पसगवां–खीरी

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, मोहम्मदी-खीरी

पत्रांकः / लेखा/वि.म.क्षे.वि.नि./निविदा सूचना/2025–2026 दिनांकः 02.01.2025

ई-टेण्डर/निविदा आमंत्रण

विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि योजना के अन्तंगत स्वीकृत कार्यो पर विकास खण्ड–मोहम्मदी द्वारा कराये जाने वाले निम्नलिखित निर्माण कार्यो हेतु पी0डब्लूलडी0की दरो पर पंजीकृत स्थानीय एवं प्रतिष्ठित ठेकेदारों/फर्मो से विकास खण्ड मोहम्मदी के अन्तर्गत ठेकेदारों से 40 लाख रू0 से अधिक के कार्यो पर ई–निविदा बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 02.01.2026 को प्रातः 4.00 बजे पूर्वान्ह से दिनांक 16.01.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है, तथा 10 लाख रू0 से कम के कार्यो पर निविदा प्रपत्र विकास खण्ड से कार्यालय कार्य दिवस में दिनांक 02.01.2026 प्रातः 11:00 बजे से दिनांक 16.01.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे तक प्राप्त की जायेगी जो दिनांक 16.01.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक विकास खण्ड के सील्ड टेण्डर बाक्स मे डाली जा सकती है। समस्त निविदाओं को दिनांक 16.01.2026 को अपरान्ह 02.00 बजे गठित निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा।

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की आगणन धनराशि	जमानत (5%)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (समस्त करों सहित)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	ग्राम सभा शाहपुर राजा के मजरा पलिया में रोड से बनवारी लाल दीक्षित के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य 175 मी. (इंटरलॉकिंग 175 मी. x 3.40 मी. औसत– कुल क्षेत्र 595 वर्ग मी. व नाली एक तरफ 100 मी.)	12,67,500.00	63,375.00	1120.00	03 माह
2.	ग्राम पंचायत बेला तुरसिया के मजरा बेला में मंदिर से तुरकाहटा मोड़ तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य 175 मी. (इंटरलॉकिंग 175 मी. x 3.30 मी. औसत– कुल क्षेत्र 577.50 वर्ग मी. व नाली एक तरफ 175 मी.)	15,84,000.00	79,200.00	1120.00	03 माह
3.	ग्राम पंचायत बेला तुरसिया के मजरा तुरसिया में मंदिर से श्यामा चरन के मकान से जमुनादीन के मकान तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य 117 मी.(इंटरलॉकिंग 117 मी. x 3.30 मी. औसत– कुल क्षेत्र 351 वर्ग मी. व नाली दोनों तरफ 117 मी.)	9,08,000.00	45,400.00	1120.00	03 माह
4.	ग्राम सहदेवा में रोड से करन शर्मा के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य 50 मी. (इंटरलॉकिंग 50 मी. x 3.30 मी. औसत– कुल क्षेत्र 165 वर्ग मी.)	3,25,500.00	16,275.00	1120.00	03 माह
5.	ग्राम पंचायत भूड़ा पिपरी के मजरा पिपरी में पंकज शुक्ला के मकान से रामसहारे शुक्ला के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य 120 मी. (इंटरलॉकिंग 120 मी. x 3.00 मी. औसत– कुल क्षेत्र 360 वर्ग मी. व नाली एक तरफ 120 मी.)	8,73,300.00	43,665.00	1120.00	03 माह
6.	ग्राम पंचायत मझिगवां में गुड्डू के मकान से संतराम के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य 100 मी. (इंटरलॉकिंग 100 मी. x 3.00 मी. औसत– कुल क्षेत्र 300 वर्ग मी. व नाली दोनों तरफ 100 मी.)	7,70,700.00	38,535.00	1120.00	03 माह
7.	ग्राम पंचायत महमदपुर कलां में शाहजहांपुर गोला मार्ग से बरात घर के पास इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य 277 मी. (इंटरलॉकिंग 277 मी. x 3.50 मी. औसत– कुल क्षेत्र 969.50 वर्ग मी.)	22,54,300.00	1,12,715.00	1120.00	03 माह
8.	ग्राम पंचायत फरेंदा में डामर रोड दीपक वर्मा के मकान से संजय वर्मा के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य 180 मी. (इंटरलॉकिंग 180 मी. x 3.00 मी. औसत– कुल क्षेत्र 540 वर्ग मी. व नाली दोनों तरफ 180 मी.)	13,87,400.00	69,370.00	1120.00	03 माह
9.	ग्राम पंचायत उमरपुर के मजरा महोलिया में रामकुमार डॉ. के मकान से सियाराम के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य 140 मी. (इंटरलॉकिंग 140 मी. x 3.30 मी. औसत– कुल क्षेत्र 462 वर्ग मी. व नाली दोनों तरफ 140 मी.)	10,48,800.00	52,440.00	1120.00	03 माह
10.	ग्राम पंचायत बगरेठी में पेन्टेड रोड से मुनक्के सिंह के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य 12 मी. (इंटरलॉकिंग 12 मी. x 8.00 मी. औसत– कुल क्षेत्र 96 वर्ग मी.)	1,77,600.00	8,880.00	1120.00	03 माह
11	ग्राम पंचायत खंदेउरा में सड़क से महेन्द्र पाल के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य 41 मी. (इंटरलॉकिंग 41 मी. x 3.30 मी. औसत– कुल क्षेत्र 135.30 वर्ग मी. व नाली एक तरफ 41 मी.)	3,03,800.00	15,190.00	1120.00	03 माह

नियम व शर्तः–

1. निविदाफार्म व उससे सम्बन्धित निर्देश कय किये जाने हेतु खण्ड विकास अधिकारी मोहम्मदी के कार्यालय में दिनांक 02.01.2026 से 16.01.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे तक कार्यालय दिवस में 1120.00 रू0 नकद धनराशि श्री सुशील कुमार कैशियर, भण्डार लिपिक के पास जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं।
2. निविदा प्रपत्र भरकर उसके साथ धरोहर की धनराशि मूल्य का 5 प्रतिशत राष्ट्रीय बैंक का एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0 खण्ड विकास अधिकारी मोहम्मदी के पक्ष में समस्त अभिलेख मोहर बन्द लिफाफे में निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न कर दिनांक 16.01.2026 तक दोपहर 12:00 तक खण्ड विकास अधिकारी मोहम्मदी के कार्यालय में सील बन्द टेण्डर बाक्स में डाले जायेंगे / डाक द्वारा प्रेषित किये जा सकते हैं, निर्धारित तिथि व समय के बाद निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
3. कार्यआदेश निर्गत की तिथि से कार्यपूर्ण करने की अवधि तीन माह निर्धारित की जाती है।
4. प्राप्त टेण्डर को खण्ड विकास अधिकारी मोहम्मदी खीरी के द्वारा गठित समिति के समक्ष 16.01.2026 को समय 2:00 बजे सार्वजनिक रूप से खोले जायेगें।
5. भुगतान हेतु प्राप्त बिलों पर नियमानुसार 2 प्रतिशत आयकर, 2 प्रतिशत जी0एस0टी0, 1 प्रतिशत लेबर सेस 5 प्रतिशत जमानत तथा रायल्टी की कटौती करने बाद 16 प्रतिशत जी0एस0टी0 बिल की धनराशि के साथ भुगतान की जायेगी ।
6. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त निर्धारित दरों में वित्तीय वर्ष 2025–26 में कोई मूल्य परिवर्तन मान्य नही होगा।
7. किसी भी एक निविदा को स्वीकार्य करने अथवा सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा ।
8. किसी भी विवाद की दशा में जनपद न्यायालय खीरी ही मान्य होगा ।
9. निविदा भरते समय निविदा की दरें अंको के साथ–साथ शब्दों में भी उल्लिखित की जायें।
10. निविदा प्रपत्र के साथ सीलबन्द लिफाफे में फर्म रजिस्ट्रेशन, आयकर ,जी0एस0टी0 तथा जमानत धनराशि का एफ0डी0आर0 एवं आयकर रिटर्न की प्रति जिस पर ठेकेदार, फर्म स्वामी के हस्ताक्षर हो साथ में संलग्न किया जाये।

अश्वनी कुमार सिंह
खण्ड विकास अधिकारी
मोहम्मदी–खीरी

पति पर लगाया मारपीट का आरोप

बरेली, अमृत विचारः एक महिला ने पति पर शारीरिक रूप से कमजोर होने का आरोप लगाया है। जब महिला को शादी के बाद इसका पता चला तो उसने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई। महिला का आरोप है कि ससुराल वालों ने उसका जेवर भी अपने पास रख लिया। महिला की तहरीर पर थाना किला पुलिस ने पति समेत चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। किला थाना क्षेत्र के एक मोहल्ला की रहने वाली महिला ने बताया कि उसकी शादी अप्रैल 2025 में बिशारतगंज के रहने वाले एक युवक से हुई थी। परिवार के लोगों ने शादी में आठ लाख रुपये खर्च करने के अलावा सात तोला सोने के जेवर दिए थे। शादी के बाद जब वह ससुराल पहुंची तो कई दिन तक उसके पति ने उससे दूरी बनाकर रखी। महिला ने जब दूरी बनाने का कारण पूछा तो पति तबीयत ठीक नहीं होने का बहाना करता रहा। उसके बाद जब काफी समय बीत गया तो पति ने बताया कि वह शारीरिक रूप से कमजोर है।

बोर्ड परीक्षा में नकल रोकने की तैयारी

बरेली, अमृत विचारः यूपी बोर्ड परीक्षा में उत्तर पुस्तिकाओं को और अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए माध्यमिक शिक्षा परिषद ने खास इंतजाम किए हैं। अब उत्तर पुस्तिकाएं सीधे (लंबाई) रूप में होंगी, जबकि पहले उन्हें आड़ा (चौड़ाई) फॉर्मेट में बांटा जाता था। इस बदलाव से विद्यार्थियों को लिखने में आसानी होगी। इसके अलावा, प्रत्येक पन्ने पर रंग कोड और माध्यमिक शिक्षा परिषद का मोनोग्राम अंकित किया जाएगा, जिससे नकली या डुप्लीकेट कॉपियां बनाना मुश्किल हो जाएगा।

जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने बताया कि लंबे समय से इस्तेमाल हो रहे चौड़ाई वाले फॉर्मेट को अब पूरी तरह बदल दिया गया है। यह बदलाव मूल्यांकनकर्ताओं के लिए उत्तर पढ़ना भी आसान बनाएगा और किसी भी गड़बड़ी को पकड़ने में मदद करेगा। बोर्ड परीक्षा में यह कदम निष्पक्षता और स्वच्छ परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर - पीलीभीत

पत्रांकः 400/न.पा.परि.बी./2025–26 दिनांकः 02.01.2025

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15वां वित्त (अनटाइड ग्रांट) के अन्तर्गत निर्माण कार्य की लागत के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत् हैः–

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख रू. में)	बिड सिक्योरिटी 2 प्रतिशत पूर्णांक में	निविदा मूल्य+18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	अमर सिंह मेम्बर से बनवारीनाथ तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य वार्ड नं. 02	1680508.00	28500.00	2000.00	6 माह
2.	राकेश जायसवाल से विश्वकर्मा वर्क्सशॉप तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य वार्ड नं. 06	1200479.00	20400.00	1500.00	6 माह
3.	पीरबक्श के मकान से राकेश भारद्वाज तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य वार्ड नं 06	2284033.00	38800.00	2700.00	6 माह
4.	नाजिम के मकान से अनवार एवं याकूब के मकान तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य वार्ड नं. 21	633022.00	10800.00	750.00	6 माह
5.	लेकेश किराना स्टोर से मेन रोड (रामलीला) तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य वार्ड नं. 06	606300.00	10300.00	750.00	6 माह
6.	श्याम कुमार से ब्रजनन्दन से अमित एवं सुभाष चन्द्र से रामाधर मिश्रा एवं दिनेश गंगवार से गंगा के प्लाट तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य वार्ड नं. 13	3643359.00	61800.00	4300.00	6 माह
7.	शिवम मेडिकल वाले के मकान से रामप्रकाश एवं मुकेश गुप्ता के मकान से प्रदीप एवं गायत्री गंगवार के मकान से अंशू शर्मा तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य वार्ड नं. 11	2482025.00	42100.00	3000.00	6 माह

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 05.01.2026 को प्रातः 11:00 बजे से।
2. ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय 26.01.2026 को अपराहन् 05:00 बजे तक।
3. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 27.01.2026 को अपराहन 10:00 बजे पूर्वाहन से कार्य समाप्ति तक।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. निविदा प्रपत्र शुल्क और 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि (जी.एस.टी.सहित) पालिका के आई.सी.आई.सी.आई. में खाता सं. 321005500073 IFSC- ICIC0003210 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. द्वारा हस्तान्तरित कर पावती की मूल प्रति स्कैन करके ई–निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगी।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को अपलोड करें।
7. टेण्डर स्वीकृति होने के उपरान्त शेष 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद बीसलपुर के उपरोक्त खाते में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के द्वारा अथवा नियमानुसार एफ.डी.आर./एन.एस.सी. द्वारा जमा कर मूल प्रति जमा कर निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त तीन दिवस के अन्दर नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कार्यालय में हार्डकॉपी के साथ जमा करनी होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बीसलपुर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, बीसलपुर

न्यूज ब्रीफ

यूट्यूबर अनुराग द्विवेदी की 27 करोड़ की संपत्ति जब्त

अमृत विचार, लखनऊ : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े धनशोधन मामले में

बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने 31 दिसंबर और 1 जनवरी को दिल्ली, मुंबई, सूरत, लखनऊ और वाराणसी में कुल 9 स्थानों पर छापेमारी की। ये सभी परिसर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर अनुराग द्विवेदी से जुड़े हैं। ईडी ने यूट्यूबर अनुराग द्विवेदी की करीब 27 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है। ईडी के अनुसार, यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई। तलाशी के दौरान अनुराग द्विवेदी की दो लग्जरी कारें—लैंड रोवर डिफेंडर और बीएमडब्ल्यू जेड4 को जब्त/फ्रीज कर दिया गया। इसके अलावा कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण भी बरामद किए गए हैं। ईडी ने इसके पहले 17 दिसंबर 2025 को ईडी ने लखनऊ, उन्नाव और दिल्ली में अनुराग द्विवेदी से जुड़े 10 ठिकानों पर छापा मारा था। उस दौरान लेम्बोर्गिनी उरुस, मर्सिडीज, फोर्ड एंडेवर और थार समेत चार महंगी गाड़ियां जब्त की गई थीं। साथ ही करीब 20 लाख रुपये नकद, आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस भी बरामद हुए थे।

शराब तस्करी गैंग का सरगना गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : अंतरराज्यीय शराब तस्करी करने वाले गिरोह के सरगना और प्रयागराज से एक लाख रुपये के इनामी आरोपी को एसटीएफ ने पंजाब से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी नवदीप सिंह उर्फ नवी ग्रेवाल उर्फ लकी सिंह पर प्रयागराज कमिश्नरेट के नवाबगंज थाने में एफआईआर दर्ज है। एसटीएफ के डिप्टी एसपी शैलेष कुमार सिंह के अनुसार, 4 जनवरी को नवदीप सिंह को पंजाब के मोहाली स्थित सिटी इन्क्लेव जिरखपुर से गिरफ्तार किया गया है। उस पर नवाबगंज थाने में दर्ज तस्करी के मामले में एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसका एक संगठित गिरोह है, जो हरियाणा निवासी अपने साथी मनवीर सिंह उर्फ मन्नू तथा अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर वर्षों से अवैध शराब की तस्करी कर रहा था। एसटीएफ के अनुसार, वर्ष 2023 में प्रयागराज में भारी मात्रा में अवैध शराब से भरे ट्रक को एसटीएफ ने पकड़ा था, जिसमें चालक को गिरफ्तार किया गया था, जबकि नवदीप सिंह फरार चल रहा था।

डी-रेगुलेशन 1.0 में यूपी को प्रथम स्थान

अमृत विचार, लखनऊ : देशभर में व्यापारिक प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी एवं निवेश-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की ओर से सभी राज्यों के लिए 23 प्रमुख प्राथमिक क्षेत्रों को चिह्नित किया गया था। इन सुधारों के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। केंद्र सरकार के डी-रेगुलेशन 1.0 कार्यक्रम के अंतर्गत की गई राज्य-वार रैंकिंग के अनुसार उत्तर प्रदेश ने प्रथम स्थान हासिल किया है। यह मूल्यांकन भूमि, भवन एवं निर्माण, श्रम, यूटिलिटीज और अनुमतियों सहित पांच प्रमुख क्षेत्रों में विस्तारित 23 प्राथमिक सुधार क्षेत्रों के प्रभावी कार्यान्वयन पर आधारित था, जिनमें समग्र सुधार प्राथमिकताओं को भी शामिल किया गया। मालूम हो कि उत्तर प्रदेश देश का प्रथम राज्य है, जिसने सभी 23 प्राथमिक क्षेत्रों को समग्र एवं पूर्ण रूप से लागू किया है।

छह जिलों में घुसपैठियों को चिह्नित करने में जुटी एटीएस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- फर्जी दस्तावेजों पर बनवाए पासपोर्ट, घुसपैठ कराने वाले सिंडीकेट के सदस्यों की हो रही छानबीन

अमृत विचार: आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बने घुसपैठियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट तक बनवा लिया है। इस मामले की जांच एटीएस ने शुरू कर दी है। एटीएस के निशाने पर अलीगढ़, सहारनपुर, बरेली, मेरठ, लखनऊ, कानपुर समेत अन्य संवेदनशील जिले हैं। बांग्लादेशियों व रोहिंग्या की घुसपैठ कराने वाले सिंडीकेट के कुछ सदस्यों व उनकी मददगारों की भी छानबीन नए सिरे से शुरू की गई है। खासकर घुसपैठियों को कूटरचित आधार कार्ड व फर्जी दस्तावेजों के जरिए पासपोर्ट उपलब्ध कराने वाले मददगारों की भी तलाश की जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुछ दिन पहले प्रदेश में घुसपैठियों की छानबीन व उन्हें वापस भेजने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया था। घुसपैठियों की पहचान के लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किए जाने के साथ ही उन्हें रखने के लिए डिटेंशन सेंटर स्थापित किए जाने की प्रक्रिया भी चल रही है। डिटेंशन सेंटरों में कड़े सुरक्षा प्रबंधों को लेकर भी विस्तृत निर्देश दिए गए हैं। डिटेंशन सेंटर में घुसपैठियों की विस्तृत बायोमेट्रिक प्रोफाइल तैयार करने की भी योजना है। एटीएस ने दो वर्ष पहले घुसपैठियों को फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराने वाले सिंडीकेट के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया था। सिंडीकेट के तार दिल्ली व अन्य राज्यों से भी जुड़े पाए गए थे।

योगी ने मोदी को भेंट किया श्रीराम मंदिर मॉडल

दो किलो सोना-चांदी की दुर्लभ कृति, 108 दिनों में शिल्पकार कुंज बिहारी ने किया तैयार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुलाबी मीनाकारी से निर्मित भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर की अनुकृति भेंट की। यह भेंट केवल शिष्टाचार नहीं, बल्कि काशी की पारंपरिक हस्तकला, सनातन आस्था और 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को एक साथ प्रस्तुत करने वाला सांस्कृतिक प्रतीक बन कर उभरी।

दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी को राम मंदिर का मॉडल भेंट करते मुख्यमंत्री योगी।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर शिल्पकार कुंज बिहारी सिंह द्वारा निर्मित यह कलाकृति गुलाबी मीनाकारी की शिखर अभिव्यक्ति मानी जा रही है। अनुकृति में लगभग 2 किलोग्राम सोना और चांदी का प्रयोग हुआ है, जबकि सजावट में हीरे भी जड़े गए हैं। इसमें 108 भाग हैं और इसे 108 दिनों में तैयार किया गया। निर्माण अवधि के दौरान 108 दिनों तक निरंतर रामधुन का जाप किया गया। स्वर्ण से निर्मित भगवान श्रीराम, कमल और धनुष-बाण की प्रतीकात्मक आकृतियां, चार शिखरों पर जड़े हीरे और भीतर की प्रकाश व्यवस्था, सब मिलकर सनातन परंपरा में 108 के महत्व को सजीव रूप देते हैं।

यूपी कैबिनेट में जल्द हो सकता है बड़ा फेरबदल

मुख्यमंत्री ने दिल्ली जाकर की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, नड्डा व नबीन से मुलाकात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- परफॉर्मेंस के आधार पर 'आउट' की तैयारी, नए चेहरों की 'एंट्री' तय

अमृत विचार : मकर संक्रांति के बाद प्रदेश की राजनीति में बड़े बदलाव की पटकथा लिखी जा चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोमवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और निवर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा से हुई मुलाकात के बाद यह साफ संकेत मिल रहे हैं कि मंत्रिमंडल विस्तार सिर्फ विस्तार नहीं, शुद्धिकरण भी होगा। पूरे मामले में गृह मंत्री अमित शाह के यहां से परफॉर्मेंस के आधार पर 'आउट' और नए चेहरों की 'एंट्री' वाले नामों की सूची आखिरी क्षण में लखनऊ आएगी। योगी ने देर शाम शाह से भी मुलाकात की।

मकर संक्रांति के बाद योगी सरकार नए तेवर में दिख सकती है। यह विस्तार नहीं, रणनीतिक री-लॉन्च होगा। सूत्रों के मुताबिक, इस बार कसौटी वरिष्ठता नहीं, सख्त परफॉर्मेंस है। जिन विभागों में योजनाओं की गति सुस्त रही, जनशिकायतें बढ़ीं या फील्ड फीडबैक कमजोर रहा, उनकी कुर्सी पर खतरा माना जा रहा है। वहीं, जिन मंत्रियों ने कानून-व्यवस्था, निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और जनकल्याण में ठोस नतीजे दिए, वे सुरक्षित हैं। कुछ को अतिरिक्त जिम्मेदारी भी मिल सकती है।

राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि शीर्ष नेतृत्व सरकार को और आक्रामक, चुनाव-रेडी और ग्राउंड-कनेक्टेड बनाना चाहता है। पश्चिमी यूपी, पूर्वांचल, बुंदेलखंड और तराई चारों दिशाओं में क्षेत्रीय असंतुलन साधने पर खास ध्यान है। साथ ही, गैर-यादव ओबीसी, दलित और महिला प्रतिनिधित्व बढ़ाने की तैयारी है।

गृह मंत्री अमित शाह से भेंट के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मिलते मुख्यमंत्री योगी।

मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड तैयार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि पद स्थायी अधिकार नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व है। इसी लाइन पर मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड तैयार हुआ है। योजनाओं की डिलीवरी, जिलों से फीडबैक, जनसुनवाई और मीडिया-पब्लिक परसेप्शन सब शामिल है। संदेश साफ है कि परिणाम लाओ या रास्ता दो।

संगठनात्मक संतुलन व क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व पर जोर

भाजपा नेतृत्व मंत्रिमंडल को संगठन के साथ एक-सुर में लाने की रणनीति पर है। क्षेत्रीय असंतोष दूर करने और सामाजिक समीकरण साधने के लिए नए चेहरों को मौका, वहीं कमजोर कड़ियों को बाहर किया जा सकता है। मंत्रिमंडल में बने रहने की शर्तें हैं डिलीवरी, ग्राउंड प्रेजेंस और जनविश्वास।

एंबुलेंस व एनएमएमयू सेवा के लिए दो अरब का बजट जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में दूर-दराज क्षेत्रों के गंभीर मरीजों और सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों को समय से सरकारी अस्पतालों तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित निःशुल्क एंबुलेंस सेवा, एएलएस एंबुलेंस एवं नेशनल मोबाइल मेडिकल यूनिट (एनएमएमयू) सेवा के संचालन के लिए राज्य सरकार ने दो अरब रुपये का बजट स्वीकृत कर दिया है। बजट जारी होने से इन सेवाओं गति मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। मोबाइल यूनिट को लेकर उठ रहे सवालों पर विराम लग गया है।

स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी इन महत्वपूर्ण सेवाओं के लिए बजट न मिलने के कारण विशेष रूप से नेशनल मोबाइल मेडिकल यूनिट के संचालन पर संकट के बादल मंडरा रहे थे। जानकारी के अनुसार, नेशनल मोबाइल मेडिकल यूनिट ने बीते नवम्बर माह में अनुबंध के तहत अपने तीन वर्ष पूरे कर लिए थे। अनुबंध के नवीनीकरण और बजट जारी न होने के कारण न केवल सेवा के बंद होने की आशंका जताई जा रही थी, बल्कि इससे जुड़े कर्मचारियों को बीते दो माह से वेतन भी नहीं मिल रहा था। अब दो अरब रुपये का बजट स्वीकृत होने से नेशनल मोबाइल मेडिकल यूनिट के पुनः नवीनीकरण की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं।

लेन-देन के विवाद में ट्रांसपोर्टर की पीट-पीटकर हत्या

फिरोजाबाद, एजेंसी

फिरोजाबाद नगर के उत्तर थाना क्षेत्र में धन के लेन-देन के विवाद में आगरा के एक ट्रांसपोर्टर की उसके साझीदार ने अपने साथियों की मदद से पीट-पीटकर कथित तौर पर हत्या कर दी। इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) रविशंकर प्रसाद ने बताया कि 50 वर्षीय बालमुकुंद दुबे साझीदारी में ट्रांसपोर्ट का कारोबार करते थे। वह शनिवार को ट्रक पर माल लदवाकर रविवार को फिरोजाबाद के थाना उत्तर क्षेत्र के ककरऊ कोठी स्थित ऑल इंडिया ट्रांसपोर्ट कंपनी पर आये थे।

जांच में पाया गया कि बालमुकुंद दुबे ट्रक से सामान उतरवा रहे थे तभी उनका साझीदार गजेंद्र सिंह अपने कुछ साथियों के साथ पहुंचा। इस दौरान बालमुकुंद और गजेंद्र के बीच कहासुनी शुरू हो गयी। देखते ही देखते बात बढ़ गयी और गजेंद्र तथा उसके साथियों ने बालमुकुंद पर हमला कर दिया और पीट—पीट कर लहूलुहान कर दिया। पिटाई से बेहोश बालमुकुंद को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

यूपीनेडा में अस्थायी 88 पदों को स्थायी करने की स्वीकृति, शासनादेश जारी

- ऊर्जा परियोजनाओं के संचालन और निगरानी को मिलेगी मजबूती

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) में लंबे समय से अस्थायी रूप से संचालित 88 पदों को स्थायी करने की स्वीकृति दे दी है। इस संबंध में सोमवार को शासनादेश जारी कर दिया गया है। शासन के इस निर्णय से यूपीनेडा में मानव संसाधन की स्थिरता सुनिश्चित होगी और प्रदेश में संचालित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को मजबूती मिलेगी।

शासनादेश के अनुसार, यूपीनेडा के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों में अस्थाई 88 पदों के स्थाई होने से अब कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को वेतन, भत्ते, मंहगाई भत्ते एवं अन्य देयक शासन द्वारा समय-समय पर जारी नियमों के अनुसार दिए जाएंगे। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इन पदों के स्थायी होने से विभागीय कार्यों में निरंतरता बनी रहेगी और परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली प्रशासनिक अड़चनें दूर होंगी।

शासनादेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि इन पदों से संबंधित व्यय पूर्व में स्वीकृत बजटीय प्रावधानों के अंतर्गत ही वहन किया जाएगा। इसके लिए किसी अतिरिक्त वित्तीय स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होगी। शासन ने संबंधित विभागों और अधिकारियों को आदेश के अनुपालन के निर्देश भी जारी कर दिए हैं। सरकार के इस फैसले को यूपीनेडा के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने और प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को नई गति देने वाला अहम कदम माना जा रहा है।

इन पदों को मिली स्वीकृति

शासनादेश के तहत जिन पदों को स्थायी किया गया है, उनमें निदेशक, सचिव एवं मुख्य परियोजना अधिकारी, वरिष्ठ परियोजना अधिकारी, वरिष्ठ सहायक, वरिष्ठ लिपिक, कनिष्ठ लिपिक और चतुर्थ श्रेणी के पद शामिल हैं।

माघ मेले में शुरू हुई प्रयाग की पंचकोसी परिक्रमा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

- त्रिवेणी के तट पर पूजन के साथ शुरू हुई पांच दिवसीय सनातन परंपरा

अमृत विचार: माघ मेले के पावन अवसर पर प्रयाग की सनातन परंपरा, आस्था और सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक पंचकोसी परिक्रमा की त्रिवेणी संगम के तट पर गंगा पूजन के साथ सोमवार को शुरुआत हुई। परिक्रमा का नेतृत्व अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद और श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के प्रमुख संतों व प्रतिनिधियों ने किया।

संगम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गंगा पूजन के बाद साधु-संतों का जत्था अक्षयवट और आदि शंकर विमान मंडपम मंदिर के दर्शन के लिए रवाना हुआ। इसके साथ ही पंचकोसी परिक्रमा के पहले दिन का विधिवत समापन हुआ।

अकबर ने रोकी थी परंपरा, योगी ने कराया शुरू : अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने बताया कि लगभग 556 वर्ष पूर्व मुगल शासक अकबर के शासनकाल में इस परंपरा पर रोक लगा दी गई थी। साधु-संतों की निरंतर मांग के फलस्वरूप योगी सरकार ने वर्ष 2019 में पंचकोसी परिक्रमा को पुनर्जीवित किया।

त्रिवेणी संगम के तट पर गंगा पूजन के साथ पंचकोसी परिक्रमा की शुरुआत करते अखाड़ों के साधु-संत, साथ में अन्य।

यूरोपीय और खाड़ी देशों में निर्यात क्षमता बढ़ाने की तैयारी में यूपी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- दुबई के गल्फ फूड और बर्लिन के फ्रूट लॉजिस्टिका में प्रदेश के पांच निर्यातक और एफपीओ प्रदर्शित करेंगे उत्पाद

अमृत विचार : यूरोपीय और खाड़ी देशों में उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादों के निर्यात की क्षमता बढ़ाएगा। इन देशों में पकड़ बनाने के लिए दुबई में गल्फ फूड-2026 और जर्मनी के बर्लिन में फ्रूट लॉजिस्टिका-2026 में प्रदेश प्रतिभाग करेगा। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 190 देशों के समक्ष फल, सब्जी और इनसे बने खाद्य पदार्थ प्रदर्शित करके निर्यात के लिए एमओयू किया जाएगा।

26 से 30 जनवरी तक दुबई में गल्फ फूड-2006 और 4 से 6 फरवरी को बर्लिन में फ्रूट लॉजिस्टिका-2026 आयोजित होगा। इस आयोजन में कृषि विभाग, उद्यान विभाग और कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार निदेशालय के उच्च अधिकारियों के साथ प्रदेश के पांच निर्यातक और किसान उत्पादक संगठन (एपीओ) जाएंगे। निर्यातक और उत्पाद कृषि उत्पाद और उससे बने खाद्य पदार्थों को स्टॉल के माध्यम से प्रदर्शित करेंगे। इसमें बासमती, आम, तिल, शहद, आलू समेत रेडी टू ईट खाद्य पदार्थ खास होंगे। क्रेता को प्रदेश में होने वाले उत्पाद, उनकी विशेषता, फायदे, जीआई से पहचान करना और दाम आदि बताएंगे। आपस में सहमति बनने पर विभाग द्वारा निर्यात के लिए एमओयू किया जाएगा।

चयनित किए जाएंगे निर्यातक और एफपीओ : कार्यक्रम की जिम्मेदारी कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार निदेशालय को सौंपी गई है। दोनों आयोजन में प्रदेश के टॉप पांच निर्यातक और एफपीओ प्रतिभाग करेंगे। इनका चयन कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार करेगा।

जागरूकता

मुख्यमंत्री योगी ने पाती के जरिए साइबर ठगों से सावधान रहने की अपील की

कानून में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी व्यवस्था नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डिजिटल अरेस्ट पर बनी लघु फिल्म को 4 दिनों में 17.30 लाख से अधिक व्यूज

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया है कि देश के किसी भी कानून में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने अपनी पाती के माध्यम से प्रदेशवासियों से साइबर अपराधियों और ठगों से सतर्क रहने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस या कोई भी सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल, व्हाट्सएप या सोशल मीडिया के जरिए किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं करती और न ही इस माध्यम से पैसे की मांग करती है।

मुख्यमंत्री से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लोगों को सावधान कर चुके हैं, फिर भी लोग साइबर ठगों के जाल में आए दिन फंसते रहते हैं। अब योगी ने अपनी पाती का संदेश मीडिया के जरिए जन-जन तक पहुंचाते हुए कहा कि साइबर ठग भय और भ्रम फैलाने के लिए 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे झूठे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से जागरूक रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर यूपी पुलिस द्वारा डिजिटल अरेस्ट को लेकर जारी की गई नाना पाटेकर अभिनीत जागरूकता लघु फिल्म को महज चार दिनों में विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 17 लाख 30 हजार से अधिक लोगों ने देखा और सराहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2017 से पहले प्रदेश में केवल दो साइबर क्राइम थाने थे, जबकि अब सभी 75 जनपदों में साइबर क्राइम थाने और साइबर हेल्प डेस्क क्रियाशील हैं। किसी भी स्थिति में अपनी व्यक्तिगत जानकारी या ओटीपी साझा न करें। यदि साइबर अपराध होता है तो तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को जागरूक करने का आह्वान किया।

इन बातों का रखें ध्यान

संदिग्ध कॉल/वीडियो कॉल पर तुरंत काटें, 1930 पर तुरंत शिकायत दर्ज करें, बैंक/यूपीआई अकाउंट फौरन ब्लॉक कराएंसबूत (स्क्रीनशॉट/नंबर) सुरक्षित रखें, वीडियो कॉल पर 'डिजिटल अरेस्ट' की बात न मानें, किसी को पैसे ट्रांसफर न करें, ओटीपी, पिन, सीवीवी साझा न करें, सोशल मीडिया पर लोकेशन/निजी जानकारी सार्वजनिक न करें, धमकी से घबराएं नहीं, शांत रहें।

यूपी विधान सभा की कार्यप्रणाली को सराहा

कनाडा से आए प्रतिनिधिमंडल ने माना- कई विधायी संस्थाओं से अधिक प्रभावशाली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: कैनेडियन हिंदू चैंबर ऑफ कॉमर्स (सीएचसीसी) के 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को उत्तर प्रदेश विधान सभा में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि कार्य संस्कृति, तकनीकी नवाचार और विधायी दक्षता की नजर से उत्तर प्रदेश विधान सभा कनाडा की कई विधायी संस्थाओं से भी अधिक प्रभावशाली, सशक्त और अनुकरणीय प्रतीत होती है।

इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल को विधान सभा परिसर का भ्रमण कराया गया, जिसमें सदन की कार्यप्रणाली, विधायी प्रक्रियाओं तथा संस्थागत ढांचे से अवगत कराया गया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश विधान सभा की सुव्यवस्थित कार्यसंस्कृति, आधुनिक तकनीकी व्यवस्थाओं, डिजिटल पहलों और पारदर्शी संचालन की सराहना की।

विधानभवन पहुंचे कनाडा के प्रतिनिधिमंडल के साथ विधानसभाध्यक्ष सतीश महाना।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने प्रतिनिधिमंडल को विधान सभा में लागू किए गए आधुनिकीकरण प्रयासों, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, ई-विधान प्रणाली तथा पारदर्शिता और सुशासन को सुदृढ़ करने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विधान सभा लोकतांत्रिक मूल्यों को केंद्र में रखते हुए नवाचार और आधुनिक तकनीक को अपनाकर प्रभावी एवं उत्तरदायी विधायी भूमिका का निर्वहन कर रही है।

अमृत विचार

मंगलवार, 6 जनवरी 2026

क्रोध में व्यक्ति अपने मन की बात नहीं कहता, वह केवल दूसरों का दिल दुखाना चाहता है।
–मुंशी प्रेमचंद, हिंदी साहित्यकार

जायज चिंता

भारतीय वायुसेना प्रमुख द्वारा लड़ाकू विमानों की कमी को लेकर दोबारा जताई गई चिंता, एक ठोस रणनीतिक यथार्थ का प्रतिबिंब है। आज भारतीय वायुसेना के पास मात्र 29 लड़ाकू स्क्वाड्रन में 600 विमान बचे हैं, जबकि अधिकृत आवश्यकता कम से कम 42 स्क्वाड्रनों की है। यह अंतर भारत के पाकिस्तान और चीन के साथ संभावित दो-मोर्चों के संघर्ष की आशंका के मद्देनजर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर रणनीतिक प्रश्न है। यह स्थिति और जटिल होगी, क्योंकि आने वाले वर्षों में तमाम पुराने विमानों की विदाई तय है। मिग-21 अपनी सेवा अवधि पूरी कर चुका है और जगुआर के चार स्क्वाड्रन 2027 के बाद चरणबद्ध रूप से रिटायर होने लगेंगे, ऊपर से इनकी दुर्घटनाएं भी आए दिन बढ़ रही हैं। इससे स्क्वाड्रन संख्या और घटेगी। पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी स्टील्थ फाइटर के लिए एएमसीए कार्यक्रम शुरू हो चुका है, लेकिन पहला विमान 2035 से पहले मिलने की उम्मीद नहीं है। यानी अगले एक दशक तक एक स्पष्ट 'क्षमता अंतराल' बना रहेगा। इस गैप को भरने के लिए वायुसेना के सामने तीन व्यावहारिक रास्ते हैं—स्वदेशी उत्पादन को तेज़ करना, सीमित अवधि के लिए विदेशी खरीद और बल संरचना में स्मार्ट टेक्नोलॉजी का समावेश।

1996 में 41 स्क्वाड्रन से आज 29 तक की गिरावट इस बात की याद दिलाती है कि सुस्त और जटिल खरीद प्रक्रियाएं कितनी महंगी पड़ सकती हैं। जरूरी है लड़ाकू विमानों की जल्द खरीद और स्वदेशी का फाइटर जेट्स का शीघ्र समावेश। विदेशी विकल्पों के तौर पर रूस के स्टेल्थ फाइटर सुखोई-57 फेलोन, जिसमें किंजल जैसी हाइपरसोनिक मिसाइल के इंटीग्रेशन की बात कही जाती है, एक संभावित 'रेस्क्यू पैकेज' कहा जा रहा है, तो अमेरिका का एफ-35 भी होड़ में है, हालांकि उससे जुड़ी लागत और रणनीतिक शर्तें कुछ ठीक नहीं हैं। इन सौदों की बात ही क्या, जब 114 रॉफेल जेट्स की प्रस्तावित खरीद लंबे समय से अटकी हुई हो। स्वदेशी मोर्चे पर तेजस एमके-1ए विमान संख्या की तात्कालिक कमी को आंशिक रूप से भर सकता है, पर इसका उत्पादन अत्यंत धीमा है, हालांकि एयरबोर्न सर्विलांस, प्लेटफॉर्म, डीआरडीओ के नेत्रा सिस्टम और ड्रोन वारफेयर— स्वार्म, लोटरिंग और सर्विलांस ड्रोन इत्यादि में निवेश बढ़ रहा है। उत्तरी सीमाओं, द्वीप क्षेत्रों और रणनीतिक ठिकानों को डबल कवर देने के लिए एकीकृत एयर डिफेंस नेटवर्क पर काम जारी है, लेकिन अभी काफी दूरी तय करनी बाकी है। वायुरक्षा प्रणाली एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का विकल्प तो कतई नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सवाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी? जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्थ-सक्षम और मल्टी-रोल फाइटर जेट्स का ऐसा संतुलित बेड़ा जो रक्षा के साथ आक्रामक बढ़त भी दे, उसकी मौजूदगी तभी संभव होगी जब राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता दे कर तात्कालिक खरीद, मध्यम अवधि की स्वदेशी क्षमता और दीर्घकालिक दृष्टि, सब पर समान गंभीरता से अविलंब बढ़ा जाए।

प्रसंगवश

घरेलू हिंसा रोकने में पुरुष भी बनें समाधान का हिस्सा

राजस्थान की राजधानी जयपुर में हाल ही में सामने आया घरेलू हिंसा का एक मामला केवल एक आत्महत्या की खबर नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक सड़ांध का प्रतीक है, जो आज भी हमारे घरों के भीतर पल रही है। 32 वर्षीय विवाहिता ने अपने चार महीने के मासूम बेटे के सामने गेहूं की टंकी में रखा सल्फास खाकर जान दे दी। लगातार मारपीट, दहेज की मांग और मानसिक प्रताड़ना ने उसे इस हद तक तोड़ दिया कि जीवन से उसका विश्वास उठ गया। ऐसी घटनाएं अब अपवाद नहीं रहीं।

पिछले महीने जयपुर के कालवाड़ थाना क्षेत्र में घरेलू हिंसा से परेशान एक महिला ने देर रात 150 फीट गहरे कुएं में छलांग लगा दी। गनीमत रही कि समय रहते पुलिस ने रेस्क्यू कर उसकी जान बचा ली। इसी तरह कोटा के महावीर नगर इलाके में घरेलू विवाद ने जब खौफनाक रूप लिया, तो पति ने पत्नी को जूस पिलाने के बहाने घर से बाहर बुलाया और सुनसान सड़क पर ले जाकर चाकू से हमला कर उसका कान काट डाला। वहीं जोधपुर में दिवाली से पहले बहू को उसके पति और ससुर ने बीच सड़क पर बेरहमी से पीटा। अजमेर में देर रात शराब के नशे में धुत एक पति ने अपनी पत्नी को इस कदर पीटा कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

घरेलू हिंसा के मामलों में भावनात्मक और मानसिक प्रताड़ना, यौन हिंसा के सबसे ज्यादा है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 में 18 से 49 वर्ष की विवाहित महिलाओं को शामिल किया गया था। घरेलू हिंसा के मामलों में कर्नाटक 48.4 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर है। इसके बाद बिहार 42.5 प्रतिशत के साथ दूसरे और मणिपुर 41.6 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। तेलंगाना में 40.4 प्रतिशत तथा तमिलनाडु में 39.7 प्रतिशत महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार पाई गईं। सबसे कम घरेलू हिंसा केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में दर्ज की गई, जहां यह आंकड़ा केवल 1.3 प्रतिशत है। इसके अलावा गोवा में 9.7 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 10.7 प्रतिशत और नागालैंड में 11.0 प्रतिशत महिलाएं घरेलू हिंसा से प्रभावित हैं।

इन आंकड़ों के पीछे की सच्चाई और भी डरावनी है, क्योंकि अधिकतर महिलाएं कभी शिकायत दर्ज ही नहीं करातीं। सामाजिक बदनामी का डर, आर्थिक निर्भरता, बच्चों का भविष्य और घर टूट जाएगा, जैसी सोच उन्हें चुप रहने पर मजबूर कर देती है। पितृसत्तात्मक समाज, जहां पुरुष को अधिकार और महिला को सहनशीलता का पाठ पढ़ाया जाता है, घरेलू हिंसा की सबसे बड़ी जड़ है। शिक्षा की कमी, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, नशे की लत, दहेज प्रथा और कानून की सीमित जानकारी इस आग में घी का काम करती है।

घरेलू हिंसा की रोकथाम के लिए केवल महिलाओं को मजबूत बनाना पर्याप्त नहीं है। जरूरी है कि पुरुषों को भी समाधान का हिस्सा बनाया जाए। बचपन से ही लड़कों को समानता, संवेदनशीलता और सम्मान के संस्कार सिखाने होंगे। नशे पर नियंत्रण, महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता, रोजगार के अवसर, त्वरित न्याय और परिवार में संवाद का माहौल इस समस्या को काफी हद तक कम कर सकता है। बेल बजाओ जैसे अभियानों ने यह साबित किया है कि सामाजिक जागरूकता से सोच बदली जा सकती है। जरूरत है ऐसे निरंतर, ईमानदार और जमीनी अभियानों की, जो हर घर तक यह संदेश पहुंचाएं कि हिंसा अपराध है, चाहे वह चारदीवारी के भीतर ही क्यों न हो। यदि हम सच में महिलाओं के खिलाफ हिंसा से मुक्त भारत बनाना चाहते हैं, तो अब चुप्पी तोड़नी होगी। हर खामोशी किसी न किसी महिला की चीख बनकर हमें शर्मिंदा करती रहेगी।

टैरिफ डिविडेंड का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

विश्व व्यापार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और राजनीतिक तनावों के बीच अमेरिका ने एक नई आर्थिक सोच को जन्म दिया है, जिसे टैरिफ डिविडेंड (Tariff Dividend) कहा जा रहा है। इसका मूल विचार यह है कि जब कोई देश विदेशी वस्तुओं पर आयात शुल्क (टैरिफ) लगाकर भारी राजस्व प्राप्त करता है, तो उस राजस्व का एक हिस्सा अपने नागरिकों को सीधे 'डिविडेंड' या बोनस के रूप में लौटाया जाए। इससे एक ओर घरेलू उद्योग को सुरक्षा मिलती है, वहीं दूसरी ओर नागरिकों की क्रयशक्ति भी बनी रहती है। अमेरिका में इस नीति के ज़रिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि यदि आयात शुल्कों से सरकार को अतिरिक्त राजस्व मिलता है, तो उसका एक हिस्सा हर नागरिक को लगभग $2,000 (करीब 1.7 लाख) तक नकद सहायता के रूप में दिया जा सकता है।

टैरिफ डिविडेंड का सबसे बड़ा उद्देश्य है अमेरिकी अर्थव्यवस्था को दोहरे लाभ की स्थिति में लाना। पहला, विदेशी वस्तुओं पर ऊंचे शुल्क लगाकर सरकार को अरबों डॉलर का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त करना और दूसरा, इसी राजस्व से घरेलू खपत बढ़ाने के लिए नागरिकों को नकद प्रोत्साहन देना। वर्तमान में अमेरिका का वार्षिक कस्टम राजस्व लगभग $80 से $90 अरब डॉलर के बीच है, जो ट्रंप युग के टैरिफ बढ़ोतरी के बाद लगभग दोगुना हुआ है। उदाहरण के लिए, चीन से आने वाले स्टील, एल्युमिनियम, इलेक्ट्रॉनिक सामान, सोलर मॉड्यूल, बैटरियों और वाहनों पर अमेरिका ने औसतन 25% तक आयात शुल्क लगाया है, जिससे अमेरिकी खज़ाने को पिछले पांच वर्षों में $350 अरब डॉलर से अधिक की अतिरिक्त आमदनी हुई है। यही धनराशि अब 'टैरिफ डिविडेंड' के रूप में आम जनता तक पहुंचाने की बात की जा रही है।

अमेरिका के लिए यह योजना कई दृष्टियों से लाभकारी हो सकती है। सबसे पहले, यह नीति घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देती है। जब विदेशी माल महंगा हो जाता है, तो अमेरिकी कंपनियां अपनी फैक्ट्रियों में उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित होती हैं। इससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है। 2024 के आंकड़ों के अनुसार, 'री-शोरिंग' नीतियों के कारण अमेरिका में लगभग 3.5 मिलियन नई नौकरियां पैदा हुई हैं। दूसरा लाभ यह है कि टैरिफ डिविडेंड से नागरिकों की खरीदने की क्षमता बढ़ती है। नकद सहायता मिलने पर उपभोक्ता खर्च बढ़ाते हैं, जिससे स्थानीय व्यापार, सेवा क्षेत्र और रिटेल उद्योग को बल मिलता है। तीसरा लाभ राजनीतिक है। सरकार यह दिखा सकती है कि 'विदेशी सामान पर लगाया गया शुल्क' अब देश के लोगों को सीधे लाभ पहुंचा रहा है, जिससे मतदाता समर्थन भी बढ़ सकता है।

इस नीति की कुछ सीमाएं और खतरे भी हैं। आयात महंगा होने से अमेरिका में वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिससे महंगाई पर दबाव बनता है। उदाहरण के लिए, स्टील और एल्युमिनियम पर टैरिफ बढ़ने के बाद अमेरिका में निर्माण सामग्रियों की लागत 12% तक बढ़ गई है। इलेक्ट्रॉनिक सामान और ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी औसतन 8–10% मूल्य वृद्धि देखी गई है। इसका असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है और यदि महंगाई बढ़ती है तो 'टैरिफ डिविडेंड' से मिला नकद लाभ जल्दी खत्म हो जाता है। साथ ही, विदेशी देशों के साथ व्यापार तनाव बढ़ने से वैश्विक सप्लाई चेन पर असर पड़ता है, जैसा कि 2018–2020 के 'अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर' में देखा गया था।

अब सवाल यह उठता है कि इस टैरिफ डिविडेंड से भारत को क्या असर और अवसर मिल सकते हैं? भारत के लिए यह स्थिति मिश्रित है। यह एक ओर अवसर है, तो दूसरी ओर चुनौती भी। अवसर इसलिए क्योंकि अमेरिका अब 'फ्रेंड-शोरिंग' (Friend-shoring) यानी भरोसेमंद देशों से सामान मंगाने की नीति पर काम कर रहा है। चीन से दूर जाने की इस प्रक्रिया में भारत एक मुख्य भागीदार बन सकता है। पहले से ही अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। 2024 में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार $200 अरब डॉलर के स्तर को पार कर चुका है, जिसमें भारत ने अमेरिका को लगभग $118 अरब डॉलर का माल निर्यात किया। यदि अमेरिका चीन से आयात घटाकर भारत से बढ़ाता है, तो भारत के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, इंजीनियरिंग, रसायन, वस्त्र और ऑटो पार्ट्स क्षेत्रों में बड़ी वृद्धि के अवसर खुलेंगे।

दूसरी ओर, टैरिफ डिविडेंड की नीति चुनौतियां भी पैदा करती हैं। यदि अमेरिका अपने घरेलू उद्योगों को बचाने के लिए भारतीय सामानों पर भी ऊंचे टैरिफ लगाना जारी रखता है, तो हमारे निर्यातकों को झटका लग सकता है। अमेरिका भारतीय जेम्स-ज्वेलरी, फार्मास्यूटिकल और टेक्सटाइल सेक्टर पर पहले ही 7% से 12% तक शुल्क लगाता है। यदि यह बढ़ा, तो भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता प्रभावित हो सकती है। साथ ही, वियतनाम, मेक्सिको और मलेशिया जैसे देशों की तुलना में भारत को अपनी लॉजिस्टिक लागत (जो वर्तमान में जीडीपी का लगभग 13% है) कम करनी होगी, ताकि उसके उत्पाद अमेरिका में प्रतिस्पर्धी बने रहें।

भारत को इस परिदृश्य में एक संतुलित रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले, निर्यात के नए बाज़ारों जैसे यूरोप, खाड़ी देशों और अफ्रीका में विविधता लानी होगी ताकि किसी एक देश पर निर्भरता कम हो। दूसरा, 'मेक इन इंडिया' और 'पीएलआई योजना' जैसे कार्यक्रमों को और मज़बूत बनाना होगा, ताकि भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरे। तीसरा, गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए तकनीकी सुधार और कुशल श्रम-बल पर ध्यान देना होगा। कहा जा सकता है कि टैरिफ डिविडेंड अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक अभिनव प्रयोग है। यह अल्पकाल में अमेरिकी नागरिकों को राहत दे सकता है और घरेलू उद्योग को सुरक्षा प्रदान कर सकता है, परंतु इसके दीर्घकालिक प्रभाव मिश्रित हैं।

टैरिफ डिविडेंड का मूल विचार यह है कि जब कोई देश, विदेशी वस्तुओं पर आयात शुल्क (टैरिफ) लगाकर भारी राजस्व प्राप्त करता है, तो उस राजस्व का एक हिस्सा अपने नागरिकों को सीधे 'डिविडेंड' या बोनस के रूप में लौटाया जाए।

आमने सामने

ये लोग खुलेआम कहते हैं कि उनकी चार पत्नियां और 19 बच्चे हैं। मेरा सुझाव है कि हमें कम से कम तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए। वे बड़ी संख्या में बच्चे पैदा करके हिंदुस्तान को पाकिस्तान बनाना चाहते हैं, तो हम सिर्फ एक बच्चे से क्यों संतुष्ट हों?
–नवनीत राणा
भाजपा नेता

बच्चे तो पैदा कर लोगे, लेकिन उनका भविष्य क्या होगा? भारत युवाओं का देश है, यहां बड़ी तादाद में 40 साल से कम उम्र के लोग हैं, लेकिन सरकार उन्हें नौकरियां नहीं दे रही। मोदी कहते हैं कि हम नौकरियां नहीं दे सकते, तुम गोरक्षक बनो।
–असदुद्दीन ओवैसी
एआईएमआईएम प्रमुख

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की हत्या पर चुप्पी

डॉ. विकास शुक्ला
चिकित्सक

पड़ोसी देश बांग्लादेश हिंसा की आग में जल रहा है। कट्टरपंथी ताकतों के आगे मोहम्मद यूनुस की सरकार ने घुटने टेक दिए हैं। उन्मादी भीड़ ने पहले बेगुनाह दीपू चंद्र दास को ईशनिंदा के झूठे आरोप में पीट-पीटकर मार डाला। फिर पेट्रोल डालकर शव को आग के हवाले किया। इसके बाद अमृत मंडल और बजेंद्र बिस्वास को मौत के घाट उतारा गया। दवा कारोबारी खोकन चंद्र दास को चाकुओं से गोदने के बाद पेट्रोल डालकर जलाया गया। इन घटनाओं पर अंतर्राष्ट्रीय चुप्पी समझ से परे है। अल्पसंख्यक हितों पर भारत को मानवता का पाठ पढ़ाने वाला अमेरिका भी खामोश है, तो यूरोपीय देश भी मौन साधे हुए हैं। ऐसा क्यों? समझ में नहीं आ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र संघ को अल्पसंख्यक हिंदुओं की कब्रगाह बन रहे बांग्लादेश में हस्तक्षेप करना चाहिए, लेकिन थोथी बयानबाजी के अलावा वहां से भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अगले माह बांग्लादेश में चुनाव होने हैं। उम्मीद लगाई जा रही है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को वहां सत्ता की कमान मिल सकती है। यदि ऐसा होता है, तो हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कुछ हद तक हो सकती है। कहीं कट्टरपंथी जमात और उसके सहयोगी संगठन सत्ता में आए तो अल्पसंख्यकों का हाल वही होगा जो अभी हो रहा है। बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार उन पर कार्रवाई करने के बजाय सत्ता का सुख भोग रहे हैं।

शेख हसीना के शासन में अल्पसंख्यक हिंदू सुरक्षित रहे हैं। जब भी उनके विरुद्ध उन्माद भड़का, सरकार ने कठोर कार्रवाई की और उन्मादियों को गिरफ्तार कराया। पिछले साल छात्र आंदोलन में शेख हसीना को सत्ता से हाथ धोना पड़ा और वह भाग कर भारत आ गईं। इसके बाद से अल्पसंख्यक हिंदुओं का जीना मुहाल हो गया है। बांग्लादेश जब 1971 में स्वतंत्र हुआ, तक वहां अल्पसंख्यक हिंदुओं की आबादी 20 फीसद थी, लेकिन उत्पीड़न व अन्य कारणों से हुए पलायन के कारण अब यह जनसंख्या सिर्फ आठ फीसद रह गई है। यही वजह कि न तो वे प्रतिरोध कर पा रहे हैं और न ही अपनी आवाज को ठीक से उठा पा रहे हैं।

शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग के समर्थक माने जाने वाले हिंदुओं को उम्मीद जगी थी कि मोहम्मद यूनुस के राज में उनका हित सुरक्षित रहेगा, लेकिन कट्टरपंथियों को मिले बढ़ावे से उनकी उम्मीदें न सिर्फ धूल धूसरित हो गईं, बल्कि अब जान बचानी भी उनके लिए मुश्किल हो गई है। वे डर-डर के जी रहे हैं। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय मोहम्मद यूनुस अब भारत को लोकतंत्र और मानवाधिकार का पाठ पढ़ा रहे हैं। बिना जनादेश वाले यूनुस केवल कट्टरपंथी ताकतों के हाथों की कठपुतली बनकर रह गए हैं और भारत में अल्पसंख्यकों के विरुद्ध हुई कथित घटनाओं का हवाला दे रहे हैं।

उन्हें यह समझना होगा कि भारत में अल्पसंख्यक लोकतंत्र का अहम अंग हैं। जबकि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक केवल दोयम दर्जे के नागरिक बन कर रह गए हैं, जहां उन्हें कट्टरपंथियों के हाथों मारा जा रहा है। दीपू दास व अन्य लोगों की मॉब लिंचिंग बांग्लादेश के हालात को बयां कर रही है। भारत सरकार को चाहिए कि वह इस संबंध में जरूरी कदम उठाए, ताकि वहां मॉब लिंचिंग रुक सके। यह मुद्दा संयुक्त राष्ट्र संघ में भी उठाया जाना चाहिए। इसके लिए संघ की आपात बैठक बुलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रयास करना चाहिए, ताकि बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को पूरी दुनिया के सामने बेनकाब किया जा सके।

मोहम्मद यूनुस ने कट्टरपंथियों के विरुद्ध अभी तक कोई ऐसा कदम नहीं उठाया है, जो कि हिंसा रोकने के लिए कारगर हो, जबकि उन्होंने आवामी लीग को चुनाव से रोकने के लिए उस पर प्रतिबंध जरूर लगा दिया। बांग्लादेश में जो हालत बन रहे हैं वे अच्छे नहीं हैं। अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन, इटली, जर्मनी जैसे देशों पर इस बात का दबाव डाला जाना चाहिए कि वे भी बांग्लादेश पर कूटनीतिक दबाव डालें, ताकि वहां मॉब लिंचिंग रुके। अन्यथा बचे-खुचे अल्पसंख्यक हिंदुओं को वहां से पलायन करना होगा।

बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, उसके लिए पाकिस्तान तो जिम्मेदार है ही, चीन भी कुछ हदतक जिम्मेदार है। आज बांग्लादेश चीन और पाकिस्तान की गोद में खेल रहा है। पाकिस्तान तो हिंदुओं का दुश्मन पहले से ही रहा है। चीन को यह बात समझनी होगी कि वहां बढ़ता कट्टरपंथ उसके लिए भी किसी खतरे से कम नहीं है। बीएनपी की सरकार बनने पर क्या वहां हालात सुधरेंगे? विदेशी मामलों के जानकार यह मानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है। बीएनपी का इतिहास भारत विरोधी रहा है। वह जब भी सत्ता में रही, वहां कट्टरपंथियों और आतंकियों ने अपनी जड़ें मजबूत कीं। तब भी हिंदुओं के विरुद्ध वहां हिंसक घटनाएं हुईं। ऐसे में चुनाव बाद हालात बदल जाएंगे यह सोचना उचित नहीं होगा।

शेख हसीना के शासन में अल्पसंख्यक सुरक्षित रहे हैं। शेख हसीना को सत्ता से बेदखल कर दिया गया। इसके बाद से अल्पसंख्यकों का जीना मुहाल हो गया है।

सोशल फोरम

जिंदगी के लिए अनोखी जंग

डॉक्टर बोले- ब्लड कैंसर है। बचना मुश्किल है। जब मौत सामने थी और दवा ने जवाब दे दिया, तब उस आदमी ने जंगल और बर्फीली नदी से जिंदगी की नई कहानी लिखी।

52 वर्षीय एक व्यक्ति की कहानी इस सोच को नई ऊर्जा देती है। उन्हें ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर) और लिंफोमा (लसीका ग्रंथि का कैंसर) हुआ। डॉक्टरों ने तुरंत कीमोथेरेपी और रेडिएशन की सलाह दी, लेकिन उन्होंने conventional treatment को ठुकराकर नेचुरल कैंसर हीलिंग का मार्ग अपनाया।

अजीत सिंह
ब्लॉगर

इस व्यक्ति ने खुद को एक 'प्राकृतिक ट्रायल' में झोंक दिया। उन्होंने 4C के बर्फीले पानी में 187 मील तैरने का संकल्प लिया। यह किसी भी औसत व्यक्ति के लिए असंभव लगता है, लेकिन उनके लिए यह प्रकृति से जुड़ने का एक जरिया था। नेचुरल कैंसर हीलिंग के तहत ठंडे पानी में तैरना न सिर्फ शरीर को झटका देता है, बल्कि इम्यून सिस्टम को भी जागृत करता है।

187 मील (करीब 300 किलोमीटर) तैराकी 4C के बर्फीले पानी में की। हर हफ्ते एक रात जंगल में बिताई। कैंसर से लड़ने के बजाय जीवन से प्यार करने का नजरिया अपनाया। हर हफ्ते एक रात वह जंगल में अकेले बिताते थे। कोई गैजेट नहीं, कोई इंसानी संपर्क नहीं। सिर्फ पेड़, चांदनी और उनके विचार। यह प्रकृति से गहन संपर्क नेचुरल कैंसर हीलिंग का एक अनिवार्य हिस्सा है, जहां शरीर को नकारात्मकता से मुक्ति मिलती है।

पहली तैराकी के बाद जब ब्लड टेस्ट हुआ तो ल्यूकेमिया गायब हो चुका था। उनके कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर ने यहां तक कहा, 'अगर मैंने खुद उनका टेस्ट नहीं किया होता, तो यकीन नहीं करता कि उन्हें कभी कैंसर था!'

इस तरह के प्राकृतिक तरीकों को आज विज्ञान भी समर्थन देता है। जापान में हुए एक शोध में पाया गया कि जंगल में 72 घंटे बिताने पर नेचुरल किलर सेल्स (NK Cells) की संख्या 50 से 200 गुना तक बढ़ जाती है। ये वही कोशिकाएं हैं जो कैंसर से लड़ती हैं। नेचुरल कैंसर हीलिंग में प्रयोग होने वाले शारीरिक और मानसिक व्यायाम, जैसे तैराकी और मेडिटेशन, इम्यून सिस्टम को पुनर्जीवित करने में सहायक हैं।

कोल्ड वाटर में डुबकी लगाने से एंटी-इंफ्लेमेटरी हार्मोन्स सक्रिय होते हैं, जिससे शरीर खुद को मरम्मत करता है। सच है कि दवाएं आखिरी विकल्प होनी चाहिए, पहली नहीं। हर दवा के साइड इफेक्ट होते हैं, लेकिन प्रकृति के सिर्फ फायदे होते हैं। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

आर्थिक महाशक्ति भारत व आम लोगों का जीवन स्तर

आज भारत 4.187 ट्रिलियन डॉलर के साथ विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और उसने जापान को पीछे कर दिया है। भारत सबसे तेज गति वाली अर्थव्यवस्था है और वह दिन दूर नहीं है, जब भारत में कामगार आबादी एक अरब होगी। फिलहाल भारत की कुल आबादी 1.47 अरब को पार कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और कई विख्यात रेटिंग एजेंसियां 2025-26 (31 मार्च, 2026 तक) वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक विकास दर औसतन 7 फीसदी आंक रही हैं। देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन इससे भी अधिक विकास दर को लेकर आशान्वित हैं।

जर्मनी 4.7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के कगार पर है। ऐसी अनुकूल स्थिति के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने शीर्ष नौकरशाहों को यह सलाह क्यों दी है कि 'विनियमन प्रकोष्ठ' स्थापित किए जाएं। प्रधानमंत्री देश की बढ़ती आर्थिक ताकत के रास्ते में किसी भी नियम, कानून और प्रक्रिया को रोड़ा बनने के पक्षधर नहीं हैं। साफ है कि प्रधानमंत्री सुधारों को गति देना चाहते हैं।

आकाश सपेलकर
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

नीति आयोग ने 2017 की अपनी रपट में स्वीकार किया था कि भारत में एक दुकान स्थापित करने में औसतन 118 दिन लगते थे। असम में यह अवधि 248 दिन तक फैल जाती थी। बेशक आज स्थितियां तुलनात्मक रूप से बेहतर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने फालतू के सैकड़ों कानूनों को खत्म किया है, लेकिन प्रक्रियाएं आज भी व्यापार, उद्योग के पहिये को अवरुद्ध कर रही हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री को 'विनियमन प्रकोष्ठ' स्थापित करने की बात कहनी पड़ी है।

यदि भारत 2047 तक 'विकसित राष्ट्र' बनना चाहता है, तो ऐसी स्थितियां बनानी पड़ेंगी, जिनमें कायदे-कानून और फालतू की प्रक्रियाएं 'शासन' न करती हों, बल्कि नियमन को सहज-सुगम बनाती हों। अब भारत ऐसा देश है, जिसमें 2025 में 1.95 लाख करोड़ रुपये के आईपीओ आए और डीमैट खातों की संख्या 21 करोड़ के पार चली गई। अभी तक 1350 स्टार्टअप में 25,320 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है।

आज भारत 159 प्रकार के गोला-बारूद, गोलियां, रॉकेट आदि का उत्पादन देश में ही कर रहा है। रक्षा-क्षेत्र करीब 91 फीसदी आत्मनिर्भर हो चुका है। 'मेक इन इंडिया' उत्पादों में ब्रह्मोस और पिनाका मिसाइलों की मांग बढ़ रही है। 2029 तक भारत ने 50,000 करोड़ रुपये के रक्षा-निर्यात का लक्ष्य तय किया है। आधा तो हम हासिल कर चुके हैं। बहरहाल संसद में बजट पेश करते हुए राजकोषीय घाटे का जो लक्ष्य तय किया गया था, वह नियंत्रण में है। मुद्रास्फीति 0.7 फीसदी तक गिर गई है। चालू खाते का घाटा दोगुना हो सकता है, लेकिन यह जीडीपी के 1.2 फीसदी तक ही रहेगा, जो एक सहज स्थिति है।

यह हमारी आर्थिक और बाजारी ताकत है कि गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन जैसी विख्यात बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में 67.5 अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणाएं की हैं। आज भारत महाशक्ति के जिस अवतार में है, उसमें बहुआयामी गरीबी, बेरोजगारी, किसानी, श्रम, पानी आदि को लेकर जो संकटग्रस्त स्थितियां हैं, वे बहुत बड़ा सवालिया निशान भी हैं। कमोबेश 2026 में उन पर प्राथमिकता के स्तर पर विचार किया जाना चाहिए। भारत को आर्थिक क्षेत्र में अभी लंबा सफर तय करना है। पर इन सभी सांख्यिकी ऊंचाइयों का प्रभाव समान्य लोगो के जीवन पर पड़ना चाहिए, जिससे कि उनके जीवन का भी सांख्यिकी विकास हो।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

बोधकथा

सुनने का महत्व

एक वर्ष तक वनवास का जीवन जीने के बाद युवराज का मन अपने राज्य लौटने को व्याकुल हो उठा। उसे लगता था कि अब वह बहुत कुछ सीख चुका है, परंतु गुरु की आज्ञा के आगे उसका आग्रह ठहर नहीं सका। विवश होकर वह फिर से उसी घने जंगल की ओर चल पड़ा, जहां मौन ही सबसे बड़ा गुरु था। दिन बीतते गए। वृक्षों की सरसराहट, पक्षियों की चहचहाहट और बहती हवा की आवाजें उसे पहले जैसी ही प्रतीत होती रहीं। कोई नवीन अनुभव नहीं, कोई नई अनुभूति नहीं। युवराज के मन में बेचैनी घर करने लगी। क्या यही वह शिक्षा थी, जिसके लिए उसे फिर वन में भेजा गया था?

एक दिन उसने ठान लिया कि अब वह केवल कानों से नहीं, मन से सुनेगा। उसने अपने भीतर के शोर को शांत किया और हर ध्वनि को पूरे ध्यान से ग्रहण करने लगा। तभी एक सुबह, जब जंगल अभी नींद से जाग ही रहा था, उसे कुछ अज्ञात-सी, अत्यंत सूक्ष्म आवाजें सुनाई देने लगीं। ये आवाजें कानों से अधिक आत्मा में उतरती चली गईं। समय के साथ उसकी संवेदनशीलता बढ़ती गई। अब उसे कलियों के खिलने की मूक ध्वनि सुनाई देने लगी। धरती पर उतरती सूर्य-किरणें उसे किसी कोमल राग की तरह प्रतीत होने लगीं। तितलियों की उड़ान में गीत था और घास की पत्तियां सुबह की ओस को ऐसे पीती थीं, मानो प्रकृति स्वयं संवाद कर रही हो। कुछ दिनों बाद युवराज गुरु के चरणों में उपस्थित हुआ। उसने विनम्रता से कहा, "गुरुदेव, जब तक मैं सतही रूप से सुनता रहा, मुझे कुछ नया नहीं मिला, लेकिन जिस दिन मैंने ध्यान से सुनना सीखा, उस दिन मुझे वह सब सुनाई देने लगा जो शब्दों में नहीं था।"

गुरु मुस्कुराए और बोले, "यही शिक्षा है, जो शासक अनकही पीड़ा को सुन ले, बिना बोले भावनाएं समझ ले, वही सच्चा राजा होता है। अनसुनी आवाजों को सुनने की क्षमता ही जनविश्वास की नींव है।" इससे हमको शिक्षा मिलती है कि सच्चा नेतृत्व आदेश देने से नहीं, संवेदनशील सुनने से जन्म लेता है, जो अनकहे को सुन ले, वही लोगों के दिलों पर राज करता है।

– पंकज शर्मा

शुभ मंगल और कल्याण का प्रतीक
स्वास्तिक

भारतीय संस्कृति में प्रतीकों का बड़ा महत्व है। यह प्रतीक अपने भीतर अनेक रहस्यों को समेटे रहते हैं, लेकिन इनका रहस्य वही जान सकता है, जो संस्कृति के इन प्रतीकों को गहराई से जानता एवं समझता हो। शेष लोगों के लिए प्रतीक केवल प्रतीक जैसे ही होते हैं। भारतीय संस्कृति में 'स्वास्तिक' भी एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। इसे सूर्य का प्रतीक माना जाता है। वैसे भारतीय संस्कृति में स्वास्तिक के अनगिनत आयाम हैं और इसे तरह-तरह से अभिव्यक्त किया गया है। स्वास्तिक का सामान्य अर्थ आर्शीवाद देने वाला, मंगल या पुण्य कार्य करने वाला है। यह शुभ या मांगलिक कार्यो एवं पुण्यकृतियों की स्थापना के रूप में प्रकट किया जाता है।

पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

स्वास्तिक का प्रतीक 'ॐ'

स्वास्तिक का अर्थ, ऐसे अस्तित्व से है, जो शुभ भावना से सराबोर हो, कल्याणकारी हो, मंगलमय हो, जहां अशुभता, अमंगल एवं अनिष्ट का लेश मात्र भय न हो। स्वास्तिक का अर्थ है ऐसी सत्ता, जहां केवल कल्याण एवं मंगल की भावना ही निहित हो, जहां औरों के लिए शुभ भावना सन्निहित हो। इसलिए स्वास्तिक को कल्याण की सत्ता और उसके प्रतीक के रूप में निरूपित किया जाता है। विघ्नहर्ता श्रीगणेश जी की प्रतिमा की भी स्वास्तिक चिह्न से संगति है। श्रीगणेश जी के सूड़, हाथ, पैर, सिर आदि अंग इस तरह से चित्रित होते हैं कि यह स्वास्तिक की चार भुजाओं के रूप में प्रतीत होते हैं। 'ॐ' को भी स्वास्तिक का प्रतीक माना जाता है। 'ॐ' ही सृष्टि के सृजन का मूल है, इसमें शक्ति, सामर्थ्य एवं प्राण सन्निहित हैं। ईश्वर के नामों में सर्वोपरि मान्यता इसी अक्षर की है। अत: स्वास्तिक ऐसा प्रतीक है, जो सर्वोपरि भी है और शुभ एवं मंगलदायक भी है।

मंगलाचरण के लिए महत्वपूर्ण है स्वास्तिक

स्वास्तिक को शास्त्रों में शुभ एवं कल्याणकारी बताया गया है। प्राचीन काल में हमारे यहां कोई भी श्रेष्ठ कार्य करने से पूर्व मंगलाचरण लिखने की परंपरा थी। यह मंगलाचरण सभी के लिए लिखना संभव नहीं था, परंतु सभी इस मंगलाचरण का महत्व जानते थे एवं उसका लाभ भी लेना चाहते थे। इसलिए ऋषियों ने स्वास्तिक चिह्न की परिकल्पना की, जिससे सभी के कार्य मंगलप्रद ढंग से संपन्न हो सकें। धार्मिक और मांगलिक कार्यों में वेदी पर चावल आदि से स्वास्तिक को उकेरना मंगलमय माना जाता है।

सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि

स्वास्तिक जहां भी बनाया जाता है, वहां की नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करता है। ब्रह्मांड में सकारात्मक ऊर्जा की धारा को अपनी ओर आकर्षित करने की इसमें अद्भुत क्षमता है। इसी को आधार मानकर स्वास्तिक को अलग-अलग वस्तुओं से बनाया जाता है, जिनके अलग-अलग अर्थ होते हैं। जैसे सिंदूर या अष्टगंध से निर्मित स्वास्तिक शुभ और सात्विक माना जाता है। स्वास्तिक जहां भी होता है, नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करता है और सकारात्मक उर्जा में वृद्धि करता है। इस तरह स्वास्तिक एक श्रेष्ठ एवं मंगलप्रद प्रतीक है, जो सदा कल्याणकारी होता है।

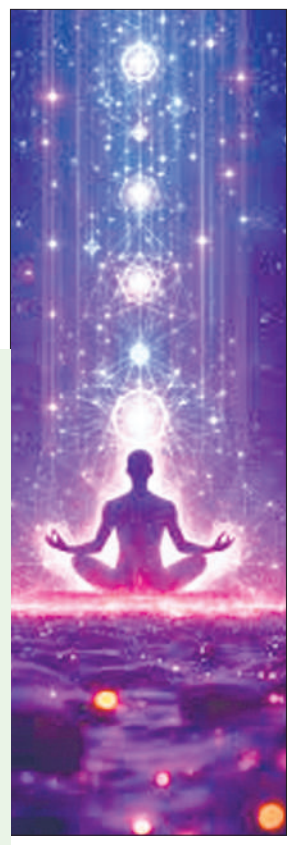

प्राचीन काल से दुनिया की कई संस्कृतियों में प्रमाण

स्वास्तिक को एक प्राचीन वैश्विक प्रतीक भी माना जाता है। हजारों वर्षों से दुनिया की कई संस्कृतियों में इसके प्रमाण मिलते रहे हैं। भारतीय संस्कृति में हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म में स्वास्तिक को सौभाग्य और मंगल का प्रतीक माना गया है। हिंदू धर्म में यह सूर्य, भगवान विष्णु, 'ॐ' और ब्रह्मांड का प्रतीक है। बौद्ध धर्म में बुद्ध के पदचिह्न और जैन धर्म में यह 24 तीर्थंकरों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है। भारतीय उपमहाद्वीप में सिंधु घाटी सभ्यता से पहले इसके साक्ष्य मिलते हैं। 3,000 ईसा पूर्व की मोहरों में स्वास्तिक चिह्न पाया गया है। इस प्रकार स्वास्तिक एक सार्वभौमिक प्रतीक है, जो विभिन्न संस्कृतियों में शुभता और कल्याण के लिए उपयोग किया जाता रहा है, जबकि भारत में इसका विशेष आध्यात्मिक महत्व है।

महत्वपूर्ण व्रत

सकट चौथ

दिनांक - 6 जनवरी

पूजा का मुहूर्त- रात 8.54 बजे

धर्मशास्त्रों में उल्लेखित सकट चौथ का व्रत सूर्योदय से चंद्रोदय तक रखा जाता है। कई भक्त निर्जला उपवास करते हैं, जबकि कुछ फलाहार या सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। इसके लिए सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें और व्रत का संकल्प लें। दिन भर भगवान गणेश का स्मरण करें। शाम को विधिवत पूजन के बाद चंद्र दर्शन करें और दूध, जल से अर्घ्य दें। इसके बाद व्रत का पारण करें। निर्जला व्रत कठिन लगे तो फल, दूध या अन्य हल्का सात्विक भोजन ले सकते हैं, लेकिन नमक से परहेज करना चाहिए।

अधिकमास का साल

डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'रमण'
आध्यात्मिक लेखक

हिंदी पंचांग के अनुसार 2026 अधिकमास वाला साल है। अधिकमास में आठ साल बाद दो ज्येष्ठ माह होंगे, जबकि पिछली बार अधिमास में दो सावन पड़ थे। इस तरह यह साल 13 माह का रहेगा। इसमें पिछले साल की तुलना में ज्यादातर त्योहारों में बदलाव दिखेगा।

इस साल शुरुआत के छह महीने में त्योहार पिछले साल की तुलना में 10 दिन पहले पड़ेंगे और अगले छह महीने में त्योहार 16 से 19 दिन की देरी से पड़ेंगे। इसलिए इस बार होली 10 दिन पहले चार मार्च को पड़ेगी अर्थात चार मार्च और दीपावली पिछले साल से 17 दिन देरी से यानी आठ नवंबर को मनाई जाएगी। अधिकमास को पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं। ज्योतिषीय गणना के अनुसार अधिकमास एक अतिरिक्त चंद्र माह होता है, जो हर तीन साल में सौर कैलेंडर में जोड़ा जाता है। जिस तरह अंग्रेजी कैलेंडर में लीप ईयर होता है, उसी तरह पंचांग में अधिकमास होता है। सौर वर्ष 365 दिन और चंद्र वर्ष 364 दिनों का होता है। ज्योतिष के आधार पर तीन वर्ष में चंद्र और सूर्य वर्ष के बीच आए इन्हीं 11 दिनों के अंतर को खत्म करने के लिए तीन साल में एक बार एक अधिकमास आता है।

ऋषि कश्यप

हमारे ऋषि

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महर्षि कश्यप को संपूर्ण सृष्टि का मूल सृजक माना गया है। कश्यप केवल एक महापुरुष ही नहीं, बल्कि एक व्यापक गोत्र का नाम भी हैं। परंपरा कहती है कि जिस व्यक्ति का गोत्र ज्ञात न हो, उसका गोत्र कश्यप माना जाता है, क्योंकि समस्त जीव-जगत की उत्पत्ति कश्यप ऋषि से ही हुई मानी गई है।

कश्यप ऋषि से जुड़ी एक प्रसिद्ध कथा परशुराम से संबंधित है। कहा जाता है कि भगवान परशुराम ने पृथ्वी को क्षत्रियों से मुक्त कर संपूर्ण धरती अपने गुरु कश्यप मुनि को दान में दे दी। दान स्वीकार करने के बाद कश्यप मुनि ने परशुराम से कहा- "अब तुम मेरी दी हुई भूमि पर निवास मत करो।" गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए परशुराम ने यह संकल्प लिया कि वे रात्रि में पृथ्वी पर नहीं रहेंगे। प्रतिदिन संध्या होते ही वे अपनी तीव्र गमन शक्ति से महेंद्र पर्वत पर चले जाते थे और प्रातः पुनः लौट आते थे।

महर्षि कश्यप का तेज पिघले हुए स्वर्ण के समान वर्णित है। उनकी जटाएं अग्नि-ज्वालाओं की भांति प्रज्वलित रहती थीं। वे ऋषियों में श्रेष्ठ, नीति और धर्म के परम अनुयायी थे। उनका आश्रम मेरु पर्वत के शिखर पर स्थित था, जहां वे ब्रह्म-तत्व के ध्यान में लीन रहते थे। सुरों और असुरों दोनों के मूल पुरुष के रूप में कश्यप मुनि का उल्लेख अनेक पुराणों में मिलता है। श्री नरसिंह पुराण के अनुसार, कश्यप ऋषि की पत्नियों से उत्पन्न मानस पुत्रों से ही सृष्टि का विस्तार हुआ। इसी कारण वे 'सृष्टि के सृजनकर्ता' कहलाए।

पुराणों में उनकी कुल सत्रह पत्नियों का उल्लेख है, जिनमें से तेरह दक्ष प्रजापति की पुत्रियां थीं। इन पत्नियों ने अपने-अपने स्वभाव और गुणों के अनुरूप विभिन्न संतानों को जन्म दिया।

ऋषि की पत्नी अदिति से बारह आदित्यों का जन्म हुआ, जिनमें भगवान विष्णु का वामन अवतार भी सम्मिलित है। यही अवतार मानव रूप में विष्णु का प्रथम अवतार माना जाता है, जिसे दक्षिण भारत में उपेन्द्र कहा गया। अदिति से हिरण्यकश्यप, हिरण्याक्ष और सिंहिका का भी जन्म हुआ। हिरण्यकश्यप का वध भगवान नरसिंह ने और हिरण्याक्ष का वध वराह अवतार ने किया। दनु से दानवों की उत्पत्ति हुई, अरिष्टा से गंधर्व, सुरभि से गौवंश और विनता से गरुड़ तथा अरुण का जन्म हुआ। गरुड़ विष्णु के वाहन बने और अरुण सूर्यदेव के सारथी। क्रोधवशा से हिंसक जीवों तथा कद्रू से नागवंश की उत्पत्ति मानी गई। इन्हीं नागों के कारण कश्मीर को पुराणों में 'नागों की भूमि' कहा गया है।

सकट व्रत : लोक संस्कृति की पावन परंपरा

भारतीय सनातन संस्कृति में व्रत-पर्वों का अद्वितीय महत्व है। इन्हीं पावन व्रतों में से एक है 'तिलकुटी व्रत' या 'सकट चौथ', जो भगवान गणेश जी को समर्पित है। यह व्रत माघ मास के कृष्ण पक्ष चतुर्थी तिथि को विशेष विधि-विधान से मनाया जाता है। माताएं अपनी संतान की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और सर्वांगीण कल्याण के लिए यह व्रत रखती हैं। विघ्नहर्ता गणेश की आराधना से सभी संकटों का निवारण होता है और जीवन में शुभता का संचार होता है। तिलकुटी व्रत को सकट चौथ, संकष्टी चतुर्थी, तिल चतुर्थी और माघी चतुर्थी जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। संकष्टी शब्द का अर्थ संकटों को हरने वाला होता है।

भगवान गणेश को संकट हरने वाले देवता के रूप में पूजा जाता है, इसलिए इस व्रत को संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है। 'तिलकुटी' नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इस दिन तिल और गुड़ से बने पदार्थ, विशेषकर तिलकुट्टा या तिल के लड्डू, भगवान गणेश को भोग स्वरूप अर्पित किए जाते हैं। भगवान गणेश को मोदक और लड्डू अत्यंत प्रिय हैं और तिल के लड्डू इस व्रत का मुख्य प्रसाद होते हैं। भगवान गणेश की वंदना से व्रत का शुभारंभ होता है

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार देवता अनेक विपत्तियों में घिरे हुए थे। वे सहायता मांगने भगवान शिव के पास गए। उस समय कार्तिकेय और गणेश जी भी वहां उपस्थित थे। भगवान शिव ने पूछा कि कौन देवताओं के कष्टों का निवारण कर सकता है।दोनों पुत्रों ने स्वयं को सक्षम बताया। भगवान शिव ने परीक्षा लेते हुए कहा कि जो सबसे पहले पृथ्वी की परिक्रमा करके आएगा वही देवताओं की सहायता करेगा। कार्तिकेय तुरंत अपने मोर पर बैठकर निकल पड़े, लेकिन गणेशजी सोच में पड़ गए कि उनके वाहन चूहे पर पूरी पृथ्वी की परिक्रमा में बहुत समय लगेगा। तब बुद्धिमान गणेशजी ने अपने माता-पिता भगवान शिव और माता पार्वती की परिक्रमा की और कहा कि माता-पिता में संपूर्ण ब्रह्मांड समाया है। इससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने गणेशजी को विजयी घोषित किया और आशीर्वाद दिया कि चतुर्थी के दिन जो भक्तिपूर्वक गणेश की पूजा करेगा और रात्रि में चंद्रमा को अर्घ्य देगा, उसके तीनों ताप- दैहिक, दैविक और भौतिक दूर हो जाएंगे।

जयदेव राठी भराण
स्वतंत्र लेखक

एक साहूकार और साहूकारनी थे, जो धर्म-पुण्य में विश्वास नहीं रखते थे। इस कारण उन्हें संतान सुख प्राप्त नहीं हुआ। एक दिन पड़ोसन सकट चौथ की कहानी सुन रही थी। जब साहूकारनी ने पूछा कि यह क्या है, तो पड़ोसन ने बताया कि इस व्रत से अन्न, धन, सुहाग और संतान की प्राप्ति होती है। साहूकारनी ने मन्नत मांगी कि यदि उसे गर्भ ठहर जाए, तो वह सवा सेर तिलकुट करेगी। उसकी मनोकामना पूर्ण हुई। फिर उसने पुत्र प्राप्ति के लिए ढाई सेर तिलकुट का संकल्प लिया और उसे पुत्र की प्राप्ति हुई, लेकिन समृद्धि आने पर साहूकारनी व्रत और संकल्प भूल गई। परिणामस्वरूप चौथ माता नाराज हो गईं और उनके पुत्र को संकट में डाल दिया। जब साहूकारनी को अपनी भूल का एहसास हुआ, तो उसने ढाई मन का तिलकुट बनाकर विधिपूर्वक सकट चौथ का व्रत किया। गणेश जी और चौथ माता प्रसन्न हुए और उनके पुत्र को सकुशल घर लौटा दिया। माघ मास में तिल का विशेष महत्व है। तिल से स्नान, होम, दान, भोजन और तिल युक्त जल पान - ये षट्तिल कर्म पापों का नाश करने वाले हैं। माघ मास में तिल दान, तिल तेल से भोजन और तिल से हवन करने वाला परम गति को प्राप्त करता है। तिल के औषधीय गुण अद्भुत हैं - यह शरीर में उष्णता उत्पन्न करता है, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम का उत्कृष्ट स्रोत है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है तथा त्वचा और बालों के लिए लाभकारी है। गुड़ भी ऊर्जा का तत्काल स्रोत है और रक्त शुद्धिकरण में सहायक है। तिल-गुड़ का संयोजन शीतकाल में पूर्ण आहार का कार्य करता है। यह हमारे पूर्वजों की वैज्ञानिक सोच का प्रमाण है।

माताएं अपनी संतान की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और निरोगी जीवन के लिए यह व्रत रखती हैं। यह व्रत परिवार में एकता और प्रेम का प्रतीक है। ऐसी मान्यता है कि तिलकुट को पुत्र द्वारा खोलने और भाई-बंधुओं में बांटने से आपसी प्रेम-भावना की वृद्धि होती है। कुछ क्षेत्रों में तिलकुट का बकरा बनाया जाता है जिसकी गर्दन घर का छोटा बच्चा काटता है। बिहार और झारखंड में इसे तिलकुट चौथ, उत्तर प्रदेश में सकट चौथ, राजस्थान में संकष्टी चतुर्थी और महाराष्ट्र में तिल गुड़ घ्या आणि गोड गोड बोला (तिल-गुड़ लो और मीठा बोलो) कहा जाता है।

लोक गीतों में तिलकुटी का विशेष वर्णन मिलता है। बिहार की लोक परंपरा में गाया जाता है: 'माघ मासे के चउथी, करिहैं तिलकुट के पूजा, गणेशा के मनइबै, बिटवा के रक्खइबै' (माघ मास की चौथ पर, करेंगे तिलकुट की पूजा, गणेश को मनाएंगे, बेटे की रक्षा करेंगे)। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब परिवार बिखरते जा रहे हैं, तब तिलकुटी जैसे पर्व परिवार को एक सूत्र में बांधते हैं। यह व्रत हमें अनेक शिक्षाएं देता है।

पौराणिक कथा

तपस्या के साए में जन्मी सवारी

शेर के मां दुर्गा का वाहन बनने की कथा भारतीय पौराणिक परंपरा में तप, त्याग और करुणा की अद्भुत मिसाल है। इस कथा का आरंभ उस समय होता है, जब माता पार्वती भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए वर्षों तक घोर तपस्या में लीन रहती हैं। हिमालय की कठोर जलवायु, एकांत और निरंतर साधना उनके संकल्प को और दृढ़ बना देती है। अंततः उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भोलेनाथ उन्हें अपनी अर्धांगिनी स्वीकार करते हैं। कठोर तपस्या के कारण माता पार्वती का शरीर और रंग रूप बदल जाता है। एक दिन सहज संवाद में भगवान शिव उन्हें "काली" कह देते हैं। यह शब्द माता के मन को गहराई से आहत करता है। आत्मसम्मान और आत्मबोध से प्रेरित होकर वे पुनः वन की ओर प्रस्थान करती हैं और पहले से भी अधिक कठोर तप करने लगती हैं, ताकि वे अपने पूर्ववत गौर स्वरूप को पुनः प्राप्त कर सकें।

उसी वन में एक शेर भटकते-भटकते वहां आ पहुंचता है। देवी को देखकर उसके भीतर उन्हें भोजन बनाने की इच्छा जागती है, पर जैसे ही वह समीप जाता है, माता की तपस्या से उत्पन्न दिव्य तेज उसे रोक देता है। भय और श्रद्धा के मिश्रित भाव से वह हर बार पीछे हट जाता है। दिन बीतते जाते हैं, वर्ष गुजर जाते हैं, पर शेर प्रतीक्षा नहीं छोड़ता। भूखा-प्यासा, वह एक कोने में बैठकर माता के तप पूर्ण होने की बाट जोहता रहता है। अनजाने में वह भी उसी तप का सहभागी बन जाता है।

माता पार्वती की घोर तपस्या से प्रसन्न होकर अंततः भगवान शिव प्रकट होते हैं और उन्हें वर मांगने को कहते हैं। माता विनम्रता से अपने गौर वर्ण की कामना प्रकट करती हैं। भगवान शिव उनका वरदान पूर्ण करते हैं। स्नान के समय माता के शरीर से कौशिकी देवी का प्राकट्य होता है और तप से उत्पन्न काला रंग विलीन हो जाता है। तभी से माता पार्वती "मां गौरी" के नाम से विख्यात होती हैं। स्नान के उपरांत जब माता वन से बाहर आती हैं, तो उनकी दृष्टि उस शेर पर पड़ती है, जो अब भी भूखा, थका हुआ और शांत भाव से एक ओर बैठा था। उसका धैर्य और प्रतीक्षा माता के हृदय को द्रवित कर देती है। वे भगवान शिव से कहती हैं- "नाथ, जितना तप मैंने किया, उतना ही इस शेर ने भी मेरे साथ सहन किया है। इसने मेरे तप की मर्यादा रखी है।"

माता की करुणा से प्रसन्न होकर भगवान शिव शेर को उनका वाहन बना देते हैं। तभी से माता शेर पर आरूढ़ होकर मां दुर्गा, मां शेरावाली के रूप में पूजित हुईं, जहां शेर शक्ति और साहस का प्रतीक है और माता उस शक्ति की नियंत्रक करुणामयी अधिष्ठात्री।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,439.62	26,250.30
गिरावट	322.39	78.25
प्रतिशत में	0.38	0.30

सोना 1,40,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,44,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 6 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2535, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2265, रविन्द्रा 2410, फॉर्चुन 13 किग्रा 1995, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1860, उजाला 1930, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2160, मोर 2185, चक्र टिन 2300, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2295, स्वास्तिक 2490

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1किग्रा,5किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4260, बहेड़ी 4200

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3000, मसूरी- 900, बासमती- 5200, परमल- 1300

दाल दलहन : काला चना- 2400, साबुत चना दाल- 1900, मूंग साबुत- 4400, राजमा- 8000-11400, दाल उड़द- 5000, साबुत मसूर दाल- 3000, मसूर दाल- 2100, उड़द साबुत- 4200, काबुली चना- 8200, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 1700

यूरिया आयात दोगुना, 71.7 लाख टन पहुंचा

एफएआई ने कहा- देश के किसानों की मांग की पूर्ति के लिए विदेश पर बढ़ी भारत की निर्भरता

- अप्रैल-नवंबर 2024-25 में आयात गत वर्ष की तुलना में 120.3 प्रतिशत बढ़ा
- नवंबर माह में यूरिया का आयात 68.4 प्रतिशत बढ़कर 13.1 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू उत्पादन में गिरावट से चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले आठ महीने में भारत का यूरिया आयात दोगुने से अधिक होकर 71.7 लाख टन हो गया है जो किसानों की मांग को पूरा करने के लिए विदेशी आपूर्ति पर देश की बढ़ती निर्भरता को दर्शाता है। फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-नवंबर 2024-25 के दौरान यूरिया का आयात पिछले वर्ष की इसी अवधि के 32.6 लाख टन की तुलना में 120.3% बढ़कर 71.7 लाख टन हो गया।

आंकड़ों के अनुसार, घरेलू यूरिया उत्पादन अप्रैल 2025 से नवंबर 2025 के बीच 3.7% घटकर 1.97 करोड़ टन रहा। कुल यूरिया बिक्री 2.3% बढ़कर 2.54 करोड़ टन तक पहुंच गई। एफएआई के चेयरमैन एस. शंकर सुब्रमण्यम ने कहा कि हमने समन्वित योजना के माध्यम से बिक्री में वृद्धि हासिल की है लेकिन आयात पर महत्वपूर्ण निर्भरता (विशेष रूप से यूरिया और डीएपी के लिए) रणनीतिक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के महत्व को दर्शाती है। यूरिया का आयात नवंबर माह में 68.4% बढ़कर 13.1 करोड़ टन हो गया, जबकि नवंबर 2024 में यह 7.8 लाख टन था। यूरिया की बिक्री पिछले वर्ष की तुलना में नवंबर माह में 4.8% बढ़कर 37.5 लाख टन हो गई। अन्य महत्वपूर्ण मृदा पोषक तत्व, डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की आयात पर निर्भरता भी बढ़ रही है। डीएपी का आयात अब कुल आपूर्ति का 67% है जो गत वर्ष 56% था। 2025-26 के अप्रैल-नवंबर के दौरान इसकी बिक्री 71.2 लाख टन पर स्थिर रही। घरेलू डीएपी उत्पादन में 5.2% की गिरावट आई और यह 26.8 लाख टन रह गया।

स्वदेशी उर्वरकों की बिक्री में 15% की वृद्धि

एफएआई के महानिदेशक डॉ. सुरेश कुमार चौधरी ने कहा कि इन आंकड़ों में दो प्रमुख बातें सामने आई हैं। पहला, नाइट्रोजन और फॉस्फेट पोषक तत्वों के लिए आयात-आधारित आपूर्ति प्रबंधन की ओर संरचनात्मक बदलाव है। दूसरा, एसएसपी जैसे स्वदेशी फॉस्फेट उर्वरकों का मजबूत प्रदर्शन है जिनकी बिक्री में 15% की वृद्धि हुई है। चौधरी ने कहा कि यह एक संतुलित दृष्टिकोण का संकेत है। हम नियोजित आयात के माध्यम से महत्वपूर्ण पोषक तत्वों को सुरक्षित कर रहे हैं। साथ ही घरेलू स्तर पर फॉस्फेट उत्पादन को भी मजबूत कर रहे हैं।

यूरिया पर सब्सिडी देगी केंद्र सरकार

भविष्य में एफएआई, सतत कृषि को समर्थन देने के लिए डेटा-आधारित योजना और पोषक तत्वों के उपयोग में विविधता लाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। केंद्र सरकार द्वारा यूरिया पर सब्सिडी दी जाती है। एक नवंबर 2012 से इसकी कीमत 242 रुपये प्रति 45 किलोग्राम बोरा (नीम कोटिंग शुल्क व करों को छोड़कर) पर यथावत है। नई यूरिया नीति के तहत नियंत्रित वस्तु के रूप में वर्गीकृत यूरिया को फॉस्फेटिक उर्वरक की तुलना में काफी अधिक सब्सिडी मिलती है।

रिजर्व बैंक ने खरीदी 50,000 करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियां

मुंबई, एजेंसी

- आरबीआई ने बैंकों के पास नकदी की उपलब्धता बढ़ाने के तहत की खरीदारी
- चार समान किस्तों में दो लाख करोड़ की सरकारी खरीद के तहत ये दूसरी किस्त

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को खुले बाजार से 50,000 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां खरीदीं। केंद्रीय बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों के पास नकदी की उपलब्धता बढ़ाने के उपायों के तहत यह खरीद की है। यह चार समान किस्तों में दो लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद के तहत दूसरी किस्त है।

रिजर्व बैंक की ओर से बताया गया कि उसने सात तरह की प्रतिभूतियों की खरीद की है, जिनकी मियाद साल 2029 से 2054 तक अलग-अलग समय में पूरी हो रही है। इसमें तीन साल, छह साल, आठ साल, नौ साल, 10 साल, 14 साल और 28 साल की प्रतिभूतियां शामिल हैं। इन प्रतिभूतियों पर 7.09 से 8.30% ब्याज दर हैं। पहली किस्त में 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां 29 जनवरी को खरीदी गयी थीं। अगली दो किस्तों के तहत 12 जनवरी और 22 जनवरी को खरीद की जाएगी। दिसंबर में इससे पहले भी दो किस्तों में केंद्रीय बैंक ने एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद की थी।

49 क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज एफआईयू में हुए पंजीकृत

नई दिल्ली, एजेंसी

- धन शोधन व आतंकी वित्तपोषण रोकने को किया गया पंजीकरण

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 49 क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) के पास पंजीकृत हुए। रिपोर्ट के अनुसार इनमें से ज्यादातर भारत में स्थित हैं। यह पंजीकरण इस क्षेत्र से धन शोधन और आतंकवादी वित्तपोषण से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए देश की कानूनी व्यवस्था के तहत किया गया है। इन एक्सचेंजों द्वारा संघीय एजेंसी को दी गई संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट (एसटीआर) के विश्लेषण में पाया गया कि क्रिप्टो फंड का दुरुपयोग हवाला, जुआ, घोटाले, धोखाधड़ी और अवैध वयस्क सामग्री वाली वेबसाइट चलाने जैसी गंभीर आपराधिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा था।

कानूनी भाषा में क्रिप्टो करेंसी को आभासी डिजिटल परिसंपत्ति (वीडीए) कहा जाता है और इनमें व्यापार करने वाले एक्सचेंजों को वीडीए सेवा प्रदाता (वीडीए एसपी) कहा जाता है। इन एक्सचेंजों को 2023 में भारत के धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) से जुड़ी रिपोर्टिंग प्रणाली के तहत लाया गया था। पीएमएलए के तहत रिपोर्टिंग संस्था होने के नाते, इन एक्सचेंजों को एफआईयू को संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट सौंपनी होती है। एफआईयू एक संघीय एजेंसी है जो भारतीय वित्तीय प्रणाली के किसी भी दुरुपयोग को रोकने और उसका पता लगाने के लिए काम करती है।

50 शहरों में स्विगी शुरू करेगा ईट-राइट

नई दिल्ली। स्विगी ने सोमवार को ईट-राइट नाम से नई श्रेणी शुरू करने की घोषणा की है, जो 50 से अधिक शहरों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपयोगकर्ताओं को लक्षित करती है। इस पहल से एक ही स्थान पर उच्च प्रोटीन, कम कैलोरी और बिना अतिरिक्त चीनी वाले भोजन जैसे सेहतमंद विकल्प दिए जाएंगे।

खाद्य वितरण मंच ने अपने ऑर्डर के आधार पर कुछ रोचक तथ्य भी साझा किए हैं। इसके अनुसार भारत के टियर-2 शहरों में महानगरों की तुलना में स्वास्थ्यवर्धक भोजन के ऑर्डर में सालाना आधार पर दोगुनी वृद्धि देखी गई है। इस दौड़ में चंडीगढ़, गुवाहाटी, लुधियाना और भुवनेश्वर सबसे आगे रहे हैं। ईट-राइट के जरिये दो लाख से अधिक रेस्तरां के 18 लाख से अधिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाएंगे।

अगले दशक में 10 करोड़ नौकरी देगा उद्योग जगत

नयी दिल्ली, एजेंसी

- नए कार्यबल को खपाने के लिए हर साल 80 से 90 लाख नौकरियों के सृजन की जरूरत

उद्योग जगत के दिग्गजों के समूह ने सोमवार को हंड्रेड मिलियन जॉब्स (10 करोड़ नौकरियां) नामक राष्ट्रीय पहल की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य आगामी दशक में भारत में 10 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा करना है, क्योंकि देश तेज आर्थिक वृद्धि के बावजूद अपर्याप्त रोजगार की समस्या से जूझ रहा है। आयोजकों ने कहा कि इस मुहिम की घोषणा सॉफ्टवेयर उद्योग निकाय नैसकॉम के सह-संस्थापक हरीश मेहता, वैश्विक उद्यमी नेटवर्क ''द इंडस एंटरप्रेन्योर्स'' (टीआईई) के संस्थापक ए जे पटेल और सेंटर फॉर इनोवेशन इन पब्लिक पॉलिसी (सीआईपीपी) के संस्थापक के यतीश राजावत ने की।

संस्थापकों ने कहा कि भारत में कार्यशील आयु की जनसंख्या प्रतिवर्ष 1.2 करोड़ की दर से बढ़ रही है, जबकि विनिर्माण जैसे पारंपरिक रोजगार के साधन विस्तार करने में संघर्ष कर रहे हैं। नए कार्यबल को खपाने और अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए देश को हर साल 80 से 90 लाख नौकरियां सृजित करने की जरूरत है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के बाद भी भारत में रोजगार की वृद्धि दर उत्पादन विस्तार की तुलना में पीछे रही है। स्वचालन और कृत्रिम मेधा (एआई) व्यापार के तौर-तरीकों को बदल रहे हैं और कई क्षेत्रों में शुरुआती स्तर के पदों को कम कर रहे हैं। ऐसे में यह चिंता बढ़ गई है कि आर्थिक वृद्धि रोजगार सृजन से पूरी तरह कट सकती है।

स्टार्टअप और लघु उद्योग का जीडीपी में 30% योगदान

हंड्रेड मिलियन जॉब्स मिशन उद्यमिता, कौशल विकास और श्रम-प्रधान उद्यमों को भारत की रोजगार रणनीति के केंद्र में रखता है। इस पहल का लक्ष्य रोजगार सृजन को आर्थिक वृद्धि का एक मुख्य मानक बनाना है, जिसका ध्यान विभिन्न क्षेत्रों में विकेंद्रीकृत और सुदृढ़ आजीविका सुनिश्चित करने पर होगा। हरीश मेहता ने कहा कि हंड्रेड मिलियन जॉब्स रोजगार सृजनकर्ताओं - उद्यमियों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों और नियोक्ताओं - को मजबूत करने का एक व्यवस्थित प्रयास है। इसके तहत कौशल, उद्यम, डेटा और नीति में सामंजस्य बिठाकर अगली पीढ़ी के लिए लचीली और गरिमापूर्ण आजीविका सुनिश्चित की जाएगी। एजे पटेल ने कहा कि स्टार्टअप और लघु उद्योग, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 30 प्रतिशत का योगदान देते हैं और सबसे बड़े नियोक्ता हैं, उनका विस्तार बड़े शहरों से आगे होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर भारत को प्रतिवर्ष 80-90 लाख नौकरियां सृजित करनी हैं, तो कुछ ढांचागत बाधाओं को दूर करना होगा ताकि उद्यमिता आम लोगों के लिए एक व्यावहारिक साधन बन सके।

राष्ट्रीय

सोमनाथ मंदिर अदम्य भावना का प्रतीक : मोदी

विदेशी आक्रमणकारियों के हमलों के बाद पुनर्निर्मित मंदिर का 11 जनवरी को करेंगे प्रधानमंत्री दौरा

नई दिल्ली, एजेंसी

- मोदी ने कहा- 1951 में मंदिर के उद्घाटन से अधिक उत्साहित नहीं थे नेहरू

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विदेशी आक्रमणकारियों के बार-बार हमलों के बाद पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर का 11 जनवरी को दौरा करेंगे। मोदी ने सोमनाथ मंदिर की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि गुजरात स्थित यह मंदिर भारतीय सभ्यता की अदम्य भावना का प्रतीक है। अधिकारियों ने बताया कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अवसर पर सोमनाथ में वर्षभर गतिविधियां आयोजित किए जाने की योजना बनाई गई है। आठ से 11 जनवरी तक सोमनाथ में अनेक आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियां होंगी।

प्रधानमंत्री ने सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के 1,000 साल पूरा होने पर 'ब्लॉग पोस्ट' में कहा, हमारी सभ्यता की अदम्य भावना का सोमनाथ से बेहतर कोई उदाहरण नहीं हो सकता। यह मंदिर बाधाओं एवं संघर्षों पर विजय प्राप्त करते हुए गौरव के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेहरू 1951 में मंदिर के उद्घाटन से अधिक उत्साहित नहीं थे। 2026 सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के 1,000 वर्ष पूरे होने का गवाह है और इसके बाद हुए बार-बार के हमलों के बावजूद यह मंदिर आज भी गर्व से खड़ा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि सोमनाथ की गाथा भारत माता की उन अनगिनत संतानों के अटूट साहस की कहानी है जिन्होंने हमारी संस्कृति और सभ्यता की रक्षा की। उन्होंने कहा कि यही भावना आज राष्ट्र में भी दिखाई दे रही है जो सदियों के आक्रमणों और औपनिवेशिक लूट से उबरकर वैश्विक विकास के सबसे चमकते केंद्रों में से एक बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वह हमारे नवोन्मेषी युवाओं में निवेश करना चाहती है। उन्होंने कहा कि हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अतीत के आक्रमणकारी आज समय की धूल बन चुके हैं। उनका नाम अब विनाश के प्रतीक के तौर पर लिया जाता है। उन्होंने कहा कि इतिहास के पन्नों में वे केवल 'फुटनोट' हैं जबकि सोमनाथ आज भी अपनी आशा बिखेरता हुआ प्रकाशमान खड़ा है। सोमनाथ हमें यह बताता है कि घृणा और कट्टरता में विनाश की विकृत ताकत हो सकती है, लेकिन आस्था में सृजन की शक्ति होती है।

नेहरू, वामपंथी इतिहासकारों ने गजनी को महज लुटेरा बताकर इतिहास को किया विकृत : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने महमूद गजनी के सोमनाथ मंदिर पर किए पहले हमले की 1,000वीं बरसी पर कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि यह दिन ये याद रखने और समझने के लिए महत्वपूर्ण है कि कैसे जवाहरलाल नेहरू और वामपंथी इतिहासकारों ने मुस्लिम आक्रमणकारी को केवल लुटेरा बताकर इतिहास को विकृत किया और यह नहीं कहा कि वह एक धार्मिक कट्टरपंथी था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि मंदिर के पुजारियों और तत्कालीन राजा ने महमूद गजनी से लाखों सोने के सिक्कों के बदले शिवलिंग को छोड़ने की विनती की थी, लेकिन उसने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और यह कहते हुए उसे तोड़ दिया कि वह मूर्ति पूजकों के साथ व्यापार करने वाले घृणित व्यक्ति के बजाय मूर्तिभंजक के रूप में जाना जाना चाहता है। भाजपा के राज्यसभा सदस्य ने कहा, महमूद गजनी के साथ रहे एक इतिहासकार ने अपने लेखन में इस घटना का जिक्र किया है। इससे वामपंथी इतिहासकारों और अन्य लोगों द्वारा इतिहास को विकृत करने वाले सभी सिद्धांत ध्वस्त हो जाते हैं। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि उन्होंने महमूद गजनी को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश किया जो धार्मिक कट्टरपंथी नहीं था और वह भारत में केवल लूटपाट के उद्देश्य से आया था।

प्रधानमंत्री को अजमेर दरगाह पर चादर चढ़ाने से रोकने वाली याचिका रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री मोदी को अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाने से रोकने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस पर सुनवाई करने से इन्कार करते हुए सोमवार को कहा कि यह मुद्दा तर्कसंगत नहीं है। इस याचिका में केंद्र सरकार और उसके संस्थानों द्वारा अजमेर दरगाह को राज्य प्रायोजित औपचारिक सम्मान और प्रतीकात्मक मान्यता प्रदान करने को भी चुनौती दी गई थी।

याचिकाकर्ता जितेंद्र सिंह और अन्य के अधिवक्ता बरुन सिन्हा ने कहा कि अजमेर दरगाह पर प्रधानमंत्री द्वारा चादर चढ़ाने की प्रथा तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1947 में शुरू की थी और यह तब से बिना कानूनी या संवैधानिक आधार के जारी है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने सिन्हा से कहा कि चूंकि यह मामला तर्कसंगत नहीं है, इसलिए न्यायालय इस पर टिप्पणी नहीं करेगा। सिन्हा ने कहा कि निचली अदालत में इस दावे पर मुकदमा है कि दरगाह का निर्माण शिव मंदिर पर किया गया था।

विवाद में व्यक्ति को पीटा बेटे को किया निर्वस्त्र

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्वी दिल्ली में जिम के मालिकाना हक को लेकर हुई झड़प, एक आरोपी गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में जिम के मालिकाना हक को लेकर हुए विवाद ने उस वक्त हिंसक रूप ले लिया जब एक व्यक्ति की बेरहमी से पिटाई की गई, उसकी पत्नी के साथ छेड़छाड़ हुई और उनके बेटे को सरेआम निर्वस्त्र कर पीटा गया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य फरार हैं।

पुलिस को सूचना दो जनवरी को पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) कॉल के जरिए मिली। पुलिस टीम ने शिकायतकर्ता और उसके परिजनों को घायल अवस्था में पाया, जिन्हें हेडगेवार अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सतीश है, जो पीड़ित परिवार के स्वामित्व वाले जिम में केयरटेकर था। सतीश पर आरोप है कि उसने दंपति को धोखा देकर जिम पर कब्जा किया था। इसी को लेकर दोनों पक्षों में कई बार विवाद हुआ और मामला हिंसक झड़प में बदल गया। सोशल मीडिया पर प्रासरित हो रहे वीडियो में चार लोग एक व्यक्ति को पीटते, उसके कपड़े उतारकर अपमानित करते और उसके चेहरे पर बार-बार लात मारते दिखाई दे रहे हैं। और एक आरोपी को पीड़ित को जूते से मारते देखा जा सकता है। एक अन्य वीडियो में हमले के दौरान बाइक से पहुंचे दो पुलिसकर्मी पीड़ित को उसकी पैंट दे रहे हैं, जबकि आरोपी मौके पर ही मौजूद हैं।

घटना के बाद सदमे में पीड़ित परिवार

हिंसक घटना के बाद से पीड़ित परिवार सदमे में है। पीड़ित की मां ने कहा कि वह अपने पिता को बचाने गया था, उन्होंने उसे नंगा कर दिया, उसके चेहरे पर जूतों से मारा और उसे सड़क पर छोड़ दिया। यह सब उसकी शादी से ठीक 10 दिन पहले हुआ। पीड़ित की मां रीता गर्ग ने कहा कि शादी की वजह से हमारे घर में खुशियां होनी चाहिए थीं। लेकिन अब डर का माहौल है। आरोपियों ने उन पर भी हमला किया था।

गुजरात : शेरनी को बेहोश करने को फेंका डार्ट लगने से ट्रैकर की मौत

जूनागढ़। गुजरात के अमरेली जिले में बचाव अभियान के दौरान शेरनी को बेहोश करने वाला ''डार्ट'' लगने से वन विभाग के लिए ''ट्रैकर'' के रूप में काम करने वाले व्यक्ति की मौत हो गई। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मुख्य वन संरक्षक (जूनागढ़ वन्यजीव प्रभाग) राम रतन नाला ने मृतक की पहचान अशरफ चौहान के रूप में की। नाला ने कहा कि रविवार को चार वर्षीय लड़के की हत्या करने वाली शेरनी को बेहोश करके पिंजरे में बंद करने के अभियान के दौरान, बचाव दल द्वारा चलाई दागी गई एक डार्ट गलती से कुछ दूरी पर खड़े ट्रैकर अशरफ चौहान को लग गई। अशरफ को पहले विसावदर के एक अस्पताल में ले जाया गया और फिर जूनागढ़ सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां आज सुबह सात बजे उसकी मौत हो गई। अमरेली के विसावदर तालुका के नानी मोनपरी गांव के पास शेरनी ने खेतों में मजदूरी करने वाले परिवार के चार साल के एक बालक को मार डाला था।

लालू यादव की याचिका पर सीबीआई से जवाब तलब

नई दिल्ली, एजेंसी

आईआरसीटीसी घोटाला

दिल्ली हाईकोर्ट ने आईआरसीटीसी घोटाला में आरोप तय करने के आदेश के खिलाफ राजद नेता लालू प्रसाद यादव की याचिका पर सोमवार को सीबीआई से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने मुकदमे पर रोक लगाने से इन्कार करते हुए कहा कि जांच एजेंसी के जवाब पर गौर किए बिना ऐसा नहीं किया जा सकता।

अदालत ने सीबीआई से यादव की याचिका और रोक के आवेदन पर जवाब मांगा और मामले की अगली सुनवाई के लिए 14 जनवरी की तारीख तय की। हाईकोर्ट ने मामले में निचली अदालत से रिकॉर्ड भी मांगा। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान लालू के अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल और मनिंदर सिंह ने कहा कि वे निचली अदालत में सुनवाई पर रोक लगाने का अनुरोध कर रहे हैं और एक महीने में दो गवाहों से जिरह की जा चुकी है। अदालत ने कहा कि वह सीबीआई से जवाब मिलने के बाद 14 जनवरी को मामले पर रोक लगाने की याचिका पर सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि उन्हें जवाब दाखिल करने दें।

सिख विरोधी टिप्पणियों पर मान को अकाल तख्त ने किया तलब

अमृतसर। श्री अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्च सत्ता और सिख गुरुओं द्वारा आशीर्वाद प्राप्त गुरु की गोलक (दसवंध) के सिद्धांत को चुनौती देने वाली आपत्तिजनक टिप्पणियों के संबंध में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को 15 जनवरी को श्री अकाल तख्त साहिब के सचिवालय में पेश होने को तलब किया गया है।

तख्त के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह गड़गज्ज ने कहा कि यह कार्रवाई मुख्यमंत्री भगवंत मान के हाल में सामने आए वीडियो के मद्देनजर भी शुरू हुई है, जिसमें उन्हें सिख गुरुओं और जरनैल सिंह खालसा भिंडरांवाले की तस्वीरों के साथ बेहद आपत्तिजनक गतिविधि करते हुए देखा जा रहा है। गड़गज्ज ने कहा कि मुख्यमंत्री पंजाब में उच्च संवैधानिक पद पर हैं, और उनके सिख विरोधी बयान उनके अंदर सत्ता के अहंकार को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें तख्त के सामने पेश नहीं किया जा सकता है, उन्हें 15 जनवरी को सचिवालय में पेश होकर स्पष्टीकरण देने को तलब किया गया है।

एसआईआर: अमानवीय आचरण पर जाएंगे कोर्ट : ममता

सागर द्वीप (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान किए गए अमानवीय आचरण के खिलाफ अदालत जाएंगी। दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप की जनसभा में उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से जुड़े भय, उत्पीड़न और प्रशासनिक मनमानी से कई लोगों की मौत हुई है और कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि हम एसआईआर से हुए अमानवीय व्यवहार और इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत के खिलाफ अदालत में कल याचिका दायर करेंगे। यदि अनुमति मिली तो मैं भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर आम नागरिक के रूप में इस अमानवीय प्रक्रिया के खिलाफ आवाज उठाऊंगी। मैं प्रशिक्षित वकील भी हूं। बनर्जी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि याचिका वह दायर करेंगी, राज्य सरकार द्वारा दायर की जाएगी या तृणमूल कांग्रेस द्वारा।

फर्जी वोटरों का खुलासा होने से घबरा रहीं ममता

कोलकाता। प. बंगाल विस में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला करते हुए कहा कि इस प्रक्रिया से सत्ताधारी टीएमसी घबरा गई है क्योंकि इससे 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले फर्जी मतदाताओं और अन्य अनियमितताओं का खुलासा होने का खतरा है। अधिकारी ने एक्स पर कहा कि उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है, जिसमें एसआईआर प्रक्रिया की बनर्जी की आलोचना और इसे रोकने की अपील का जवाब दिया है। बनर्जी के एसआईआर को रोकने की उनकी हालिया अपील को खारिज किया गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

यहूदी नरसंहार की गवाह ईवा का निधन

लंदन। किशोरी डायरी लेखिका ऐनी फ्रैंक की सौतेली बहन और यहूदी नरसंहार की भयावहता के बारे में दुनिया को बताने वालीं ईवा श्लॉस का निधन हो गया। वह 96 वर्ष की थीं। लंदन में शनिवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। श्लॉस ट्रस्ट की मानद अध्यक्ष थीं। फ्रैंक ने अपनी डायरी में नाजी क्रूरता का वर्णन किया था। ईवा श्लॉस को ऑशवित्ज यातना शिविर से तब मुक्ति मिली थी, जब सोवियत सैनिकों ने शिविर को मुक्त कराया। ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय ने कहा कि उन्हें श्लॉस को जानने का सौभाग्य मिला, जिन्होंने युवाओं को पूर्वाग्रहों को चुनौती देने में मदद करने के लिए परमार्थ ट्रस्ट की सह-स्थापना की थी।

ब्रिजिट मैक्रों के उत्पीड़न में 10 दोषी

पेरिस। पेरिस की एक अदालत ने फ्रांस की प्रथम महिला ब्रिजिट मैक्रों के ऑनलाइन उत्पीड़न के मामले में सोमवार को 10 लोगों को दोषी ठहराया। अदालत ने सभी दोषियों को साइबरबुलिंग जागरूकता प्रशिक्षण से लेकर आठ महीने के निलंबित कारावास तक की सजा सुनाई। ब्रिजिट मैक्रों को निशाना बनाकर ट्रांसजेंडर पहचान और कथित बाल यौन शोषण अपराध के बारे में किए गए झूठे दावों का जिक्र करते हुए अदालत ने विशेष रूप से अपमानजनकऔर दुर्भावनापूर्ण टिप्पणियों की ओर इशारा किया।

फ्रांस में 10 दिनों की हड़ताल पर गए डॉक्टर

पेरिस। फ्रांस में निजी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों और विशेषज्ञों ने इस वर्ष के सामाजिक सुरक्षा बजट में प्रस्तावित उपायों के विरोध में सोमवार से 10 दिनों की हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल का आयोजन कर रही यूनियनों ने निजी क्लीनिकों को बंद करने और परामर्श रद्द करने या स्थगित करने का आह्वान किया है। निजी क्लीनिकों के ऑपरेशन थिएटर भी बंद रहने की संभावना है, जिसका सीधा असर सरकारी अस्पतालों पर पड़ सकता है। फ्रेंच मेडिकल ट्रेड यूनियंस के परिसंघ का कहना है कि उन्हें इस आंदोलन में अत्यधिक भागीदारी की उम्मीद है।

मिसाइल परीक्षणों में थे हाइपरसोनिक हथियार

सियोल। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसने रविवार को जिन मिसाइल का प्रक्षेपण किया था, वे हाइपरसोनिक मिसाइल थीं। उत्तर कोरिया ने बताया कि उसके नेता किम जोंग ने हाइपरसोनिक मिसाइलों की परीक्षण-उड़ान देखी और देश की परमाणु युद्ध प्रतिरोधक क्षमता की मजबूती पर जोर दिया। दक्षिण कोरिया ने इन्हें बैलिस्टिक मिसाइल कहा था।

पूर्व आबकारी आयुक्त समेत 31 लोगों की संपत्तियां कुर्क

- छत्तीसगढ़ बहुचर्चित शराब घोटाले में ईडी ने की कार्रवाई

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कार्रवाई करते हुए तत्कालीन आबकारी आयुक्त निरंजनदास और 30 अन्य आबकारी अधिकारियों की कुल 38.21 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत की गई है।

ईडी के अनुसार, कुर्क की गई संपत्तियों में कुल 78 अचल संपत्तियां शामिल हैं, जिनमें आलीशान बंगले, प्रीमियम आवासीय परिसरों में फ्लैट, व्यावसायिक दुकानें और बड़े पैमाने की कृषि भूमि शामिल है। 197 चल संपत्तियां भी कुर्क की गई हैं, जिनमें उच्च मूल्य की सावधि जमा (एफडी), विभिन्न बैंक खातों में जमा राशि, जीवन बीमा पॉलिसियां, इक्विटी शेयर और म्यूचुअल फंड निवेश शामिल हैं। ईडी का दावा है कि इस आबकारी घोटाले के कारण राज्य के खजाने को 2,800 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है।

सावधान! केमिकल ले रहा जान

हेयर स्ट्रेटनिंग से किडनी डैमेज भी संभव

सौंदर्य पाने की चाह में अपनी सेहत से समझौता करना भारी पड़ सकता है। आजकल लड़कियां खूबसूरत दिखने के लिए हेयर स्ट्रेटनिंग, स्मूदनिंग और अन्य केमिकल ब्यूटी ट्रीटमेंट्स का सहारा लेती हैं। लेकिन बिना सही जानकारी और सावधानी के ये ट्रीटमेंट्स सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। हाल ही में इजराइल में ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें 17 साल की लड़की किडनी हेयर स्ट्रेटनिंग (बाल सीधा) कराने के बाद गंभीर रूप से अस्वस्थ हो गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इलाज के दौरान चिकित्सकों ने जांच पाया कि उसकी किडनियां खराब हो गई हैं। ऐसे में किसी केमिकल का इस्तेमाल करने से पहले पर्याप्त जानकारी करने की जरूरत है।

इजराइल में हुई घटना

इजराइल में हाल के दिनों में इस तरह की घटना हुई जब 17 साल की लड़की पार्लर गई और हेयर स्ट्रेटनिंग करवाने के बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिवार ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां जांच में पता चला कि उसकी किडनियां गंभीर रूप से खराब हो चुकी थीं। यह पहला ऐसा मामला नहीं है। इससे पहले भी 25 साल की एक युवती को इसी प्रकार के हेयर स्ट्रेटनिंग ट्रीटमेंट के बाद किडनी डैमेज के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था।

इनका होता है इस्तेमाल

- हेयर स्ट्रेटनिंग में मुख्य रूप से थियो-आधारित रसायन (जैसे अमोनियम थायोग्लाइकोलेट) या केराटिन-आधारित फॉर्मूले का इस्तेमाल होता है, पहले बालों के बॉन्ड तोड़ते हैं और दूसरा उन्हें प्रोटीन से भरता है, साथ ही कभी-कभी सोडियम/कैल्शियम हाइड्रोक्साइड और फॉर्मेल्डिहाइड (जो खतरनाक है और प्रतिबंधित हो रहा है) जैसे केमिकल्स भी पाए जाते हैं, जो बालों को स्थायी रूप से सीधा करने या उन्हें मुलायम बनाने के लिए होते हैं। कई देशों में ग्लाइऑक्सिलिक एसिड प्रोडक्ट्स पर प्रतिबंध लगा दिया है।

इनका रखें ध्यान

- किसी भी केमिकल का इस्तेमाल करने से पहले साइड इफेक्ट्स जान लें।
- स्ट्रेटनिंग क्रीम को सीधे स्कैल्प या बालों की जड़ों पर न लगाएं, स्कैल्प से 1.5 सेंटीमीटर की दूरी बनाए रखें।
- हेयरड्रेसर को प्रोडक्ट का इस्तेमाल सही निर्देशों के अनुसार करना चाहिए।

ग्लाइऑक्सिलिक से खतरा

- ग्लाइऑक्सिलिक एसिड युक्त हेयर स्ट्रेटनिंग उत्पादों के इस्तेमाल से किडनी में कैल्शियम ऑक्सालेट क्रिस्टल जमा होते हैं जिससे गंभीर किडनी फेलियर का खतरा बढ़ जाता है। यह बात फ्रांसीसी शोधकर्ताओं की एक टीम ने जानवरों पर इस संदिग्ध उत्पाद का परीक्षण करके पता लगाया है। फ्रांस के पेरिस स्थित टेनॉन अस्पताल के नेफ्रोलॉजिस्ट एमडी इमैनुएल लेटावर्नियर के अनुसार चूहों पर मिले नतीजे चौंकाने वाले हैं। स्ट्रेटनिंग क्रीम लगाने के 24 घंटे के भीतर ही उनमें गंभीर किडनी फेलियर हो गया। नमूनों में सभी किडनी ट्यूबल्स में कैल्शियम ऑक्सालेट क्रिस्टल पाए गए। शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया कि ग्लाइऑक्सिलिक एसिड के त्वचा पर लगाने से होने वाली समस्या को देखते हुए इसके उत्पादों से बचना चाहिए और इन्हें बाजार से हटा देना चाहिए।

संपर्क में न आए सिर की त्वचा

हाल ही में कुछ कॉस्मेटिक उत्पादों जैसे शैम्पू, स्टाइलिंग लोशन और स्ट्रेटनिंग उत्पाद में ग्लाइऑक्सिलिक एसिड का उपयोग फॉर्मेल्डिहाइड के विकल्प के रूप में शुरू किया गया है जो जलन पैदा करने वाला और संभवत: कैंसरकारी होता है। ग्लाइऑक्सिलिक एसिड बालों को मुलायम बनाता है किंतु सिर की त्वचा के संपर्क में आने से बचाना चाहिए।

रूस तेल आयात को लेकर ट्रंप की भारत को शुल्क बढ़ाने की चेतावनी

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा-प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे पर मेरी नाराजगी से अवगत

- संकेत दिया कि वाशिंगटन त्वरित कार्रवाई करने के लिए तैयार

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल का आयात करने के मामले में भारत पर आयात शुल्क बढ़ाने की चेतावनी देते हुए संकेत दिया है कि वाशिंगटन इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने के लिए तैयार है और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मुद्दे पर उनकी नाराजगी से अवगत हैं। अपने हवाई जहाज एयर फोर्स वन पर रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि मोदी रूस के साथ भारत के ऊर्जा व्यापार पर उनकी नाराजगी को जानते हैं। मोदी एक बहुत अच्छे इंसान हैं और वह जानते थे कि मैं खुश नहीं हूं। मुझे खुश करना महत्वपूर्ण था, क्योंकि वह व्यापार करते हैं और हम उन पर बहुत जल्दी शुल्क बढ़ा सकते हैं।

यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता चल रही है और अमेरिका ने भारत पर पहले ही 50 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगा रखा है। यह घटनाक्रम वेनेजुएला में हाल ही में हुए अमेरिकी सैन्य अभियान के बाद सामने आया है, जिसमें राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिका ने हिरासत में लिया था।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के आयात शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत तक करने के बाद से मोदी और ट्रंप के बीच तीन बार बातचीत हुई है। इस शुल्क वृद्धि से कपड़ा, रसायन और झींगा मछली जैसी चीजों के निर्यात पर असर पड़ा है। दोनों पक्षों के बीच व्यापार वार्ता जुलाई के अंत में तब विफल हो गई थी, जब भारत ने अपने कृषि बाजार को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोलने का विरोध किया था और भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान ट्रंप की मध्यस्थता की भूमिका को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। बातचीत हालांकि तब से जारी है। दिसंबर 2025 में अमेरिकी उप व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्जर ने नई दिल्ली में दो दिनों में बैठकें की थीं। इस दौरान भारत ने रूसी तेल खरीद से जुड़े दंडात्मक शुल्कों से राहत देने पर जोर दिया था। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि के कार्यालय ने टिप्पणी नहीं की।

क्यूबा पर सैन्य कार्रवाई की जरूरत नहीं

वाशिंगटन। वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अन्य मध्य अमेरिकी देश क्यूबा पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि क्यूबा पर सैन्य कार्रवाई की जरूरत नहीं, क्योंकि वह देश खुद ही बर्बाद हो रहा है। ट्रंप ने एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों के सवाल पर कहा कि अमेरिकी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि वह देश अपने आप ही गिरता हुआ लग रहा है। कहा कि क्यूबा के पास अब आय का कोई जरिया नहीं है। उन्हें अपनी सारी आय वेनेजुएला के तेल से मिलती थी। अब उन्हें उसमें से कुछ भी नहीं मिल रहा है। क्यूबा सचमुच गिरने के कगार पर है। ट्रंप ने एक अन्य मध्य अमेरिकी देश कोलंबिया पर भी टिप्पणी की। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो का जिक्र करते हुए कहा कि कोलंबिया को एक बीमार व्यक्ति चला रहा है।

ट्रंप बोले-ग्रीनलैंड अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से बहुत जरूरी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को फिर दोहराया कि अमेरिका को रणनीतिक दृष्टिकोण के मद्देनजर ग्रीनलैंड की आवश्यकता है। विमान एयर फोर्स वन पर पत्रकारों से ट्रंप ने कहा कि आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन की बढ़ती मौजूदगी के कारण ग्रीनलैंड अमेरिकी सुरक्षा के लिए अत्यंत जरूरी है। अमेरिका को ग्रीनलैंड की जरूरत है, क्योंकि इस समय यह बहुत रणनीतिक जगह है और वहां हर जगह रूस और चीन के जहाज फैले हुए हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से उन्हें ग्रीनलैंड की आवश्यकता है और डेनमार्क इसे संभालने में सक्षम नहीं होगा। उन्होंने दावा भी किया कि यूरोपीय संघ भी उनके इस विचार का समर्थन करता है और वह इस बात को जानते हैं। ट्रंप की यह टिप्पणी वेनेजुएला में वाशिंगटन के सैन्य अभियान के बाद आई है। एक संप्रभु देश के खिलाफ अमेरिकी सेना की इस कार्रवाई ने ग्रीनलैंड को लेकर उन आशंकाओं को फिर बढ़ा दिया है, जिसके बारे में ट्रंप बार-बार कह चुके हैं कि वह आर्कटिक में इसकी रणनीतिक स्थिति के मद्देनजर इसका विलय करना चाहते हैं।

अमेरिका में छोटा विमान हादसाग्रस्त पायलट की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के केप कॉड के प्रॉविन्सटाउन म्युनिसिपिल हवाई अड्डे पर रविवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे पायलट की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि विमान में केवल पायलट ही था।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि यह घटना केप कॉड के दक्षिणी छोर पर स्थित समुद्र किनारे के इलाके के पास हुई। इसमें बताया गया कि दुर्घटना के कारण विमान में आग लग गई, दमकल कर्मियों और अन्य आपातकालीन कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है। बयान के अनुसार, पायलट की मौके पर ही मौत हो गई। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने एक बयान में कहा कि यह विमान सेसना 172एन था और वह इस हादसे की जांच करेगा। हादसे के कारण को लेकर फिलहाल कोई शुरुआती जानकारी नहीं दी गई। दुर्घटना के बाद हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया। प्राविन्सटाउन बोस्टन से करीब 80 किलोमीटर (50 मील) दक्षिण-पूर्व में केप कॉड के आखिरी सिरे पर स्थित है।

बांग्लादेश: हसीना के खिलाफ 21 जनवरी को तय होंगे आरोप

- हसीना व 285 अन्य लोगों के खिलाफ राजद्रोह मामले में चल रही सुनवाई

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की एक अदालत ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 285 अन्य लोगों के खिलाफ राजद्रोह के मामले में आरोप तय करने की तारीख 21 जनवरी निर्धारित की। समाचार पोर्टल टीबीएस न्यूज के अनुसार यह मामला उन आरोपों से संबंधित है कि हसीना और अवामी लीग के सैकड़ों सदस्यों ने दिसंबर 2024 में जॉय बांग्ला ब्रिगेड नामक एक समूह की ऑनलाइन बैठक में भाग लिया था। आरोप है कि बैठक के दौरान उन्होंने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश रची थी। यह समूह अवामी लीग और हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान की विरासत का प्रबल समर्थक है।

सुनवाई के बाद, विशेष न्यायाधीश अब्दस सलाम ने हसीना और 285 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय करने के लिए 21 जनवरी की तारीख निर्धारित की। छात्रों के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद पांच अगस्त, 2024 को हसीना बांग्लादेश छोड़कर भारत चली गईं। उसी वर्ष आठ अगस्त को यूनुस ने अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला। यह मामला पिछले साल मार्च में आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) द्वारा दर्ज किया गया था, जिसने 30 जुलाई को 286 आरोपियों को नामजद करते हुए आरोप पत्र दाखिल किया था।

हादी हत्याकांड :अंतिम चार्जशीट सात तक

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सोमवार को कहा कि छात्र नेता शरीफ उस्मान बिन हादी की हत्या के मामले में अंतिम आरोपपत्र बुधवार को दाखिल किया जाएगा। सरकार ने आश्वासन दिया कि उसके कार्यकाल में न्याय मिलेगा। गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने सचिवालय में कानून और व्यवस्था पर सलाहकार परिषद की बैठक के बाद जानकारी दी।

समाचार पोर्टल की खबर के अनुसार अदालत ने 14 अगस्त को आरोपपत्र स्वीकार कर लिया और आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए। 11 सितंबर को यात्रा प्रतिबंध लगाया गया, जबकि 14 अक्टूबर को अदालत ने अखबारों में नोटिस प्रकाशित करने का आदेश दिया, जिसमें हसीना समेत फरार 261 आरोपियों को अदालत के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया।

उत्तरी नाइजीरिया में नाव के पलटने से 25 लोगों की मौत

अबूजा, एजेंसी

- हादसे में 13 अन्य यात्रियों को बचाया गया जबकि 14 लापता

नाइजीरिया के उत्तरी क्षेत्र में योबे नदी पर स्थानीय मछुआरों और किसानों को ले जा रही एक नाव के पलटने से 25 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य अभी भी लापता हैं। योबे राज्य आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख मोहम्मद गोजे ने कहा कि शनिवार शाम को नगुरु स्थानीय सरकारी क्षेत्र के गरबी कस्बे में नाव पलटने के बाद 13 अन्य यात्रियों को बचा लिया गया।

गोजे ने बताया कि लकड़ी की नाव उत्तर-पश्चिमी राज्य जिगावा के पड़ोसी कस्बे अदियानी से उत्तरी राज्य योबे जा रही थी, तभी रास्ते में पलट गई। उन्होंने पुष्टि की कि आपातकालीन बचाव दल और स्थानीय सामुदायिक स्वयंसेवकों ने पीड़ितों को बचाने के लिए तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी थी। जिगावा पुलिस के प्रवक्ता लावान शिसु ने बताया कि नाव में कम से कम 52 लोग सवार थे और वह नाव पूरी तरह से भरी हुई थी। शिसु ने बताया कि शुरुआती तौर पर मृतकों की संख्या 14 थी, लेकिन बचाव अभियान के दौरान मरने वालों की संख्या बढ़ गई।

अमेरिका में प्रेमी ने की भारतीय महिला की हत्या, फरार

न्यूयॉर्क। अमेरिका के मैरीलैंड राज्य से पिछले सप्ताह लापता हुई 27 वर्षीय भारतीय महिला मृत पाई गई है। पुलिस को संदेह है कि महिला के पूर्व प्रेमी ने उसकी हत्या की है और वह भारत फरार हो गया है। मैरीलैंड के एलिकॉट सिटी की रहने वाली निकिता गोडिशाला (27) दो जनवरी को लापता हो गई थी। हॉवर्ड काउंटी पुलिस ने बताया कि निकिता का शव कोलंबिया स्थित उसके पूर्व प्रेमी अर्जुन शर्मा (26) के अपार्टमेंट से बरामद हुआ है। शव पर चाकू के घाव थे। पुलिस ने शर्मा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट हासिल कर लिया है।

ओडिशा में आग, 20 झोपड़ियां जलीं व 120 मवेशियों की मौत

भद्रक, एजेंसी

- भद्रक जिले में शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

ओडिशा के भद्रक जिले के एक गांव में भीषण आग लगने से 20 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं और लगभग 120 मवेशियों की जान चली गई। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि घटना रविवार देर रात तिहिड़ी थाना क्षेत्र के छत्रपड़ा गांव में हुई।

हालांकि, इस हादसे में किसी भी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन आग की चपेट में आकर करीब 100 बकरियों समेत 120 मवेशियों की मौत हो गई और कई परिवार बेघर हो गए। पीड़ितों ने बताया कि पास-पास बनी झोपड़ियों में आग तेजी से फैल गई जिससे लोगों को अपना सामान बचाने के लिए पर्याप्त मौका तक नहीं मिल पाया। पुलिस के अनुसार, आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़की होगी। ग्रामीणों ने बताया कि शुरुआती चरण में पानी की भारी किल्लत के कारण आग पर काबू पाने में दिक्कत हुई।

मादुरो को ब्रुकलिन की जेल में रखा गया

- गंभीर अव्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में रही यह जेल

न्यूयॉर्क, एजेंसी

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित जिस जेल में रखा गया है, वह लंबे समय से गंभीर अव्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में रही है। हालात ऐसे रहे हैं कि कुछ न्यायाधीशों ने वहां आरोपियों को भेजने से इनकार किया है। हालांकि इस जेल में संगीतकार आर. केली और सीन डिडी कॉम्ब्स जैसे चर्चित कैदी भी रह चुके हैं।

ब्रुकलिन में 1990 के शुरुआती वर्षों में शुरू हुए मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर (एमडीसी) फिलहाल करीब 1,300 कैदी बंद हैं। यह मैनहैटन और ब्रुकलिन की संघीय अदालतों में मुकदमे का सामना कर रहे आरोपियों के लिए आम तौर पर पहली जेल होती है, जहां कथित गिरोह सदस्यों और मादक पदार्थ तस्करों के साथ-साथ सफेदपोश अपराधों के आरोपी भी रखे जाते हैं।

तीन जनवरी की रात मादुरो के पकड़े जाने की खबर के बाद बड़ी संख्या में वेनेजुएला के प्रवासी, हाथों में झंडे लिए, जेल के बाहर जमा हुए और जश्न मनाया। मादुरो और उनकी पत्नी को लेकर पहुंची कानून प्रवर्तन एजेंसियों की गाड़ियों के जेल पहुंचते ही भीड़ ने नारे लगाए। एमडीसी ब्रुकलिन में बंद होने वाले मादुरो पहले राष्ट्रपति नहीं हैं। होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज़ को भी यहां रखा गया था। उन पर अमेरिका में सैकड़ों टन कोकीन की तस्करी का मुकदमा चला था। दोषी ठहराए जाने और 45 साल की सजा सुनाए जाने के बाद उन्हें दिसंबर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने माफी देकर रिहा कर दिया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 जनवरी, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 08 .01 तक तत्पश्चात चतुर्थी 7 जनवरी 06 .52 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

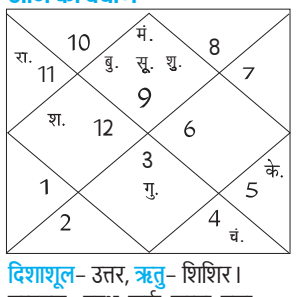

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- आश्लेशा 12 .17 तक तत्पश्चात मघा।

मेष — आज कानूनी मामले उलझ सकते हैं। सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी सहभागिता बढ़ेगी। कारोबार में अपेक्षा से कम लाभ होगा। दूसरों के कारण आपके काम प्रभावित होंगे। खानपान का ध्यान रखें। कंधों और कमर दर्द की शिकायत हो सकती है।

वृष — आज व्यवसायी अपने प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग में धन खर्च कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों के प्रति लापरवाह न रहें। अपनी कार्यशैली में परिवर्तन कर सकते हैं। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को धन लाभ हो सकता है।

मिथुन — आज दिन आपकी इच्छा के अनुसार नहीं रहेगा। आपको दूसरों पर निर्भर रहना पड़ेगा। फाइनेंस और फंड्स को लेकर परेशान रहेंगे। इसीलिए आपको धैर्यवान बने रहना चाहिए। अपने कार्यों से संतुष्ट नहीं रहेंगे। सर्दी-गर्मी की समस्या हो सकती है।

कर्क — आज अच्छी खबरों से दिन की शुरुआत होगी। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल होंगे। आपका मन प्रसन्न रहेगा। अपने रहन-सहन व जीवनस्तर पर काफी ध्यान देंगे। लोग आपसे प्रेरणा लेंगे। छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है।

सिंह — आज जरूरी कार्य लापरवाही के कारण रुक सकते हैं। गलत लोगों की संगत से बचें। दिखावे में धन खर्च होगा। भूमि भवन की खरीदारी में नुकसान हो सकता है। बड़े बुजुर्गों की बातों को अनसुना न करें।

कन्या — आज प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। जॉब में इच्छित लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे। मित्रों व परिचितों का साथ मिलने से आपको काफी आसानी होगी। प्रेम संबंधों में परस्पर समर्पण और अपनेपन की भावना का विकास होगा।

तुला — आज किसी पर्यटन स्थल की यात्रा पर जाने की योजना बना सकते हैं। कुछ नवाचार करने की प्रेरणा मन में उत्पन्न होगी। खानपान में शुद्धता का विशेष ध्यान दें। जीवनसाथी की भावनाओं का अनादर न करें। पारिवारिक जीवन में कुछ उथल-पुथल हो सकती है।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ रहने वाला है। विदेश यात्रा की बाधा दूर होगी। जॉब में मनोवांछित पद मिल सकता है। दिनचर्या काफी व्यवस्थित रहेगी। मनोरंजन के कार्यों में रुचि लेंगे। बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है।

धनु — आज शाम को आपकी सेहत खराब हो सकती है। अपने सहयोगियों से संबंध अच्छे रखें। अपनी क्षमता से ज्यादा धन खर्च न करें। आपके आसपास का माहौल अनूकूल नहीं रहेगा। लोग आपका अपमान कर सकते हैं।

मकर — आज आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से आपका तालमेल बेहतरीन रहेगा। अपने शौक पर धन खर्च कर सकते हैं। घर में सुख शांति का वातावरण रहेगा। वैवाहिक जीवन काफी रोमांटिक रहने वाला है।

कुंभ — आज विपरीत लिंग के जातकों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे। किसी पर पर ज्यादा विश्वास न करें। परिजनों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। संतान का व्यवहार थोड़ा अजीब सा रहेगा। परोपकार के कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं।

मीन — आज दिन की शुरुआत काफी अच्छी रहेगी। घरेलू वातावरण थोड़ा अजीब रहेगा। नई जॉब की शुरुआत कर सकते हैं। अनैतिक कार्यों से दूर रहें। परिजनों का व्यवहार सकारात्मक रहेगा। प्रेम संबंध स्वार्थ कारणों से प्रभावित होने की आशंका है।

सुडोकू-24

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		9		2	6		1	
		5	1				7	
4			9	7		8		3
		6			7		2	
	8						9	
	1		6			4		
3		2		1	8			6
	4				9	7		
	6		4	5		1		

सुडोकू - 23 का हल

2	6	5	4	1	9	8	3	7
9	3	4	8	6	7	5	1	2
7	1	8	2	5	3	4	6	9
8	9	7	5	4	1	3	2	6
3	4	2	9	8	6	7	5	1
6	5	1	7	3	2	9	4	8
1	8	6	3	9	5	2	7	4
5	2	9	1	7	4	6	8	3
4	7	3	6	2	8	1	9	5

टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट हमेशा प्रदर्शन का मजबूत आधार बने रहेंगे लेकिन टी20 के बाद टी10 क्रिकेट का दौर भी देखने को मिल सकता है। साहस और आक्रामक सोच के बिना ना तो खेल में और ना ही जीवन में बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।
-वीरेन्द्र सहवाग

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार, 6 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

नीरज चोपड़ा ने जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स से नाता तोड़ा

नई दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ एक दशक पुराना रिश्ता तोड़ दिया है और अब वह अपनी खिलाड़ी प्रबंधन फर्म वेल स्पोर्ट्स शुरू करेंगे। चोपड़ा 2016 में जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स से जुड़े थे। 27 वर्ष के चोपड़ा ने एक विज्ञप्ति में कहा पिछले एक दशक से हमारा सफर विकास, विश्वास और उपलब्धियों से भरा रहा है। मेरे कैरियर में जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स की अहम भूमिका रही है और उनके सहयोग और दृष्टिकोण के लिये मैं हमेशा आभारी रहूंगा। उन्होंने कहा इस अध्याय को खत्म करने के साथ मैं उन्हीं मूल्यों को अपने सफर के अगले चरण में लेकर जा रहा हूं।

कोमा से बाहर आए डेमियन मार्टिन

ब्रिसबेन। गोल्ड कोस्ट के एक अस्पताल में दिमागी बुखार का इलाज करा रहे आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेमियन मार्टिन कोमा से बाहर आ गए हैं। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बताया कि 54 वर्ष के विश्व कप विजेता क्रिकेटर को जल्दी ही आईसीयू से बाहर कर दिया जाएगा। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रसारक फॉक्स स्पोर्ट्स ने दो दिन पहले कहा था कि मार्टिन कोमा से बाहर हैं और अपने प्रियजनों से बात कर रहे हैं। मार्टिन के साथी खिलाड़ी रहे और दोस्त एडम गिलक्रिस्ट ने रविवार को एक बयान में कहा पिछले 48 घंटे में कुछ अविश्वसनीय सा हुआ। अब डेमियन बात कर रहा है और उसकी हालत में सुधार आ रहा है।

पूर्व विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन का निधन

कोलकाता। पूर्व विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन मनोज कोठारी का सोमवार को तमिलनाडु के तिरुनेलवेली स्थित एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। यह जानकारी उनके परिवार के एक सदस्य ने पीटीआई को दी। वह 67 वर्ष के थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और पुत्र सौरव कोठारी हैं। कोलकाता के कोठारी का 10 दिन पहले चेन्नई से 600 किलोमीटर दूर तिरुनेलवेली के कावेरी अस्पताल में लिवर प्रत्यारोपण हुआ था। परिवार के एक सदस्य ने बताया सर्जरी सफल रही और तीसरे दिन वह बैठकर बात कर रहे थे।

ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदारी पारी के बाद पैवेलियन लौटते ट्रेविस हेड। एजेंसी

रूट के शतक के बाद ऑस्ट्रेलिया का पलटवार

सिडनी, एजेंसी

जो रूट के मौजूदा एशेज श्रृंखला के दूसरे शतक से इंग्लैंड ने पांचवें टेस्ट मैच के दूसरे दिन बड़ा स्कोर बनाया लेकिन ट्रेविस हेड की आक्रामक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में शानदार शुरुआत की। रूट की 160 रन की पारी के बदौलत इंग्लैंड की पहली पारी चाय के विश्राम से पहले 384 रन पर सिमटी गयी। यह ऑस्ट्रेलिया में रूट का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर है।

दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 166 रन बना लिए थे। हेड 87 गेंद में 91 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। वह पांच मैचों की श्रृंखला में अपने तीसरे शतक से नौ रन दूर हैं। बेन स्टोक्स ने दिन के आखिरी सत्र में जैक वेदरल्ड (21) और शानदार बल्लेबाजी कर रहे मार्नस लाबुशेन (48) को आउट कर दो सफलता हासिल की। रूट ने 242 गेंद में 160 रन बनाए और वह माइकल नेसेर को रिटर्न कैच देकर लौटे। नेसेर ने 60 रन देकर चार विकेट चटकाए। रूट ने अपनी पारी में 15 चौके जड़े।

उन्होंने अपनी पारी की 146वीं गेंद पर 41वां शतक पूरा करने के बाद उसी अंदाज में जश्न मनाया जिस तरह उन्होंने इस दौरे के ब्रिसबेन टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर अपना पहला शतक पूरा करने के बाद मनाया था। दिन के खेल के बाद 163 टेस्ट के अनुभवी इस खिलाड़ी ने कहा मुझे ऐसा लगा कि इस पूरी श्रृंखला में हमें जबरदस्त समर्थन मिला है और हम एक समूह के रूप में अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाए हैं, लेकिन यह समर्थन कभी कम नहीं हुआ। इस तरह का जश्न वास्तव में धन्यवाद कहने का एक तरीका है। रूट ने इसके साथ टेस्ट में सर्वाधिक शतकों के मामले में रिकी पोंटिंग की बरबारी कर ली। उनसे ज्यादा शतक सचिन तेंदुलकर (51) और जैक कालिस (45) के नाम है।

रूट ने इस दौरान हैरी ब्रूक के साथ 169 रन की साझेदारी की। ब्रूक 84 रन बनाकर स्कॉट बोलैंड की गेंद पर स्टीव स्मिथ को कैच देकर पवेलियन लौटे। मिचेल स्टार्क (93 रन पर दो विकेट) ने इसके बाद इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (शून्य) को श्रृंखला में पांचवीं बार चलता किया।

शतक लगाने के बाद दर्शकों का अभिवादन स्वीकार करते जो रूट। एजेंसी

सिडनी टेस्ट - दूसरा दिन

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	384/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी जारी)	166/2

- इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने 160 रनों की खेली शतकीय पारी
- ऑस्ट्रेयाई ओपनर ट्रेविस हेड शतक से सिर्फ 9 रन दूर

बांग्लादेश ने अब आईपीएल प्रसारण पर लगाया प्रतिबंध

मुस्तफिजुर को केकेआर से निकाला जाना बर्दाश्त नहीं हो रहा

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश ने तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देश पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से 'रिलीज' किए जाने और राजनयिक संबंधों में भारत से आई गिरावट के बाद इस टी-20 लीग के आगामी सत्र के अपने देश में प्रसारण पर सोमवार को प्रतिबंध लगा दिया।

मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को रहमान को 2026 की टीम से 'रिलीज' करने का निर्देश देते समय कोई 'तार्किक कारण' नहीं बताया।

आईपीएल के आगामी सत्र का आगाज 26 मार्च से होगा। आईपीएल के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने का यह कदम बांग्लादेश द्वारा अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत जाने से इनकार करने और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से टूर्नामेंट के सह-मेजबान श्रीलंका में अपने सभी लीग मैच स्थानांतरित करने के अनुरोध के एक दिन बाद आया है।

सहायक सचिव फिरोज खान द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है यह आदेश उचित प्राधिकारी की स्वीकृति से और जनहित में जारी किया गया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने रहमान को 'रिलीज' करने का निर्देश देते हुए केवल इतना कहा था कि यह मौजूदा घटनाक्रम के कारण किया जा रहा है। उन्होंने हालांकि इसका विशिष्ट कारण नहीं बताया था। टी20 विश्व कप के कार्यक्रम के मुताबिक बांग्लादेश को कोलकाता में तीन और मुंबई में एक मैच खेलना है। ग्रुप सी में शामिल बांग्लादेश को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला मैच खेलना है और उसके बाद पूर्व चैंपियन इंग्लैंड, इटली और नेपाल के खिलाफ खेलना है।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से भारत-बांग्लादेश संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। शेख हसीना पिछले साल अगस्त में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद से भारत में है। उन्हें आंदोलन के दौरान कार्रवाई में कथित भूमिका के लिए एक पंचाट ने मौत की सजा सुनाई है। इस कार्रवाई में कई छात्रों की मौत हो गयी थी। हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से हिंदुओं को हिंसक हमलों का निशाना बनाया जा रहा है।

कहा-देश के लोग हैं निराश और आहत

सरकारी अधिसूचना के मुताबिक बीसीसीआई ने इस फैसले (रहमान को आईपीएल से रिलीज करने पर) का कोई तार्किक कारण नहीं दिया है और इस फैसले से बांग्लादेश के लोग निराश और आहत है। उन्होंने कहा इस स्थिति में, अगले आदेश तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सभी मैचों और कार्यक्रमों का प्रसारण रोकने का अनुरोध किया जाता है।

जबरदस्त टक्कर

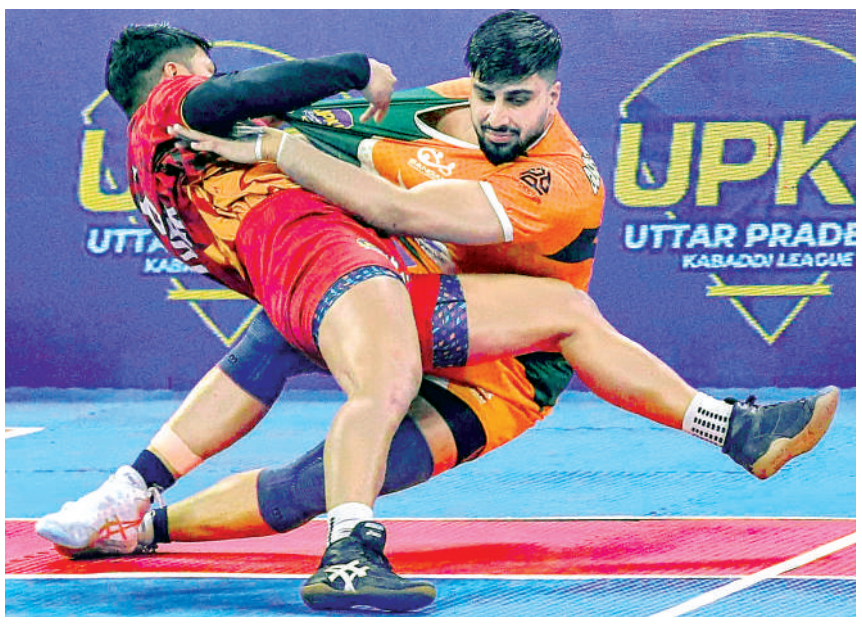

नोएडा में उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग (यूपीकेएल) के दौरान मुकाबला करते कानपुर वॉरियर्स और संगम चैलेंजर्स के खिलाड़ी। मैच के दौरान दोनों टीमों में जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। एजेंसी

विराट कोहली रेलवे के खिलाफ मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं

विजय हजारे ट्रॉफी

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत के महान बल्लेबाज विराट कोहली मंगलवार को यहां रेलवे के खिलाफ दिल्ली के विजय हजारे ट्रॉफी मैच में नहीं खेलेंगे। मुख्य कोच सरनदीप सिंह ने पीटीआई को यह जानकारी दी। देश की इस शीर्ष घरेलू एकदिवसीय प्रतियोगिता में वापसी करते हुए कोहली ने दो मैच में 131 और 77 रन की पारी खेली थी और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू हो रही एकदिवसीय श्रृंखला के लिए जल्द ही राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे।

सरनदीप ने हालांकि कहा कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अलूर में मंगलवार को होने वाले इस मुकाबले में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारत के पूर्व स्पिनर सरनदीप ने कहा विराट उपलब्ध नहीं है। पंत और हर्षित कल खेलेंगे। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने इससे पहले संकेत दिए थे कि कोहली तीन मैच खेल सकते हैं। दिल्ली की टीम अपने पांच में से चार मैच जीतकर ग्रुप डी में शीर्ष पर चल रही है और रेलवे के खिलाफ जीत उसे अगले दौर में जगह दिलाने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला एकदिवसीय मैच 11 जनवरी को वडोदरा में खेला जाएगा जबकि अगले दो मैच में 14 और 18 जनवरी को क्रमशः राजकोट और इंदौर में होंगे। अब सिर्फ एकदिवसीय प्रारूप में खेलने वाले कोहली बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की घरेलू श्रृंखला में दो शतक जड़ने के अलावा नाबाद 65 रन की पारी भी खेली।

मुंबई की अगुआई करेंगे अय्यर

मुंबई। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सोमवार को विजय हजारे ट्रॉफी के बाकी बचे मुकाबलों के लिए मुंबई का कप्तान नियुक्त किया गया क्योंकि नियमित कप्तान शारदुल ठाकुर चोट के कारण बाहर हो गए हैं। अय्यर भी लंबे समय तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद वापसी कर रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच के दौरान उन्हें स्प्लीन में चोट लगी थी और अंदरूनी रक्तस्राव हुआ था। मुंबई के मुख्य चयनकर्ता संजय पाटिल ने ठाकुर की चोट की प्रकृति के बारे में बताए बिना सोमवार को पीटीआई से कहा शारदुल को चोट लगी है और उसे आराम की सलाह दी गई है। हमारे पास शिवम दुबे और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी उपलब्ध है और अय्यर को बाकी बचे मुकाबलों के लिए मुंबई का कप्तान नियुक्त किया गया है।

नाडा की आरटीपी सूची में स्मृति व जेमिमा का भी नाम

नई दिल्ली, एजेंसी

स्टार भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्ज राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) की 2026 की पहली तिमाही के लिए पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल की गईं महत्वपूपर्ण खिलाड़ी हैं जबकि 347 सदस्यीय सूची में 118 खिलाड़ियों के साथ सबसे अधिक एथलीट को जगह मिली है।

पिछली आरटीपी सूची में 227 खिलाड़ी शामिल थे और इस बार इसमें 120 नाम और जोड़े गए हैं। खिलाड़ियों की सूची में यह इजाफा इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों तथा भारत द्वारा अधिक आक्रामक परीक्षण पर जोर देने की वजह से हुआ है।

आरटीपी में शामिल खिलाड़ियों को डोपिंग रोधी एजेंसी के साथ अपना रहने का स्थान साझा करना पड़ता है और प्रत्येक दिन एक तय समय में परीक्षण के लिए उपलब्ध रहना होता है। अपनी उपलब्धता का स्थान बताने में तीन बार नाकाम रहने को डोपिंग उल्लंघन माना जाता है। पिछली आरटीपी में भी सर्वाधिक 68 नाम एथलेटिक्स से जुड़े खिलाड़ियों के थे। नई आरटीपी सूची में भी इनकी संख्या काफी अधिक जिसमें स्टीपलचेज खिलाड़ी अविनाश साबले, बाधा दौड़ की खिलाड़ी ज्योति याराजी, डेकाथलन के तेजस्विन शंकर और फर्राटा धावक अनिमेष कुजूर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की आरटीपी सूची से बाहर होने के बाद साबले को नाडा की सूची में शामिल किया गया है। वाडा की सूची में अब सिर्फ भाला फेंक के दिग्गज खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और सचिन यादव ही शामिल हैं। चौदह क्रिकेटर इस सूची का हिस्सा हैं जिसमें स्मृति और जेमिमा के अलावा सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन शामिल हैं।

- एजेंसी ने 2026 की पहली तिमाही के लिए सूची जारी की
- खिलाड़ियों को अपना रहने का स्थान करना पड़ता है साझा

बैडमिंटन खिलाड़ियों की नजरें मजबूत शुरुआत पर

कुआलालंपुर। लक्ष्य सेन और पी वी सिंधू समेत भारतीय खिलाड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सत्र के शुरुआती 1450000 डॉलर ईनामी राशि वाले मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उतरेंगे तो उनकी नजरें मजबूती से शुरुआत करने पर लगी होंगी।

भारतीय खिलाड़ियों के लिए 2025 अच्छा नहीं रहा जिसमें शीर्ष खिलाड़ी चोटों और खराब फॉर्म से जूझते रहे। अब फोकस शुरू ही से अच्छा प्रदर्शन करने पर होगी।

जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब (गुलाबी ड्रेस) और रांची रॉयल्स के खिलाड़ी। एजेंसी

सूरमा हॉकी क्लब ने दर्ज की पहली जीत

रांची, एजेंसी

- रोमांचक मुकाबले में रांची रॉयल्स को 2-1 से हराया

जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने सोमवार को रांची रॉयल्स को हराकर महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 में अपनी पहली जीत दर्ज की।

आज यहां मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने रांची रॉयल्स को 2-1 से हराया। विजेता टीम के लिए पेनी स्क्विब ने (पहले) और ओलिविया शैनन ने (39वें) मिनट में गोल दागे। जबकि रांची रॉयल्स के लिए एगोस्टिना अलोंसो ने (35वें) मिनट में गोल किया। जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने शानदार शुरुआत की, पहले ही मिनट में दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। उन्होंने दूसरे प्रयास का फायदा उठाया और ड्रैगफ्लिकर पेनी स्क्विब ने (पहले) मिनट में गोल करके अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। पहला क्वार्टर 1-0 के स्कोर पर समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में रांची रॉयल्स ने अच्छी शुरुआत करते हुए जोरदार वापसी की और सूरमा को बैकफुट पर धकेल दिया।

प्रयास जारी | जूनियर विश्व कप 2016 जीतने के बाद रातोंरात स्टार बनें फिर चले गए थे नेपथ्य में

हॉकी लीग से खुद को फिर साबित करना चाहते हैं हरजीत

नई दिल्ली, एजेंसी

जूनियर विश्व कप 2016 जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ सोते हुए कप्तान हरजीत सिंह की तस्वीरें जब वायरल हुई तो उन्हें भारतीय हॉकी का अगला 'सुपरस्टार' कहा जाने लगा लेकिन फिर अचानक उनका नेपथ्य में चले जाना हॉकीप्रेमियों के लिए ही नही, खुद उनके लिए भी हैरानी का सबब रहा।

हॉकी इंडिया लीग में जेएसडब्ल्यू सूरमा के लिए खेल रहे हरजीत ने खास बातचीत में कहा हर खिलाड़ी का सपना होता है कि जूनियर के बाद सीनियर टीम से जुड़े और ओलंपिक खेले। लेकिन अचानक जो कुछ हुआ, मुझे समझ ही नहीं आया कि क्या करूं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2018 में आखिरी बार भारत के लिए खेलने वाले हरजीत की कप्तानी में भारतीय जूनियर टीम ने लखनऊ में 2016 विश्व कप में अपराजित रहकर पंद्रह साल बाद खिताब जीता था। हर अखबार में और सोशल मीडिया पर हरजीत की ट्रॉफी के साथ सोते हुए तस्वीर सुर्खियों में थी। उनकी कामयाबी पर पंजाबी में 'हरजीता' फिल्म भी बनी।

हरजीत 2016 में लंदन में चैम्पियंस ट्रॉफी में रजत पदक जीतने वाली सीनियर टीम और 2015 जूनियर एशिया कप स्वर्ण जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। जूनियर विश्व कप 2016 की टीम से भारत के मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत सिंह, फॉरवर्ड मनदीप सिंह, गोलकीपर कृशन पाठक जैसे कई खिलाड़ी निकले जो सीनियर स्तर पर कामयाब रहे।

हरजीत ने कहा मेरे साथ के सभी खिलाड़ी आज अच्छा खेल रहे हैं और मुझे भी कसक महसूस होती है। 29 वर्ष के इस मिडफील्डर को बखूबी पता है कि राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह अब मुश्किल है लेकिन अपने प्रदर्शन के दम पर वह यह साबित करना चाहते हैं कि उन्हें बाहर करने का फैसला गलत था।

भारत पेट्रोलियम के लिए विभागीय हॉकी खेलने के अलावा हरजीत ने नीदरलैंड में डच लीग में एचजीसी और ब्रिटेन में इंडियन जिमखाना के लिये खेला। पंजाब के मोहाली के कुराली गांव से निकले इस खिलाड़ी ने कहा मैं काफी समय इन चीजों से बाहर नहीं निकल सका। पिंड गया तो वहां भी सभी पूछते थे कि वापिस कब खेलेगा तो मेरा वहां भी रहने का मन नहीं करता था। धीरे धीरे मैने विभागीय हॉकी और दूसरे देशों में लीग खेलनी शुरू की। यह मेरे जीवन का सबसे कठिन दौर था मानो सभी के पास मेरे लिए एक ही सवाल था कि मैं कब दोबारा भारत के लिए खेलूंगा। मैं अपनी ओर से पॉजीटिव रहने की पूरी कोशिश करता था। खेलों की बायोपिक देखकर प्रेरणा लेता था।

सीनियर टीम से हटाए जाने की कसक है मन में

भारत के लिए करीब 50 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल चुके इस खिलाड़ी ने कहा मुझे आज तक यह सवाल चुभता है कि 2019 में राष्ट्रीय शिविर में वापसी के बाद दो ढाई साल तक सीनियर टीम के साथ रहने के बाद मुझे बाहर क्यों किया गया। मैंने कइयों से पूछा, लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। हॉकी इंडिया लीग में अच्छे प्रदर्शन से राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का दावा मजबूत कर सकते हैं, लेकिन मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके दिखाना है कि मुझे बाहर करने का फैसला गलत था। मुझसे आखिर क्या ऐसी गलती हुई थी जिसकी इतनी बड़ी सजा मिली। उनकी तुलना जूनियर विश्व कप विजेता क्रिकेट कप्तान उन्मुक्त चंद से की जाती है जो जूनियर स्तर की सफलता को सीनियर टीम के साथ दोहरा नहीं सके और गायब हो गए।